Corporate Management in Times of Crisis

Edited by

Dr. Manish Kumar Srivastava

Dr. Anshu Gupta

Dr. Maneesh Kumar

Corporate Management in Times of Crisis

Editors:

Manish Kumar Srivastava
Anshu Gupta
Maneesh Kumar

Associate Editors:

Harshdev Verma
Pratima Jaiswal
Suman Kannaujia
Pradeep Kumar

RUDRA

RUDRA PUBLISHERS & DISTRIBUTORS
NEW DELHI -110094 (INDIA)

© Editors
First Published 2021
ISBN: - 978-81-953203-0-1

[No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, mechanical, photo copying, recording or otherwise without prior written permission of the publisher].

Disclaimer: The Chapter, Authors are solely responsible for the content of the chapters. The Publishers and Editors do not take any responsibility for the same in any manner.

Published in India by

RUDRA PUBLISHERS & DISTRIBUTORS
C-293A, Street No. 3, West Karawal Nagar, New Delhi - 110094
Cell : 9312442975 E-mail : rudrapublishers@yahoo.com

Printed at Research Press India New Delhi.

CONTENTS

Sl. No.	Chapter Name	Page No.
	Preface	i
1	Digital Only – Effective Marketing Strategy in The Emerging World *Dr. Raghvendra Kumar Sharma, Dr. Ankita Srivastava*	1
2	The Basics of Digital Marketing *Dr Ashish Mathur, Mr. Raveet Parekh*	13
3	COVID-19 & Indian Financial Sector- An overview *Mr. Pawan Kumar Gupta*	41
4	Pandemic Period: A Spurting Wave In Digitalmarketing *Prof. Ashish Kumar Srivastava, Mr. Anshita Mishra*	48
5	Impact of Pandemic on Non-Banking Financial Companies *Prof. Anil Kumar Yadav, Mr. Sushil Kumar Singh*	58
6	Growth of Indian Insurance Sector During Pandemic *Dr. Manish Kumar Jaiswal*	68
7	Impact of Covid-19 Pandemic on the Health of the Life Insurance Industry in India with Special Reference to HDFC Life *Ms. Nainey Prajapati*	77
8	Portfolio Allocation & Rising Significance of Fundamental Analysis In Investment Decision Making Amidst Covid -19 Era With Reference To Indian Economy *Dr. Vishal Saxena, Mr. Lucky Verma*	87
9	A Study on The Acceptance of Social Media Marketing in India *Mr. Anandvardhan*	101

10	Human Resources Development for Agricultural Sector in India (A special reference to COVID-19 pandemic) *Dr. Krishan Deo Pandey*	112
11	E-Learning Industry in India during Covid-19 Pandemic *Dr. Ritesh Gautam*	118
12	A Study of Consumer Perception Toward Credit Management During Pandemic: With Special Reference to Fintech *Mr. Kishan Kumar Pandey*	126
13	Crisis Leadership- A Dynamic Way to Discover the Undiscovered Potentials During Crisis *Mr. Vipin Vihari Ram Tripathi, Mr. Vikrant Singh*	138
14	Customer Relationship Management Practices and Challenges: Post-Covid Situation *Prof. A. K. Srivastava, Ms. Rukmani Jaiswal*	154
15	Post Pandemic Crisis - Resilience of Financial Institutions in India *Prof. Anil Kumar Yadav, Ms. Purnima Mishra*	163
16	Waves of Covid-19 on The Financial Services Industry in India *Mr. Rahul Pal*	172
17	Insights on Work Productivity Enhancement of Remotely Working Employees During Pandemic *Ms. Manisha Singh*	183
18	Impact of Covid-19 Pandemic on Credit Management: With Special Reference to MSMEs In India *Ms. Saumya Singh*	192
19	The Role of Microfinance in Indian Financial Sector: Prospects & Challenges *Mr. Gautam Vishwakarma*	200

A Study of Consnmer Perception Toward Credit Management During Pandemic: With Special Refereuce to Fintech

Kishan Kumar Panday
Research Scholar,
Department of Commerce,
Deen Dayal Upadhaya
Gorakhpur University,
Gorakhpur

Financial inclusion has driven society toward more rapid economic growth. Technology has made the inclusion so faster; financial institutions are now available on the internet and providing their financial product to the ultimate consumers through the website or applications called Fintech. Fintech is a way to reach coosumers by using internet-based Applicationsand lending credit oniine without interacting physically. Through this paper, it's an attempt to measure consumers perception and the Impact of Pandemic on people's financial need and their way to manage them. This paper would focus on fintech lending and consumer interest in fintech financial services offering.

Keywords: Fintech, Consumer Perceptions, Credit Line, Financial Inclusions

INDIAN HISTORY
A CULTURAL RAINBOW

Editorial Team

Malabika Pande
Rakesh Pandey
Pravesh Bharadwaj
Department of History, Faculty of Social Sciences
Banaras Hindu University

Kishor Vidya Niketan
Varanasi

First Edition : 2020

Price : 400 Rupees

ISBN- 978-81-946085-6-1

© Malabika Pande

Publisher
Kishor Vidya Niketan
B-2/238-a, Bhadaini, Varanasi-221001
ph: 09415996512, Uttar Pradesh
email: kvnpublisher@gmail.com
website: www.kishorvidyaniketan.com

मुद्रक :

CONTENTS

SPECIAL ADDRESS

History, Maps and Geospatial Information 1-7
Prithvish Nag

GANDHIAN IDEOLOGY

Praxis of Gandhian Perspectives in the Present Indian and Global Context 8-32
Sibi K. Joseph

Rediscovering Mahatma Gandhi in India 33-48
Malabika Pande

ANCIENT INDIA

1. **Prehistoric/Archaic Foundations of Marxism and Buddhism** 49-70
Umesh C. Chattopadhyaya
2. **Pastoralism in the Vindhyas: An Archaeological Perspective** 71-90
Ajay Pratap
3. प्रबन्धकोश में इतिहास-दर्शन 91-102
[illegible]
4. जनजातीय इतिहास लेखन के बदलते आयाम और समकालीन भारतीय भाषाई साहित्य 103-108
[illegible]
5. गुप्तकाल का राष्ट्रवादी इतिहास लेखन 109-113
[illegible]
6. **Impact of Mythology and Indian Women: A Study** 114-120
Rita Mishra
7. इतिहास दृष्टिकोण के निर्माण में पालि त्रिपिटक एवं संबंधित पुरातत्व की भूमिका : एक अवलोकन 121-125
सुधा कुमारी

MEDIEVAL INDIA

1. **The Alternative Voice of Women through Bhakti in Medieval India** 126-151
Rekha Pande
2. मध्यकालीन भारत के निर्गुण संत कवि एवं उनके लेखन 152-155
अमित कुमार सिंह

3. मध्यकालीन भारत में स्थानीय साहित्य के सन्दर्भ में अवधी साहित्य के विकास का ऐतिहासिक अध्ययन — 156-159
राम कुमार

4. सल्तनतकालीन चिश्ती सूफी सन्त एवं उनके मुरीदों का इतिहास लेखन में योगदान (1206 ई -1526 ई) — 160-164
रवि कुमार प्रजापति

Modern India

1. Ideologies and Perspectives in Modern Indian History — 165-171
J. N. Sinha

2. Education, Religion, Emancipation: Bhagini Nivedita and India — 172-177
Nina David

3. भारतीय और पाश्चात्य नारीत्व पर स्वामी विवेकानन्द का विचार प्रवाह — 178-185
पूनम राय

4. नारी सम्बन्धी पत्रिका में स्त्री विमर्श : विशेष सन्दर्भ स्त्री दर्पण 1909-1929 — 186-192
नारायण सिंह गौतम

5. 20वीं शताब्दी में भारतीय इतिहास लेखन की दशा एवं दिशा : एक अवलोकन — 193-200
माया नन्द

6. गांधीवादी विकास- एक ऐतिहासिक मिथक के रूप में — 201-206
दीपक कुमार

मध्यकालीन भारत में स्थानीय साहित्य के सन्दर्भ में अवधी साहित्य के विकास का ऐतिहासिक अध्ययन

राम कुमार
शोधार्थी, इतिहास विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

जब भी मध्यकालीन भारत पर चर्चा होती है तो सबसे पहले फारसी साहित्य पर ही बात की जाती है, जबकि ऐसा नहीं है कि उस काल में कोई और साहित्य न रहा हो या न लिखा रचा गया हो। यदि इसी सन्दर्भ में हम बात करें तो हमें अनेकों स्थानीय साहित्य देखने को मिल जाते हैं जिसमें से मागधी, अर्धमागधी, ब्रज, मैथिली, सरसेनी, भोजपुरी, खड़ी बोली और इसी कड़ी में विकसित अवधी साहित्य का विकास भी सर्वप्रमुख है। अवधी साहित्य का उद्भव 14वीं सदी में मुल्ला दाउद कृत चन्दायन (1379 ई0) से माना जाता रहा है और चन्दायन को ही अवधी भाषा की प्रथम कृति होने का दर्जा प्राप्त है। इसके बाद अवधी साहित्य लेखन की यह प्रक्रिया निरन्तर चलती रही और 16वीं-17वीं सदी में एक बड़े पैमाने पर अवधी साहित्य लिखा गया जिसमें से कुतुबन कृत मृगावती (1503-1504 ई0), मलिक मोहम्मद जायसी कृत पद्मावत (1540 ई0), मसलानामा, अखरावट, मंझन कृत मधुमालती (1545 ई0) और गोस्वामी तुलसीदासकृत रामचरितमानस (1575 ई0), नरहरिकृत रुक्मिणी मंगल (1583 ई0), उस्मानकृत चित्रावली (1613 ई0) आदि प्रमुख ग्रन्थ लिखे गये। ये ग्रन्थ प्रमुख रूप से सूफी कवि एवं रामभक्त कवियों द्वारा लिखे गये। इसी अवधी साहित्य के विकास से एक नयी भाषा-संस्कृति एवं समाज का निर्माण हुआ जिसे आज अवधी भाषा और अवधी संस्कृति के रूप में देखा जा सकता है। मेरा अभिप्राय इस शोध शीर्षक से यह बताना है कि इस काल परिप्रेक्ष्य में किस प्रकार अवधी साहित्य का विकास हुआ, क्या उसका ऐतिहासिक महत्व रहा एवं किस प्रकार की विषय-वस्तु को अवधी साहित्य के अन्तर्गत लिखा गया।

अवधी भाषा के साहित्य की शुरुआत मुल्ला दाउदकृत चन्दायन से होती है। चन्दायन को मुल्ला दाउद ने फिरोजशाह तुगलक के शासन काल में लिखा गया और दिल्ली सुल्तान अर्थात फिरोजशाह तुगलक के पुत्र जूनाशाह को दरबार में समर्पित किया इस रचना का मूल विषय सूफी प्रेम काव्य है लेकिन इसका यह अर्थ कतई नहीं कि इस ग्रन्थ में प्रेम का ही वर्णन हुआ है इस ग्रन्थ में और भी बहुत सारे पहलू का वर्णन देखने को मिलता है जिसका सम्बन्ध कहीं न कहीं इतिहास से जरूर है। इस ग्रन्थ की मूल विषय-वस्तु एवं ऐतिहासिकता को हम सावित्री चन्द्र शोभा के शब्दों में देख सकते हैं. ''चन्दायन भारतीय लोक कथा पर आधारित

NET, ARS एवं समस्त भारतीय विश्वविद्यालयों की M.Sc.(Agri.)
कक्षाओं हेतु I.C.A.R. द्वारा निर्देशित नवीन पाठ्यक्रमानुसार

उच्चतर कृषि अर्थशास्त्र

(ADVANCE AGRICULTURAL ECONOMICS)

ECONOMETRICS
RURAL MARKETING
LINEAR PROGRAMMING
EVOLUTION OF ECONOMIC THOUGHTS

Scanned with AltaScanner

◆ **प्रकाशक :**

रामा पब्लिशिंग हाउस

आवास विकास कॉलोनी, राजकीय मैदान के सामने

दिल्ली रोड, मेरठ।

Mob. [illegible]

E-mail : ramapublishinghouse@gmail.com

© **सुरक्षित**

◆ **संस्करण-2022**

◆ **ISBN : 978-93-91057-15-2**

◆ **मूल्य : ₹ 300-00 (₹ तीन सौ रुपये) मात्र**

◆ **लेजर टाईप सैटिंग :**

श्रेया कम्प्यूटर्स

मो. [illegible]

◆ **मुद्रक :**

रामा प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स,

दिल्ली रोड, मेरठ

Scanned with AltaScanner

NET, ARS एवं समस्त भारतीय विश्वविद्यालयों
M.Sc. (Agri.) कक्षाओं हेतु ICAR द्वारा निर्देशित नवीन पाठ्यक्रमानुसार

उच्चतर कृषि अर्थशास्त्र

(ADVANCE AGRICULTURAL ECONOMICS)

ग्रामीण विपणन
(Rural Marketing)

लेखक

डॉ० सेवक राम
सहायक प्राध्यापक
कृषि अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी विभाग
कुलभास्कर आश्रम स्नातकोत्तर महाविद्यालय
प्रयागराज (उ०प्र०) 211001

डॉ० प्रेमचन्द्र
सहायक प्राध्यापक
कृषि अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी विभाग
कुलभास्कर आश्रम स्नातकोत्तर महाविद्यालय
प्रयागराज (उ०प्र०) 211001

डॉ० संदीप कुमार पाण्डेय
सहायक प्राध्यापक
कृषि अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी विभाग
एस०एम०एम० टाउन पी०जी० कॉलेज
बलिया (उ०प्र०) 277001

डॉ० ज्ञान प्रकाश सिंह
सहायक प्राध्यापक
कृषि अर्थशास्त्र विभाग
तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय
मुरादाबाद (उ०प्र०) 244001

प्रकाशक

रामा पब्लिशिंग हाउस, मेरठ

Scanned with AltaScanner

पंचम डीम्ड यूनिवर्सिटी के पाठ्यक्रम पर आधारित कृषि अर्थशास्त्र की परीक्षोपयोगी पुस्तकें/TEXT BOOKS

For M.Sc. (Ag.) Classes

For B.Sc. (Ag.) Classes

Scanned with AltaScanner

COOPERATIVES MARKETING CONSUMER PROCESSING AND VALUE ADDITION

Dr. Sandip Kumar Pandey

Scanned with AltaScanner

COOPERATIVE MARKETING CONSUMER PROCESSING AND VALUE ADDITION

Dr. Sandip Kumar Pandey

KANAK PRAKASHAN
Prayagraj (U.P) - 221508

Scanned with AltaScanner

Cooperatives Marketing Consumer Processing and Value Addition

© Author

First Published : 2022

ISBN: 978-93-91922-27-6
Rs. 1500

KANAK PRAKASHAN
Branch Office : L-9A, Gali No. 42,
Sadatpur Extn. Delhi 110094
Head Office : House No. 43, Baldihan, Saidabad,
Prayagraj, (U.P.), 221508
Mobile No. : 8750728055, 8368613868
Email : kanakprakashan@gmail.com

PRINTERS
Aryan Printers, Delhi

Scanned with AltaScanner

Cooperatives Marketing Consumer Processing and Value Addition

Dr Sandip Kumar Pandey Asst. Professor Department of Agricultural Economise, SMM Town P G College Ballia

He belongs to J6/67 A1 Jaitpura Varanasi his speslization in cost return analysis in different Agricultural production

KANAK PRAKASHAN

Branch Office : L 9A, Gali No. 12, Sadatpur Extn. Delhi 110093

Head Office : H. No. 12, Baidhan, Saidabad, Prayag(raj), U.P. [illegible]

Mobile No. [illegible] E-mail: kanakprakashan@gmail.com

₹ 1500

Scanned with AltaScanner

SURE SUCCESS

ORGANIC CHEMISTRY

For BSc. Students

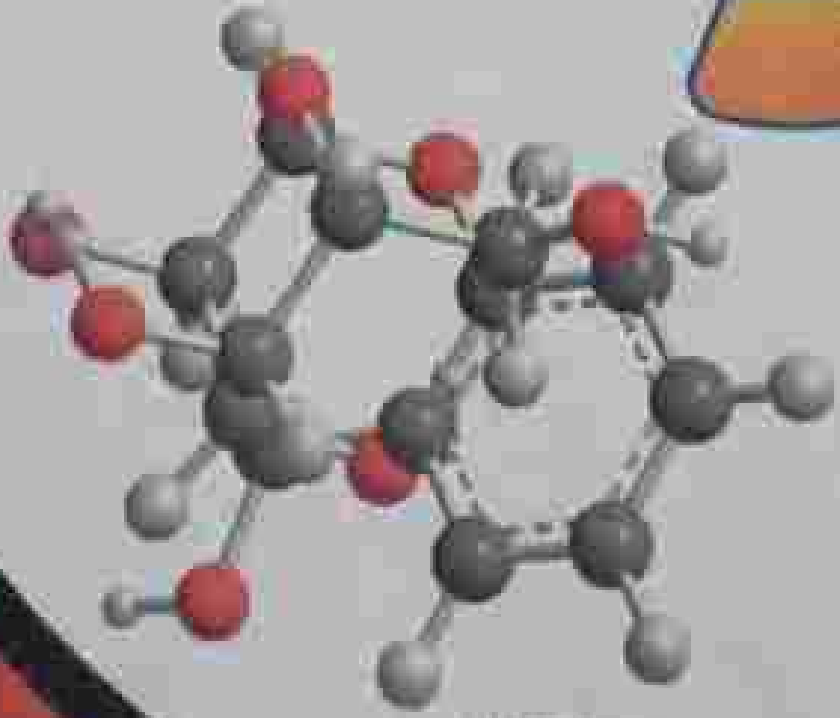

Akhtare Azam
Dr. Awanish Kumar Pandey

© Copyright, 2021, Author's

All rights are reserved. No part of this book may be reproduced or transmitted in any form by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording, or any information storage or retrieval system, without the prior written consent of its author.

The opinions/ contents expressed in this book are solely of the author and do not represent the opinions/ standings/ thoughts of Shashwat Publication. No responsibility or liability is assumed by the publisher for any injury, damage or financial loss sustained to a person or property by the use of any information in this book, personal or otherwise, directly or indirectly. While every effort has been made to ensure reliability and accuracy of the information within, all liability, negligence or otherwise, by any use, misuse or abuse of the operation of any method, strategy, instruction or idea contained in the material herein is the sole responsibility of the reader. Any copyright not held by the publisher are owned by their respective authors. All information in this book is generalized and presented only for the informational purpose "as it is" without warranty or guarantee of any kind.

All trademarks and brands referred to in this book are only for illustrative purpose are the property of their respective owners and not affiliated with this publication in any way. The trademarks being used without permission don't authorize their association or sponsorship with this book.

ISBN:978-93-90761-13-5

Price- 330.00

Publishing Year 2021

Published and Printed by:

Shashwat Publication

Office Address: Ram Das Nagar,

Bilaspur, Chhattisgarh - 495001

Phone: +91 9993603104 +91 9993603865

Email: contact.shashwatpublication@gmail.com

Website: www.shashwatpublication.com

Printed in India

TRANSFORMING INDIA

Vision and Challenges

Editors

Dr. Dinesh Kumar Gupta

Dr. Hariom Prakash Singh

KUNAL BOOKS
4648/21, 1st Floor, Ansari Road,
Daryaganj, New Delhi-110002.
Phones: 011-23275069, 9811043697
E-mail: kunalbooks@gmail.com
Website: www.kunalbooks.com

Transforming India: Vision and Challenges

© Editors

First Published: February 2022
ISBN: 978-93-91908-94-2

[All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted, in any form or by any means, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior written permission of the publisher].

The opinions and views expressed are exclusively those of the authors/ contributors and in no way the editor or publisher is responsible

Published in India by **Prem Singh Bisht for Kunal Books** and printed at Trident Enterprises, Noida, U.P.

CHAPTER

4

Opportunities & Challenges of Environment Education in Transforming India

Dr. Akhare Azam & Dr. Avanish Kr. Pandey***

**Head of Dept. of Chemistry, Govt. Girls P.G. College, Ghazipur, U.P.*

***Assistant Professor S.M.M.T.D. College, Balia, U.P.*

Introduction

The world in the 21st century is facing many challenges related to the environment. On the one hand,the world is developing at an alarming rate while on the other hand, the destruction of natural resources is going on. Therefore, the world's present development path is not sustainable. Efforts to meet the needs of a growing population in an interconnected but unequal and human-dominated world are ignoring the Earth's essential life-support systems (Kofi Annan, 2000). Today, human society is facing severe environmental problems like climate change, greenhouse effect, energy crisis, depletion of natural resources, biodiversity loss, pollution of air, water, soil, etc. The scope of the problems is from the local level to the global level. The ever-increasingpopulation and changing lifestyles are increasing the severity of the environmental problems. The time has come to protect the natural environment through precise efforts.

Environmental Education not only educates the world population about the natural environment and its problem but also aims at developing in them the knowledge, attitude, and skills necessary to protect the natural habitat inthe environment besides working for its enrichment. Environmental Education is nothing but teaching a man how to interact fully with the surrounding world, to improve his inner world. Environmental education

Objective Q and A in Plant Molecular Genetics, Breeding and Plant Biotechnology

Yashlok Singh
Vijaya Nand Pathak

OBJECTIVE Q AND A IN PLANT MOLECULAR GENETICS, BREEDING AND PLANT BIOTECHNOLOGY

Dr Yashlok Singh
Ph.D., Department Of Genetics And Plant Breeding, ANDUAT ,Kumarganj, Ayodhya

Dr Vijaya Nand Pathak
Assistant Professor, Department of Genetics and Plant Breeding
S M M Town P G college Ballia

PARMAR PUBLICATION

Copyright with the Authors

Edition-First -September,2020

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, photocopied or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise without the prior written permission of the publisher/authors.

Note: Due care has been taken while editing and printing of the book. The manuscript contains individual author's sole authorized,duly credited/ copyrighted materials. So far as possible also, due care has been taken for any copyright issues.The author/publisher has attempted to trace and acknowledge the materials reproduced in this publication and apologize if permission and acknowledgements to publish in this form have not been given. If any material has not been acknowledged please write and let us know so that we may rectify it.

Not for Sale

ISBN:978-81-925875-4-9

978-81-925875-4-9

Published by:
Mr.Gajendra Parmar, Proprietor, Parmar Publication
854, KG Ashram,Bhuinphod, Govindpur Road,
Dhanbad-828109,Jharkhand
Email id:gajendraparmar2562@gmail.com

Cover Page Photo Credits: Dr Amarendra Kumar, BAU, Sabour
Cover Page Design,Page Setting, Layout and Printing is rendered by Shri N Suresh Babu

R. LALL
Educational
Publishers
1991

ॐ

शिक्षा अनुसंधान

प्रक्रिया, प्रकार एवं सांख्यिकीय आधार

डॉ० अनुराग भटनागर

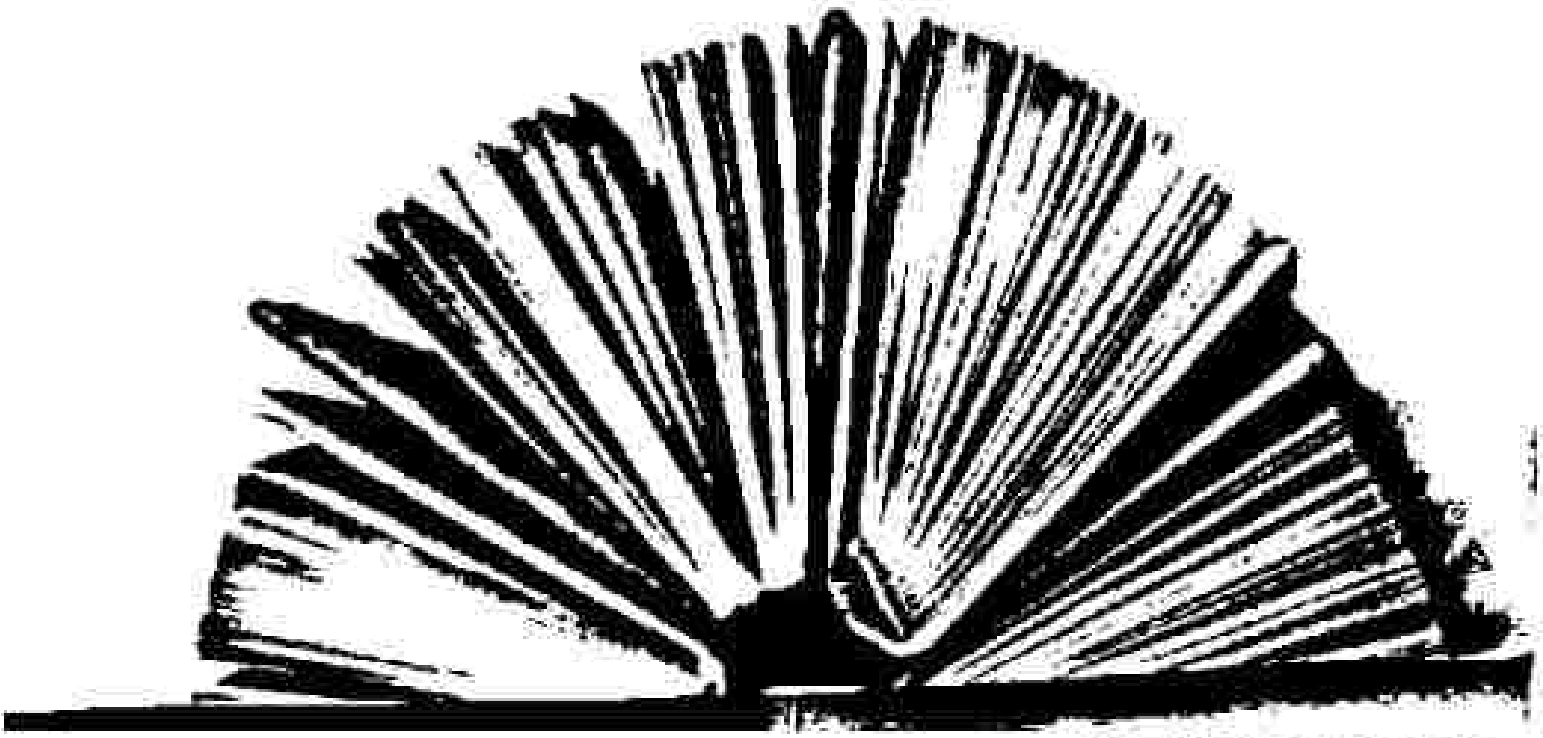

Scanned by CamScanner

❑ शिक्षा अनुसंधान

❑ प्रकाशक :
विनय रस्तोगी
C/o आर० लाल पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स
(AN ISO 9001-2008 Certified Company)
निकट गवर्नमेंट इण्टर कॉलिज, बेगम ब्रिज रोड,
मेरठ, पिन प्लस 250 001-37001
फोन : 0121-2666235, 4023623, (O)
E-mail : info@rlall.in
Website : www.rlall.in
ORDER BOOKING No. : 0121-4054773
Whatsapp No. : 8445045773

❑ © लेखकाधीन

ISBN : 978-93-83995-62-2

❑ मूल्य : ₹ 425.00

❑ लेज़र टाइप सैटिंग :
जे०एम०डी० कम्प्यूटर्स, मेरठ।

❑ मुद्रक :
मोहन प्रिन्ट मीडिया (प्रा०) लि०, मेरठ।

Scanned by CamScanner

विषय-सूची
(CONTENTS)

1. ज्ञान एवं इसके स्रोत
(KNOWLDEG AND ITS SOURCES) 1-24

ज्ञानमीमांसा का अर्थ; ज्ञान-प्रत्यय, प्रकार, स्रोत तथा प्राप्त करने के साधन; ज्ञान का अर्थ; भारतीय दर्शन के अनुसार ज्ञान का अर्थ; ज्ञान-प्रत्यय, प्रकार, स्रोत तथा प्राप्त करने के साधन : ज्ञान के सम्बन्ध में परिभाषाएँ; ज्ञान सम्बन्धी प्रमुख सिद्धान्त; (1) बुद्धिवाद; ज्ञान-प्रत्यय, प्रकार, स्रोत तथा प्राप्त करने के साधन; (2) अनुभववाद, बुद्धिवाद तथा अनुभववाद की तुलना; (3) संशयवाद; वास्तविक ज्ञान; ज्ञान सम्बन्धी प्रमुख समस्याएँ; ज्ञानार्जन के साधन एवं उसकी वैज्ञानिक विधि; ज्ञानार्जन के साधन; अधिकृत स्रोत; व्यक्तिगत अनुभव; तर्क; ज्ञानार्जन की वैज्ञानिक विधि; वैज्ञानिक विधि की प्रक्रिया; वैज्ञानिक विधि का क्रमिक विकास; अनुभवाश्रित विधि; सिद्धांत विकास; अनुसंधान की वैज्ञानिक विधि; (1) निरीक्षण; (2) सिद्धांत विकास; (3) कारणता; (4) प्रयोग एवं संभाविता; (5) असंगत तथ्यों का नियंत्रण; (6) वस्तुनिष्ठता; व्यवहार-विज्ञानों में अनुसंधान की समस्याएँ, परीक्षोपयोगी महत्वपूर्ण प्रश्न।

2. अनुसंधान : अर्थ, स्वरूप, परिभाषाएँ एवं शिक्षा अनुसंधान
(RESEARCH : MEANING, NATURE, DEFINITIONS AND EDUCATIONAL RESEARCH) 25-78

अनुसंधान का अर्थ; अनुसंधान का स्वरूप; अनुसंधान के उद्देश्य; अनुसंधान-प्रक्रिया की विशेषताएँ; अनुसंधान की परिभाषाएँ; अनुसन्धान की विशेषताएँ; शोध-सोपान; अनुसंधान की कुछ विशिष्ट परिभाषाएँ; शैक्षिक अनुसंधान का अर्थ एवं परिभाषा; शैक्षिक अनुसंधान : एक प्रक्रिया; शैक्षिक अनुसंधान का आधुनिक प्रत्यय; शैक्षिक अनुसंधान की विशेषताएँ या प्रवृत्ति; शिक्षा में अनुसंधान की आवश्यकता; शिक्षा-अनुसन्धान के उद्देश्य; शैक्षिक अनुसन्धान के स्तर; शैक्षिक अनुसन्धान के कार्य; शैक्षिक अनुसंधान का क्षेत्र; वर्तमान शैक्षिक अनुसंधान की दुर्बलताएँ; शैक्षिक अनुसंधान की अन्तर्भूत कठिनाइयाँ; शैक्षिक अनुसंधान के उन्नयन की दिशाएँ; शैक्षिक अनुसंधान में प्राथमिकताएँ एवं भावी आवश्यकताएँ; अनुसंधान की विशिष्ट भावी आवश्यकताएँ; वर्तमान शैक्षिक अनुसंधान की कमियाँ; शैक्षिक अनुसंधान के उन्नयन की दिशाएँ; अनुसंधान के प्रकार; समस्या का अर्थ; समस्या की विशेषताएँ; समस्या की उत्पत्ति के स्रोत; अनुसंधान समस्या के प्रकार; शोध समस्या के निर्धारण के स्रोत; शोध समस्या के चिन्तन; समस्याओं का वर्गीकरण; शोध समस्या का परिभाषीकरण; समस्या का सीमांकन; अनुसंधान समस्या का चयन, कथन एवं परिभाषीकरण; समस्या का चयन, कथन एवं परिभाषीकरण; समस्या के स्रोत; समस्या-चयन की प्रक्रिया; चयनित समस्या का मूल्यांकन; समस्या-कथन; समस्या का विश्लेषण एवं उसका परिभाषीकरण; परीक्षोपयोगी महत्वपूर्ण प्रश्न।

Scanned by CamScanner

11. अनुसंधान की विश्वसनीयता, वैधता एवं मानक
(RELIABILITY, VALIDITY AND NORMS OF RESEARCH) 327–361

परीक्षण की विश्वसनीयता; विश्वसनीयता का अर्थ एवं परिभाषा; विश्वसनीयता ज्ञात करने की विधियाँ; विश्वसनीयता के प्रकार; परीक्षण की वैधता; वैधता का अर्थ एवं परिभाषा; वैधता के प्रकार, वैधता के आकलन की विधियाँ; परीक्षण की वैधता को प्रभावित करने वाले कारक; परीक्षण के मानकों का अर्थ एवं परिभाषा; मानकों के प्रकार एवं विशेषताएँ; परीक्षोपयोगी महत्वपूर्ण प्रश्न।

12. पद विश्लेषण की प्रक्रिया
(PROCEDURE OF ITEM ANALYSIS) 362–377

पद विश्लेषण; पद विश्लेषण के कार्य; पद विश्लेषण की परिभाषा; स्टेनले की तालिका; पद विश्लेषण के उद्देश्य अथवा आवश्यकता; पद विश्लेषण की विशेषताएँ, पद के कठिनाई स्तर और विभेदन शक्ति को प्रभावित करने वाले कारक; पद विश्लेषण की समस्याएँ; पद विश्लेषण का मूल्यांकन; परीक्षोपयोगी महत्वपूर्ण प्रश्न।

13. अनुसंधान में कम्प्यूटर तथा प्रश्न संग्रह
(COMPUTER AND QUESTION BANK IN RESEARCH) 378–392

कम्प्यूटर का अर्थ ; कम्प्यूटर की संरचना; क्रियान्वयन केन्द्र; बाह्य यन्त्र; निर्गत यन्त्र; भण्डारण (Storage Device); कम्प्यूटरों के प्रकार; पी॰सी॰ का विकास; कम्प्यूटर कैसे कार्य करता है ?; कम्प्यूटर के गुण; कम्प्यूटर प्रणाली की विशेषताएँ; शिक्षा में कम्प्यूटर की उपयोगिता व महत्व; प्रश्नों का संग्रह; प्रश्नों का संग्रह का अर्थ; प्रश्न संग्रह की आवश्यकता; 'प्रश्न संग्रह' के विकास की प्रक्रिया; 'प्रश्न संग्रह' के स्वरूप; परीक्षोपयोगी महत्वपूर्ण प्रश्न।

14. शैक्षिक अनुसंधान में सांख्यिकी
(STATISTICS IN EDUCATIONAL RESEARCH) 393–408

सांख्यिकी का विकास; सांख्यिकी का अर्थ एवं परिभाषा; सांख्यिकी की विशेषताएँ; सांख्यिकी के कार्य; शिक्षा में सांख्यिकी; सांख्यिकी की उपयोगिता, आवश्यकता एवं महत्व; कुछ महत्वपूर्ण सांख्यिकी प्रत्यय; आँकड़ों की सारणीयन विधि; प्रसार का सूत्र; वर्गान्तर; सांख्यिकी श्रेणियाँ; परीक्षोपयोगी महत्वपूर्ण प्रश्न।

15. सांख्यिकी की सार्थकता एवं टी-परीक्षण
(SIGNIFICANCE OF STATISTICS AND T-TEST) 409–43

सांख्यिकी की सार्थकता; स्वातन्त्र्य अंश; मध्यमानों तथा अन्य सांख्यिकीयों के बीच अन्तर की सार्थकता; शून्य परिकल्पना; सार्थकता के एक-पक्षीय तथा द्वि-पक्षीय परीक्षण; दो समूहों या एक ही समूह के मध्यमानों के अन्तर की सार्थकता; 1. वृहद् समूहों में क्रांतिक अनुपात जबकि मध्यमान स्वतन्त्र हों; 2. छोटे समूहों में t अनुपात जबकि मध्यमान स्वतन्त्र हों; 3. दो सह-सम्बन्धित या सम्बन्धित मध्यमान और t-परीक्षण का उपयोग ; 4. सैण्डलर का ए-परीक्षण (1955); 5. दो मध्यांकों के अन्तर की सार्थकता; 6. दो प्रतिशतों के मध्य अन्तर की सार्थकता; 7. दो प्रामाणिक विचलनों के अन्तर की सार्थकता; 8. दो सहसम्बन्धों के गुणांकों के अन्तर की सार्थकता; परीक्षोपयोगी महत्वपूर्ण प्रश्न।

Scanned by CamScanner

20. विचलनशीलता की मापें
(MEASURES OF VARIABILITY) 531-550

विचलनशीलता; विचलनशीलता का अर्थ; प्रसार के गुण; परिभाषा, अवर्गीकृत आँकड़ों से चतुर्थांश विचलन की गणना; वर्गीकृत आँकड़ों से चतुर्थांश विचलन की गणना; चतुर्थांश विचलन का गुण; मध्यमान विचलन; वर्गीकृत प्राप्तांकों से प्रामाणिक विचलन की गणना; संक्षिप्त विधि द्वारा प्रामाणिक विचलन की गणना के सोपान; परीक्षोपयोगी महत्त्वपूर्ण प्रश्न।

21. चारिता अथवा प्रसरण विश्लेषण
(ANALYSIS OF VARIANCE) 551-583

परिचय; प्रसरण विश्लेषण का अर्थ; प्रसरण विश्लेषण के रूप; प्रसरण विश्लेषण की उपयोगिता; प्रसरण विश्लेषण सम्बन्धी मौलिक प्रत्यय; प्रसरण-विश्लेषण की गणना के सोपान : (एकांकिक); प्रसरण-विश्लेषण सारांश तालिका : एकांकिक प्रसरण विश्लेषण; कुछ एकांकिक प्रसरण विश्लेषण के उदाहरण; द्विदिश प्रसरण-विश्लेषण; द्विदिश प्रसरण विश्लेषण की गणना के सोपान; परीक्षोपयोगी महत्त्वपूर्ण प्रश्न।

22. शैक्षिक अनुसंधान में सामान्य सम्भावना वक्र
(NORMAL PROBABILITY CURVE IN EDUCATIONAL RESEARCH) 584-609

सामान्य सम्भावना वक्र; सामान्य सम्भावना वक्र का अर्थ; सामान्य सम्भावना वक्र की परिभाषा; सामान्य सम्भावना वक्र में शीर्ष कोटि; सामान्य सम्भावना वक्र की विशेषताएँ; सामान्य सम्भावना वक्र की अवधारणाएँ; सामान्य सम्भावना वक्र के उपयोग; विषमता एवं ककुदता या ककुदता; परीक्षोपयोगी महत्त्वपूर्ण प्रश्न।

23. शैक्षिक अनुसंधान में सहसम्बन्ध गुणांक
(CORRELATION COEFFICIENT IN EDUCATIONAL RESEARCH) 610-638

सहसम्बन्ध का अर्थ एवं परिभाषा; परिभाषा; सहसम्बन्ध के प्रकार; सहसम्बन्ध के प्रकार; सहसम्बन्ध की उपयोगिता, आवश्यकता एवं महत्त्व; सहसम्बन्ध की सीमाएँ; सह-सम्बन्ध का मापन; सहसम्बन्ध गुणांक; सहसम्बन्ध गुणांक की व्याख्या; सह-सम्बन्ध गुणांक की व्याख्या तालिका; सहसम्बन्ध गुणांक को प्रभावित करने वाले कारक; सहसम्बन्ध गुणांक ज्ञात करने की विधियाँ; 1. स्पीयरमैन का कोटि अन्तर विधि; हल करने के सोपान; हल करने के सोपान; 2. कार्ल पियर्सन गुणन आघूर्ण विधि; पीयर्सन के सहसम्बन्ध गुणांक की गणना (संक्षिप्त विधि); पीयर्सन सहसम्बन्ध गुणांक की गणना (दीर्घ विधि); पीयर्सन की सहसम्बन्ध गुणांक विधि तथा स्पीयरमैन सहसम्बन्ध गुणांक विधि की तुलना; कोटि अन्तर विधि के गुण एवं सीमाएँ; कोटि अन्तर विधि के गुण; कोटि अन्तर विधि की सीमाएँ; पीयर्सन की सहसम्बन्ध गुणांक (r) विधि; पीयर्सन प्रोडक्ट मोमेन्ट विधि की विशेषताएँ एवं सीमाएँ; परीक्षोपयोगी महत्त्वपूर्ण प्रश्न।

Scanned by CamScanner

16. शैक्षिक अनुसंधान में आँकड़ों का रेखीय प्रदर्शन अथवा आलेखीय निरूपण
(GRAPHICAL PRESENTATION OF DATA IN EDUCATIONAL RESEARCH) 40-

प्रदत्तों अथवा आँकड़ों का रेखीय प्रदर्शन या आलेखीय निरूपण; आलेख चित्र: (1) संचयी प्रतिशत वक्र या तोरण, (2) वृत्तचित्र; (3) दण्ड या स्तम्भ आरेख; (4) तुलनात्मक स्तम्भ आरेख; स्तम्भाकृति (Histogram) और स्तम्भ आरेख (Bar Diagram) में अन्तर; परीक्षोपयोगी महत्त्वपूर्ण प्रश्न।

17. शैक्षिक अनुसंधान में केन्द्रीयवर्तीमान
(CENTRAL TENDENCY IN EDUCATIONAL RESEARCH) 41-

केन्द्रीयवर्तीमान का तात्पर्य एवं परिभाषा; केन्द्रवर्तीमान से सम्बन्धित तथ्य; मध्यमान की परिभाषाएँ; जब आँकड़ों की पुनरावृत्ति न हो; जब आँकड़ों की पुनरावृत्ति हो; मध्यमान के गुण एवं विशेषताएँ; मध्यमान की सीमाएँ व कमियाँ; संयुक्त मध्यमान; व्यवस्थित प्रदत्तों की कुछ विशेष परिस्थितियाँ; मध्यांक की विशेषताएँ; मध्यांक की सीमाएँ; 1. अव्यवस्थित प्रदत्तों से बहुलांक की गणना; 2. व्यवस्थित प्रदत्तों से बहुलांक की गणना; बहुलांक की विशेषताएँ; बहुलांक की सीमाएँ; मध्यमान, मध्यांक और बहुलांक की परस्पर तुलना; 3. विचलनशीलता की मापें—प्रसार, चतुर्थांश विचलन, मानक विचलन; विचलनशीलता का अर्थ; प्रसार ; प्रसार के गुण; प्रसार की सीमाएँ; चतुर्थांश विचलन; अव्यवस्थित आँकड़ों से चतुर्थांश विचलन की गणना; मध्यमान विचलन; परिभाषा; व्यवस्थित आँकड़ों से मध्यमान विचलन की गणना; मध्यमान विचलन की गणना विधि के सोपान; मानक विचलन; अव्यवस्थित प्राप्तांकों से मानक विचलन की गणना; व्यवस्थित आँकड़ों से मानक विचलन की गणना; संक्षिप्त विधि द्वारा मानक विचलन की गणना के सोपान; चरिता; विचलन मानों का उपयोग; परीक्षोपयोगी महत्त्वपूर्ण प्रश्न।

18. शतांशीय मान तथा प्रामाणिक प्राप्तांक
(PERCENTILES AND STANDARD SCORE) 48-5

शतांशीय मान; शतांशीय मान का अर्थ; शतांशमान का महत्त्व; व्यवस्थित प्राप्तांकों से शतांशीय मान की गणना; अव्यवस्थित प्राप्तांकों से शतांशीय मान का क्रम ज्ञात करना; प्रामाणिक प्राप्तांक; Z-प्राप्तांक; मूल प्राप्तांकों का Z-प्राप्तांक में रूपान्तरण; C-प्राप्तांक; स्टेनाइन प्राप्तांक; प्रामाणिक नव-स्तर मानकों का वितरण-चित्र; प्रामाणिक नव-स्तर मानकों का वितरण; प्रामाणिक नव-स्तर अंक प्रतिशत; स्टेनाइन प्राप्तांकों का अर्थ; प्रामाणिक नवस्तर प्राप्तांक की विशेषताएँ; प्रामाणिक नव-स्तर प्राप्तांक की सीमाएँ; स्टेन प्राप्तांक; प्रामाणिक-प्राप्तांकों की तुलना; परीक्षोपयोगी महत्त्वपूर्ण प्रश्न।

19. काई-वर्ग परीक्षण एवं अन्य
(χ^2-TEST OR CHI-SQUARE TEST AND OTHERS) 50-

प्राचलिक विधियाँ; अप्राचल या वितरणमुक्त सांख्यिकीय विधियाँ; 1. काई-वर्ग परीक्षण; काई-वर्ग की गणना विधि के सोपान; काई-वर्ग की विशेषताएँ; काई-स्क्वायर की सीमाएँ; येट्स संशोधन; 2. मध्यांक परीक्षण; मध्यांक परीक्षण की गणना विधि; 3. चिन्ह परीक्षण; 4. क्रम अन्तर चिन्ह परीक्षण; 5. संयुक्त क्रम अन्तर विधि; परीक्षोपयोगी महत्त्वपूर्ण प्रश्न।

Scanned by CamScanner

4. साक्षात्कार विधि की सीमाएँ; साक्षात्कार को अधिक उपयोगी बनाने के उपाय; प्रश्नावली; अर्थ एवं स्वरूप; प्रश्नावली के प्रकार; संरचनाविहीन अथवा मुक्त प्रश्नावली; प्रश्नावली के प्रश्नों का निर्माण; प्रश्नावली का निर्माण; प्रश्नावलियों के प्राप्त न होने की समस्या; प्रश्नावलियों के लाभ एवं हानियाँ; प्रश्नावली अनुसंधान का मूल्यांकन; प्रश्नावलियों का सामग्री का विश्लेषण; अनुसूची; चैकलिस्ट अथवा चिह्नांकन सूची; एकांकों के प्रकार; निर्माण एवं व्याख्या; मनोवैज्ञानिक परीक्षाएँ; प्रकार: 1. बुद्धि-परीक्षाएँ; 2. उपलब्धि परीक्षाएँ; 3. अभिवृत्ति परीक्षाएँ; 4. अभिरुचि परीक्षाएँ; 5. व्यक्तित्व परीक्षाएँ; 6. निष्पत्ति परीक्षाएँ; 7. सृजनात्मक क्षमता मापक परीक्षाएँ; 8. अन्य विविध परीक्षाएँ; शोध हेतु परीक्षाओं का चयन; परीक्षाओं संबंधी जानकारी एवं उपलब्धि के स्रोत; प्रकाशित परीक्षाओं की उपलब्धि के स्रोत; अवलोकन; अवलोकन की परिभाषाएँ; व्यवस्थित अथवा क्रमबद्ध अवलोकन; व्यवस्थित अथवा क्रमबद्ध अवलोकन के पद; अवलोकन के आवश्यक सिद्धान्त; सहभागी, अर्द्धसहभागी तथा असहभागी अवलोकन; समाजमिति; समाजमिति प्रणाली; समाजचित्र; समाज-सारणी; समाजमिति प्रणाली और सम्बन्धों का प्रदर्शन; समाजमितीय पैमानों के निर्माण की प्रक्रिया; श्रेष्ठ समाजमितीय पैमाना; सामाजिक दूरी अनुमाप/पैमाना; पैमाना निर्माण विधि; विकासात्मक विधियाँ; अन्तर्वस्तु विश्लेषण; अन्तर्वस्तु विश्लेषण की प्रक्रिया के मुख्य चरण; अन्तर्वस्तु विश्लेषण की उपयोगिताएँ या गुण; अन्तर्वस्तु विश्लेषण की समस्याएँ या दोष; परीक्षोपयोगी महत्त्वपूर्ण प्रश्न।

10. अनुसंधान में परीक्षण की विशेषताएँ (CHARACTERISTICS OF TEST IN RESEARCH) 277

अच्छे परीक्षण की विशेषताएँ : 1. वस्तुनिष्ठता; 2. विश्वसनीयता; 3. वैधता; 4. विभेदकारिता; 5. व्यापकता; 6. व्यावहारिकता; 7. स्पष्टता; 8. मानक; शोध कार्य में अच्छे परीक्षण: व्यावहारिक कसौटियाँ; तकनीकी कसौटियाँ; चर एवं शोध की आधार सामग्री; परिवर्त्य/चर; स्वतंत्र परिवर्त्य/चर; आश्रित परिवर्त्य/चर; मध्यवर्ती परिवर्त्य/चर; परिवर्त्य नियंत्रण; स्टीफन एम० कौरे के अनुसार चर; परिकल्पना के चर; शोध के चरों के चयन हेतु आधार; चरों के चयन के अन्तिम निर्णय के लिये परिस्थितियाँ; शोध की आधार-सामग्री का संग्रह; 1. आधार-सामग्री के संग्रह की विधियाँ; आधार-सामग्री संग्रह के प्रमुख प्रकार; 2. आधार-सामग्री के स्रोत; आधार-सामग्री के लेखन-स्रोत; आधार-सामग्री के व्यक्तिगत स्रोत; 3. आधार-सामग्री के प्रकार; गुणात्मक सामग्री; अंकगत अथवा संख्यात्मक सामग्री; 4. आधार-सामग्री का संगठन; अनुसंधान प्रतिवेदन; अनुसंधान प्रतिवेदन के उद्देश्य; एक आदर्श प्रतिवेदन की विशेषताएँ; प्रतिवेदन की कुछ समस्याएँ; प्रतिवेदन का महत्त्व; अनुसन्धान प्रतिवेदन का लेखन; प्रस्तुति की रूपरेखा; 1. प्रारम्भिक आवश्यकताएँ; 2. मुख्य विषय-वस्तु; 3. संदर्भ-सामग्री (संदर्भ-ग्रन्थों की सूची, परिशिष्ट आदि); प्रारम्भिक आवश्यकताएँ; मुख्य विषयवस्तु; संदर्भ-सामग्री; तालिकाओं एवं आकृतियों की रचना; तालिका : समूह-क के बुद्धि परीक्षण-मापांक; उद्धरित सामग्री की प्रस्तुति; फुटनोट; संदर्भग्रन्थ-सूची; परिशिष्ट की प्रस्तुति; प्रतिवेदन का टंकन; प्रतिवेदन का मूल्यांकन; प्रतिवेदन लेखन की शैली; अनुसन्धान प्रस्तावित रूपरेखा; शोध रूपरेखा का प्रारूप; शोध रूपरेखा के मूल्यांकन हेतु मानदण्ड; अनुसंधान की रूपरेखा का एक आदर्श; 1. प्रस्तावना; 2. अध्ययन की आवश्यकता; 3. समस्या कथन; 4. प्रयुक्त शब्दों की परिभाषीकरण; 5. अध्ययन के उद्देश्य; 6. समस्या का सीमांकन; 7. परिकल्पनाएँ; साहित्य सर्वेक्षण; 8. सम्बन्धित अध्ययन; 9. न्यादर्श विधि; 10. जनसंख्या एवं न्यादर्श; 11. न्यादर्श का विवरण; 12. अध्ययन के उपकरण; 13. प्रयुक्त सांख्यिकीय विधियाँ; आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या, निष्कर्ष एवं सुझाव; 1. शैक्षिक महत्त्व; 2. भविष्य में अनुसंधान हेतु सुझाव, परीक्षोपयोगी महत्त्वपूर्ण प्रश्न।

Scanned by CamScanner

DAYALANAND ROY

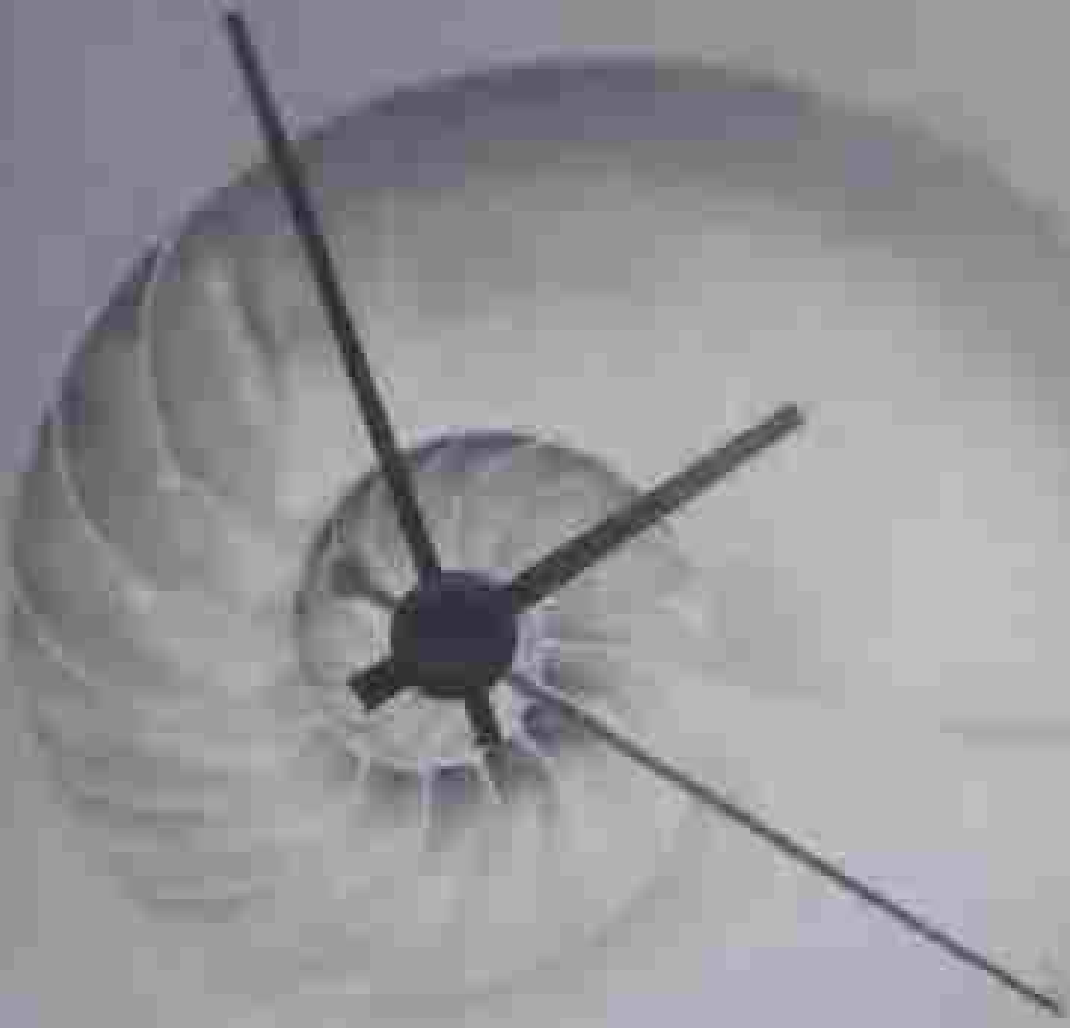

'Dayalanand Roy has written a charming book about time and its many enigmas and sets to establish an intriguing connection between time and the age of things, both alive and dead.'

Julian Barbour, author of *The Janus Point*

THE FOURTH DIMENSION

Enigma of Time

The Fourth Dimension: Enigma of Time

Copyright © 2021 [illegible]. All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, distributed, or transmitted in any form or by any means, including photocopying, recording, or other electronic or mechanical methods, without the prior written permission of the publisher, except in the case of brief quotations embodied in critical reviews and certain other noncommercial uses permitted by copyright law.

For permission to photocopy or use material electronically from this work, please access www.copyright.com or contact the Copyright Clearance Center, Inc. (CCC) at 978-750-8400. CCC is a not-for-profit organization that provides licenses and registration for a variety of users. For organizations that have been granted a photocopy license by the CCC, a separate system of payment has been arranged.

BrownWalker Press / Universal Publishers, Inc.
Irvine • Boca Raton
USA • 2021
www.BrownWalkerPress.com

ISBN: 978-1-59942-[illegible] (pbk.)
ISBN: 978-1-59942-[illegible] (ebk.)

Typeset by Medlar Publishing Solutions Pvt Ltd, India
Cover design by [illegible]

Library of Congress Cataloging-in-Publication Data

Names: [illegible], author.
Title: The fourth dimension : enigma of time / [illegible], PhD.
Description: Irvine : BrownWalker Press, 2021. | Includes bibliographical references and index.
Identifiers: LCCN [illegible] (print) | LCCN [illegible] (ebook) | ISBN [illegible] (pbk.) | ISBN [illegible] (ebk.)
Subjects: LCSH: Space and time. | Time--Philosophy. | Fourth dimension. | Relativity (Physics)
Classification: LCC [illegible] (print) | LCC [illegible] (ebook) | DDC [illegible]
LC record available at https://lccn.loc.gov/[illegible]
LC ebook record available at https://lccn.loc.gov/[illegible]

TABLE OF CONTENTS

Acknowledgements ... xi

Preface ... xiii

1. **We are all Time Travelers** ... 1
   - What is Time? ... 1
   - The Pre-Relativity Phase of Time ... 2
   - The Post-Relativity Phase of Time ... 3
   - "Timelessness" vs. "Time is Real" ... 7
   - A Non-Physicist's Dilemma ... 7
   - The Twin Paradox ... 9
   - Do We Create Our Own Time? ... 9
   - Time is Not an Entity, It is a Property of Entities Instead ... 13

2. **Ontogeny: The Starting Phase of Our Time Travel** ... 17
   - Zygote: The Fertilized Egg ... 18
   - The Time Travel (Developmental Journey) of the Zygote ... 21
   - The Morula Stage ... 22
   - The Blastocyst Stage ... 22
   - Implantation ... 23
   - Gastrulation ... 24
   - Amnion: The Embryo's Private Aquarium ... 24
   - Neurulation ... 26
   - Division of Mesoderm ... 26
   - Embryonic Development Through Different Dimensions ... 29
   - Carnegie Stages ... 30
     - *Carnegie Stages 1-5* ... 31
     - *Carnegie Stages 6-8* ... 31
     - *Carnegie Stages 9-13* ... 31

बिहारी और घनानन्द

(चयनित काव्य-संग्रह)

सम्पादक

डॉ० अमलदार 'नीहार' • डॉ० अखिलेश कुमार

Scanned with OKEN Scanner

बिहारी और घनानन्द

(चयनित काव्य-संग्रह)

सम्पादक

डॉ० अमलदार 'नीहार'

एवं

डॉ० अखिलेश कुमार राय

भाष्यकार

डॉ० अमलदार 'नीहार'

विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

Scanned with OKEN Scanner

BIHARĪ AURA GHANĀNANDA

[*Category* : Hindi Poems]

Edited by

Dr. Amaldar 'Neehar' & Dr. Akhilesh Kumar Rai

© भाष्यकार

इस पुस्तक के किसी भी अंश का किसी भी माध्यम में
प्रयोग करने के लिए प्रकाशक से लिखित अनुमति लेना अनिवार्य है।

ISBN : 978-93-87643-29-1

प्रथम संस्करण : 2019 ई०

[1st Edition : 2019]

Publisher	प्रकाशक
VISHWAVIDYALAYA PRAKASHAN	**विश्वविद्यालय प्रकाशन**
Post Box No. 1149, Vishalakshi Building,	पोस्ट बॉक्स नं० 1149, विशालाक्षी भवन,
Chowk, Varanasi - 221001	चौक, वाराणसी-221 001
[U.P. INDIA]	[उत्तर प्रदेश, भारत]

Phone & Fax : (0542) 2413741, 2413082

E-mail : sales@vvpbooks.com o vvpbooks@gmail.com

Website : www.vvpbooks.com

मुद्रक

वाराणसी एलेक्ट्रॉनिक कलर प्रिण्टर्स प्रा० लि०

चौक, वाराणसी-221 001

Scanned with OKEN Scanner

विषयानुक्रम

1. क्षणे क्षणे यन्नवतामुपैति तदेव रूपं रमणीयतायाः	v - vii
2. रीति-सिद्ध कवि बिहारी के चयनित दोहे—अनुक्रम	xi - xii
3. रीति-मुक्त कवि घनानन्द के चयनित छन्द—अनुक्रम	xiii - xiv
4. मूलपाठ तथा भाष्य (बिहारी)	1–58
5. मूलपाठ तथा भाष्य (घनानन्द)	61–167

●

Scanned with OKEN Scanner

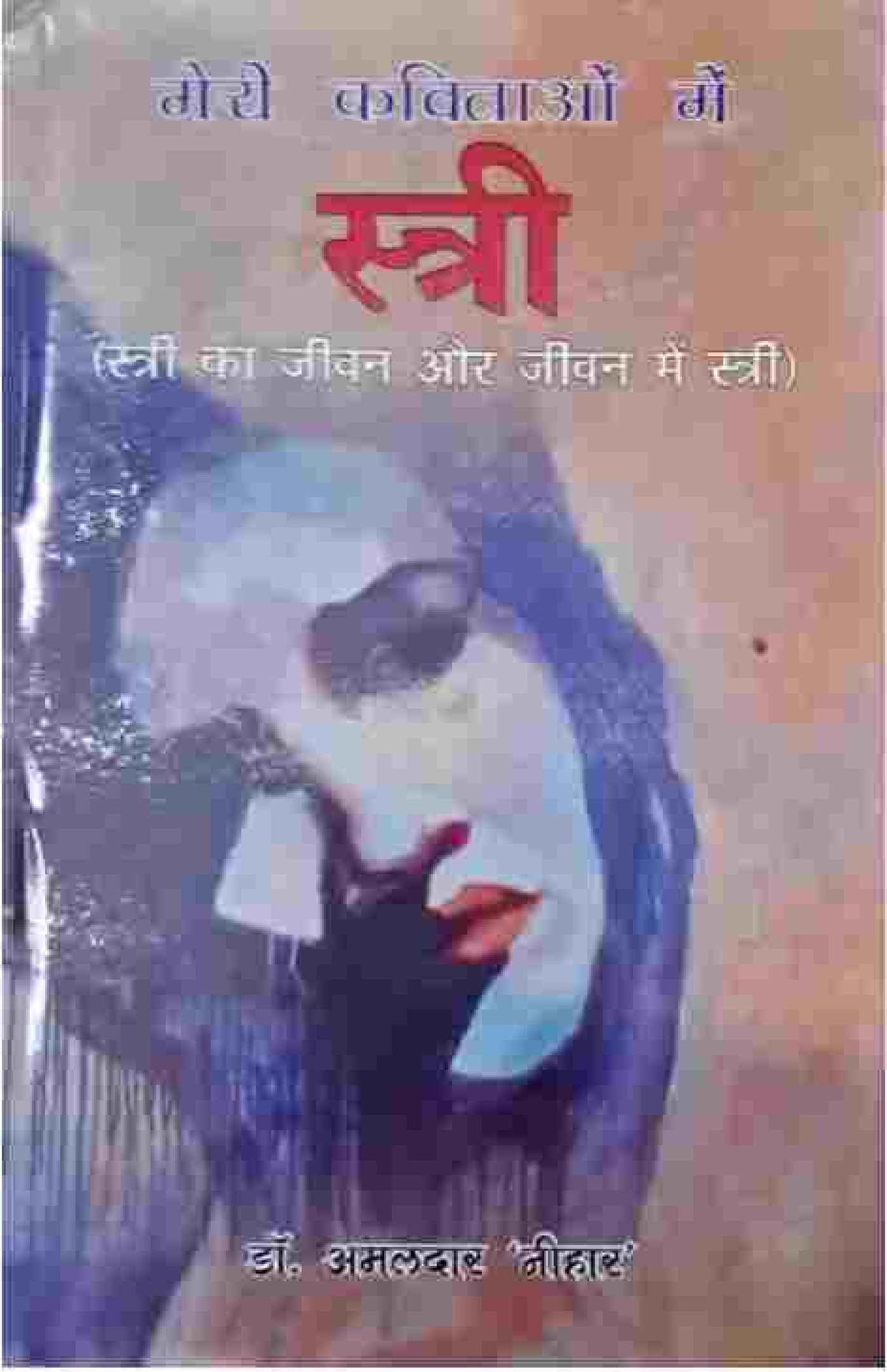

मेरी कविताओं में

स्त्री

(स्त्री का जीवन और जीवन में स्त्री)

डॉ. अमलदार 'नीहार'

Scanned with OKEN Scanner

मेरी कविताओं में 'स्त्री'

(स्त्री का जीवन और जीवन में स्त्री)

अमलदार 'नीहार'

नमन प्रकाशन
नई दिल्ली-110002

Scanned with OKEN Scanner

© सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रथम संस्करण : 2019

ISBN : 978-81-8129-860-7

नमन प्रकाशन

4231/1, अंसारी रोड, दरियागंज,

नई दिल्ली-110002

फोन: 23247003, 23254306

श्री नितिन गर्ग द्वारा नमन प्रकाशन के लिए प्रकाशित तथा
एशियन ऑफसेट प्रिंटर्स, भौजपुर, शाहदरा, दिल्ली में मुद्रित।

Meri Kavitaon Me Stree By Dr. Amaldar Neehar

अनुक्रम

उपोद्घात : स्त्री मुक्ति की चेतना और भारतीय समाज 7

प्रथम खण्ड (स्त्री का जीवन)

1. आशीर्वचन : बेटियों के लिए 39
2. बेटी : पाषाण-पीठ पर कुसुमित कल्पलता 40
3. बेटी : यह वरदान प्रकृति का मानो 42
4. बेटी : सावन-दृग में भादो-काजल, शोभा-सी यों सजती है 43
5. बेटी : भेद न मुन्ने-मुनिया में 44
6. बेटी : दुख-दावानल स्वयं वरा 45
7. बेटी : चाँद-नूर-सा छाया है 46
8. बेटी : गीले इन्धन-सी गाँवों की बेटी क्यों धुँधुआती है 47
9. बेटी : अगले जनम मोहे बिटिया न कीजो 49
10. बेटी : अम्बर के उन्नत ललाट तक अपनी कीर्ति उछाले 54
11. लज्जा हि मानवानां भूषणम् 55
12. ज़िन्दगी और तेज़ाब के बीच औरत 59
13. दाग न देना चाहे जो, फिर 'डायन' उसे पुकारे 62
14. अन्ध विश्वास की चौखट पर चीखती स्त्री का दर्द 65
15. प्रेम और घृणा की सरहदों पर शहीद लड़की 67
16. दुर्योधनों की द्यूतसभा में सभ्यता का चीरहरण 70
17. स्त्री के स्वरस-आखेटक और मौत का महाभोज 77
18. दुहिता-दाह का कृष्णपक्ष और बेटी बनाम बहू की आहुति 82

Scanned with OKEN Scanner

19. लोकतन्त्र भी कितना धोखेबाज 85

20. भारतीय नारी : लोकगीतों में पिरोये दर्द की दास्तान 87

21. दुरकी भर औरत से अन्नपूर्णा तक (अतीत की स्मृतियों से) 89

22. उजलों के कागज़ पर लिखती जीवन का इतिहास 93

23. चन्दन जैसी घिसकर एक दिन चमक उठेगी चम्पा भी 95

24. शरीके-हयात की बेगार ज़िन्दगी का सिसकता बयान 97

25. "जाने कैसा भाग हमारा", सपने व्यर्थ संजोती है 103

26. बेटों के संग बहू-बेटियाँ भी प्राणों में बसती हैं 104

27. विज्ञापन-बाज़ार की औरत या बेटियाँ अभाव की? 106

28. सोजे-ज़िन्दगी की सेज पर दहकते सवाल (वीरांगना से वारांगना तक) 111

29. प्रतिभा का अग्निबीज और स्त्री 119

30. या देवी सर्वभूतेषु........ 125

31. दर्दे-ज़िन्दगी की अजीब दास्तान-हिजड़ों की तालियाँ 128

32. तलाक! तलाक!! तलाक!!! (वीरान दुनिया की तलाक़शुदा तमाम महिलाओं के हक़ में) 130

33. परमात्मा मेरी माँ 132

34. काला अध्याय : 'पाँव की जूती' से 'कसाई के खूँटे' तक 137

35. विधवा शहीद की 142

द्वितीय खण्ड (जीवन में स्त्री)

36. निज स्वर मा कुछ सार दे (सरस्वती-स्तवन) 151

37. भक्तों का उद्धार करो (दुर्गा-स्तवन) 152

38. कालिका-स्तवन 154

39. रंग गुलाल 155

40. कौतुक-कौतुक 156

41. नायिका-भेद (समस्या-पूर्ति के उपक्रम में) 157

42. जो थी कभी सुहागिन 159

43. मेरी भोली दादी माँ 160

44. टूटा सुहाना सपन हो गया 161
45. कैसे ठुकरायी गयी थी विदेह-नन्दिनी 163
46. मैं भी रसानन्द बरसाऊँ 164
47. पूरी गरम मसाला है 165
48. राखी का बन्धन अति प्यारा है 166
49. त्रिवेणी लहराती है (अभिक-वधू के प्रसंग में) 168
50. क्यों न श्लेष ज्यों अभंग हो 169
51. सो जा, सो जा राजकुमारी! 170
52. क्या कलियुग की माया है? 171
53. मनु माता बनी उस मिलन के लिए 172
54. दुलारी से प्यार है 173
55. जिजीविषा-हीन फाँसी है 174
56. पागल कौन है? 175
57. उनकी आँखों में आलोक-यात्रा के तीन पड़ाव 176
58. नासमझ स्त्री का 'विवेक' 178
59. गूँगी चीख 181
60. दहशतगर्दों की माँ के नाम 183
61. सभ्य कलेवर ने शोषण का भव्य द्वार बनवाया है 185
62. रास आती नहीं झाँकी है 186
63. रोशनी के लिए 187
64. आँखें गीली पूछ रही हैं बोलो बच्चू! 189
65. नव दम्पति को शुभाशीष 191
66. नारी पूजा के प्रति 192
67. मीठा बचपन मीठी यादें 193
68. मन का दीप बुझाया है 194
69. प्रेम और वासना 195
70. सब कुछ माया का महाविलास 196

Scanned with OKEN Scanner

71. युग माता के प्रति	197
72. स्वामी के जाने पर	198
73. उठ अच्छी लली! उठ भोर भई	200
74. कौए को पकवान खिला दे	201
75. माया है मुँहजोर (समलैंगिकता के खिलाफ)	202
76. काट तमस् तलवार भवानी	203
77. क्यों जीवन करुण कहानी?	205
78. मेरा स्वर्गिक सुख-अधिकारी	206
79. माँ! तुम्हारा नाम क्या है?	207
80. लाडली कविता! हृदय-संवेदना को धार दूँ?	208
81. हिन्द की ये बेटियाँ	209
82. नारी! तेरे रूप अनूप	210
83. सखी नहीं, जो माँ को पाये	211
84. माँ	213
85. प्रेम निःशब्द	214
86. मुझ-सा कौन अभागा, माँ से दूर, नेह से निर्धन था!	216
87. लगी कलेजे मेरे मानो दुश्मन की ही गोली	219
88. अवसाद के पल	222

Scanned with OKEN Scanner

(नीहार-विरचित कुल सात सौ अट्ठाईस दोहों का संग्रह)

समय तथा समाज की प्रतिध्वनि का काव्य-निबद्ध दस्तावेज़

नीहार-सतसई

डॉ. अमलदार 'नीहार'

Scanned with OKEN Scanner

नीहार-सतसई

(नीहार-विरचित कुल सात सौ अट्ठाईस दोहों का संग्रह)

समय तथा समाज की प्रतिध्वनि का काव्य-निबद्ध दस्तावेज़

डॉ. अमलदार 'नीहार'

नमन प्रकाशन

नई दिल्ली-110002

Scanned with OKEN Scanner

© सर्वाधिकार सुरक्षित
पहला संस्करण : 2019
ISBN : 978-81-8129-861-4

नमन प्रकाशन
4231/1, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली-110002
फोन: 23247005, 23254306

श्री निर्मल गर्ग द्वारा नमन प्रकाशन के लिए प्रकाशित तथा
एशियन ऑफसेट प्रिंटर्स, भोजपुर, शाहदरा, दिल्ली में मुद्रित।

Neehar - Satsai By Dr. Amaldar Neehar

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रम

मंगलाचरण	7
अनुवचन सतसई की काव्य-परंपरा और 'नीहार-सतसई'	9
1. वैराग्य-बोध : 1	23
2. वसन्त-सौन्दर्य	24
3. प्रकीर्णक : 1	26
4. श्रीकृष्ण-रूपमाधुरी	28
5. फागुन-राग	30
6. राजनीति के रंग हज़ार-बना दिया सब कुछ बाज़ार	31
7. विडम्बना इस देश की : 1	33
8. प्रकीर्णक : 2,3,4	36
9. विडम्बना इस देश की : 2	38
10. पढ़ रघुवंश-प्रकाश	39
11. माया के सब खेल निराले	40
12. लोकतन्त्र का सबसे काला दिन	41
13. सियासत की दुनिया में अवतरण एक जादूगर व अभिनेता-विदूषक का	42
14. विडम्बना इस देश की : 3	43
15. चमचा-चालीसा	44
16. साम्प्रदायिक हिंसा के विरुद्ध	48
17. मोदी-महाविलास : 1	49
18. घर-परिवार	50
19. सरस्वती-आराधन	51

Scanned with OKEN Scanner

20. वर्तमान राजनीति का मूल्य-पतन : 1	52
21. मोदी-महाविलास : 2	53
22. हमारी हिन्दी और नागरी लिपि	54
23. वर्तमान राजनीति का मूल्य-पतन : 2	55
24. वैराग्य-बोध : 2	56
25. मोदी-महाविलास : 3	57
26. माँ	59
27. विडम्बना इस देश की : 4	60
28. भक्ति और भगवान	62
29. जातिवाद और भारतीय समाज	63
30. दोहामय 'नीहार' : नीहार के दोहे	66
31. जन-जन हाहाकार	67
32. राम की माया और उसकी कठपुतलियों के खेल	68
33. मैं हलकू के साथ हूँ	69
34. अर्पित चरणों में सदा नयनाम्बुज-नीहार	70
35. मोदी-महाविलास : 4	74
36. राजनीति और अपराध	76
37. वचन बोल अनमोल	78
38. बाढ़-द्वादशी	79
39. विडम्बना इस देश की : 5	81
40. ईद मुबारक	84
41. प्रकीर्णक : 5	85
42. जनता कण्टक-सेज पर पहने जुमला ताज।	86
43. पाखण्ड का शंखनाद	88
44. प्रकीर्णक : 6	89

Scanned with OKEN Scanner

45. राम-नाम संकीर्तन	90
46. पारिवारिक समाजवाद और लोकतन्त्र का बाजा	92
47. लक्ष्मी-माहात्म्य	93
48. सत्ता-चरित की वर्तमान विडम्बना	95
49. रोया हिन्दुस्तान	97
50. तलाकनामा	99
51. दीपावली ये किसकी सुहानी?	100
52. अथ अगुआ-व्यथा	102
53. धुँआ-धुँआ दिल्ली और घुटती-सी जिन्दगी	103
54. डूबी कागज-नाव	105
55. डोनाल्ड ट्रम्प को बधाई!	106
56. गंगा का दुःख कौन सुने?	107
57. कैसे बचे सुहाग?	109
58. सबका हो कल्यान	111
59. कहीं न जीवन-प्राण	113
60. कवितात्रय नीहार	115
61. उपजे झंझावात	116
62. यह अमोघ उपकार	117
63. ऊर्जित पोषित पाप	119
64. मौज-मस्ती के रंग-परिवार के संग	121
65. काशी-माहात्म्य	122
66. मुश्किल हुआ इलाज	124
मंगल-स्तवन	125
शब्द कठिन : सरलार्थ-प्रकाश	126

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

हृदय के खण्डहर

(कविताओं का संग्रह)

रचयिता
अमलदार 'नीहार'

नमन प्रकाशन
नई दिल्ली - 110002

Scanned with OKEN Scanner

© लेखक

प्रथम संस्करण : 2021

ISBN - 978-93-90868-26-1

9789390868261

नमन प्रकाशन
4231/1, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली-110002
फोन: 8750551515, 8595352540

श्री नितिन गर्ग द्वारा नमन प्रकाशन के लिए प्रकाशित तथा
एशियन ऑफसेट प्रिंटर्स, मौजपुर, शाहदरा, दिल्ली में मुद्रित।

Hriday Ke Khandahar *By* Dr. Amaldar Neehar

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रम

पुरोवाक् : कस्मै देवाय हविषा विधेम 7

1. भाभी के जाने पर 17
2. उठ जाता फिर सबका डेरा 20
3. 'मैं' का व्याप्ति-बोध 21
4. अपनी जूली के लिए 22
5. मैं चुप रहूँगा 24
6. उजले भ्रष्टाचारी 26
7. भारत की भोली जनता 27
8. गुलाब और ज्वालामुखी 28
9. मोम-मूर्ति सा इतना सुन्दर काश! कहीं मैं होता। 29
10. तनी हुई तनाव की रस्सी 30
11. 'हुतुरपुट्टी' का इक़रारनामा 31
12. फिर भी उर में प्यार पला है 33
13. शब्द 34
14. हमारे बच्चे 36
15. मुक्तक 39
16. गंगा! तेरा पावन पानी 40
17. इतिहास की आत्महत्या 41
18. तत्वमसि 43
19. जंगल राज 44
20. दर्द का समुन्दर और मैं 46
21. सियासत में नहीं होता है सिया का सत् 47

Scanned with OKEN Scanner

22. आयेगा जरूर बदलाव छल-छद्म से 49
23. लहूलुहान रिश्ते का सिसकता बयान 52
24. है सिसकता आज क्यों नूरे-जहाँ कश्मीर 54
25. कलियुग का बेटा 55
26. आज की दिल्ली 57
27. गज भर लम्बी जीभ कहाँ है? 58
28. मातृत्व की सड़क पर घसीटती दिल्ली 60
29. कौन बचाये हे भगवान! 61
30. देशभक्त मैं आत्माराम 62
31. संस्कृति की आत्महत्या 64
32. कौन भला इंसाफ करेगा? 65
33. राजनीति के खेल निराले-यही देश के अब रखवाले 67
34. जिन्दगी अपनी 68
35. आज उठा मन में विचार फिर एक बार 69
36. रोटी की दरकार 74
37. स्मार्ट फोन के दौर में कविता-पाठ उर्फ संवेदना का संकट 76
38. झूठ-पोटली खोल 80
39. मेरे टपोरी 81
40. पर्यावरण के मुजरिम 85
41. अपराधी उपकारक 87
42. लहकती सरसों-महकते ख़्वाब 88
43. अबकी बार रंगहीन होली दिल्ली में 90
44. पदचाप अभिनव युग का 92
46. किसानों की कर्ज़माफी उर्फ सियासती ताश का पत्ता 93
46. बदल रहा है देश 96
47. दोनों को पयाम 97

Scanned with OKEN Scanner

48. दुर्योधन अभी ज़िन्दा है 98
49. ख़ुदा! हमें माफ़ करना 100
50. आत्मदाह : आप दोनों भी 102
51. कब तक यूं सताओगे? 103
52. शब्द हूं मैं 104
53. सच की रोटी 106
54. विषपान 108
55. निवेश प्यार का 110
56. बिलकिस बानो के असली मुजरिम 113
57. राम नाम सत्य है, सत्य है, सत्य है 116
58. दृष्टि और सृष्टि के बीच 118
59. अन्तिम कामना एक 'पिता' की 122
60. डूबा ग्राम-अमोले में 125
61. नयनों में 'नीहार' भरा है 126
62. जेब कफ़न में नहीं किसी के, फिर भी इतनी लूट? 127
63. देश बदल रहा है 129
64. मचा हुआ कुहराम 130
65. राजनीति का धार्मिक गठजोड़ 131
66. नफ़रत के ख़िलाफ़ 132
67. सत्यानाश 136
68. चरैवेति-चरैवेति 140
69. फिर तो मुझको नाज़ 143
70. कवि कुँवर नारायण को श्रद्धांजलि 144
71. थू 146
72. लोकतंत्र की लाश पर 148
73. नहीं जंचते हैं मुझे किसी भी रूप में 150

Scanned with OKEN Scanner

74. मेरा भी मस्ताना मन 152

75. पावन पुण्य के भाल 153

76. सत्य क्या है? 155

77. पूँजी-सत्ता-गोद पसारा 158

78. गाँव-माटी की सोंधी गन्ध-बसी रचनाओं का सर्जक 163

79. यहाँ तो काली रात है 168

80. बेबी आसिफा! तुम कहाँ हो? 169

81. लाल किले का किराया 174

82. मर गयी हमारी यह गोमती भी 179

83. यतीम सिसकियों का कसाईखाना : सरकारी शेल्टर हाउस 184

84. लोहा 188

85. ग्रहण 194

Scanned with OKEN Scanner

बिहारी और घनानन्द

एक अनुचिन्तन

डॉ० अमलदार 'नीहार'

Scanned with OKEN Scanner

बिहारी और घनानन्द : एक अनुचिन्तन

डॉ० अफलदार 'नीहार'
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
श्री मुरली मनोहर टाइन पी०जी० कॉलेज, बलिया

विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

Scanned with OKEN Scanner

BIHARI AURA GHANANANDA : EKA ANUCHINTANA

[*Category* : Hindi Poems with Criticism]

Written & Edited by

Dr. Amaldar 'Nihar'

© डॉ० अमलदार 'नीहार'

इस पुस्तक के किसी भी अंश का किसी भी माध्यम में
प्रयोग करने के लिए प्रकाशक से लिखित अनुमति लेना अनिवार्य है।

ISBN : 978-93-87643-30-7

प्रथम संस्करण : 2021 ई०

[1st Edition : 2021]

Publisher | प्रकाशक

VISHWAVIDYALAYA PRAKASHAN | विश्वविद्यालय प्रकाशन

Vishalakshi Building, Chowk, | विशालाक्षी भवन, चौक,

Varanasi - 221001 (U.P. INDIA) | वाराणसी-221 001 (उ० प्र०, भारत)

Phone & Fax : (0542) 2413741, 2413082

E-mail : sales@vvpbooks.com ● vvpbooks@gmail.com

Website : www.vvpbooks.com

मुद्रक

वाराणसी एलेक्ट्रानिक कलर प्रिण्टर्स प्रा० लि०

चौक, वाराणसी-221 001

Scanned with OKEN Scanner

विषयानुक्रम

उपोद्घात V

1. रीतिकाल का सामान्य परिचय 1
   (क) हिन्दी के रीतिबद्ध या शास्त्रकवि 5
   (ख) हिन्दी के रीतिसिद्ध कवि 7
   (ग) हिन्दी के रीतिमुक्त कवि 8

2. रीतिसिद्ध कविवर बिहारी 11
   (क) मुक्तक काव्य और बिहारी की समाहार-शक्ति 17
   (ख) कवि की निपुणता या जानकारी 30
   (ग) भावपक्ष 35
   (घ) कलापक्ष 44
   (ङ) दोष-विचार 54
   (च) भाषा 56
   (छ) सतसैया का रूप 61
   (ज) परवर्ती कवियों पर प्रभाव 66
   (झ) सतसैया साहित्य 70

3. रीति-निर्मुक्त कवि घनआनन्द : प्रेम के उन्मुक्त अमर गायक 81
   (क) घनानन्द का वाग्वैदग्ध्य 93
   (ख) घनानन्द की भाषा 99
   (ग) घनआनन्द-काव्य में प्रेम-व्यंजना 105
   (घ) घनआनन्द का विरह-वर्णन 115
   (ङ) घनआनन्द के काव्य में सौन्दर्य-चित्रण 130

बिहारी काव्य-संचयन

1. कवि-प्रशस्ति — अमलदार 'नीहार' 143
2. चयनित काव्य-संग्रह : बिहारी 145

घनआनन्द काव्य-संचयन

1. घनआनन्द-प्रशस्ति — ब्रजनाथ 159
2. घनआनन्द-प्रशस्ति—अमलदार 'नीहार' 160
3. घनआनन्द के संगृहीत सरस छन्द 161

■

Scanned with OKEN Scanner

आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र का उत्तर मध्यकालीन विमर्श

अनुसंधान एवं आलोचना

डॉ. अमलदार 'नीहार'

Scanned with OKEN Scanner

आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र का उत्तर मध्यकालीन विमर्श

(अनुसंधान एवं आलोचना)

डॉ. अमलदार 'नीहार'

नमन प्रकाशन
नई दिल्ली - 110002

Scanned with OKEN Scanner

© लेखक

पहला संस्करण : 2021

ISBN : 978-93-90868-46-9

नमन प्रकाशन
4231/1, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली-110002
फोन: 8750551515, 8595352540

श्री नितिन गर्ग द्वारा नमन प्रकाशन के लिए प्रकाशित तथा
एशियन ऑफसेट प्रिंटर्स, मौजपुर, शाहदरा, दिल्ली में मुद्रित।

Aachaary Vishwanathprasad Mishra Ka Uttar Madhyakalin vimarsh By Dr. Amaldar Neekar

विषयानुक्रमणिका

उपोद्घात 7

प्रथम अध्याय 17

विषय प्रवेश, लेखक-परिचय, लेखक की रीतिकाल विषयक रचनाओं का परिचय

विषय-प्रवेश, हिन्दी के रीतिबद्ध या आचार्यकवि, हिन्दी के रीतिसिद्ध कवि, हिन्दी के रीतिमुक्त कवि, आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र की रीतिकाल सम्बन्धी अवधारणा, लेखक-परिचय, आचार्य मिश्र की रीतिकाल-विषयक रचनाओं का संक्षिप्त परिचय: 1. हिन्दी साहित्य का अतीत भाग दो, 2. भिखारीदास ग्रन्थावली (दो खण्ड), 3. पद्माकर ग्रन्थावली, 4. बिहारी की वाग्विभूति, 5.रसखानि ग्रन्थावली, 6. घनआनन्द ग्रन्थावली, 7.भूषण ग्रन्थावली, 8. बिहारी, 9. बोधा ग्रन्थावली, 10. जसवन्त सिंह ग्रन्थावली, 11. शिवप्रसाद सितारा, 12. केशव ग्रन्थावली (तीन खण्ड)

द्वितीय अध्याय 59

रीतिकाल के रीतिबद्ध कवि और आचार्य मिश्र का अनुशीलन

आचार्य केशवदास, केशव की कृतियाँ : रसिकप्रिया, कविप्रिया, शिखनख और नखशिख, रामचन्द्रचन्द्रिका, छन्दमाला, रतनबावनी, वीरचरित्र, जहाँगीरजसचन्द्रिका, विज्ञानगीता, केशव की भाषा, टीकाएँ और टीकाकार : 1. रसिकप्रिया पर लिखी गयी टीकाएँ, 2. कविप्रिया पर लिखी गयी टीकाएँ, 3. रामचन्द्रचन्द्रिका पर लिखी गयी टीकाएँ। सेनापति, जसवन्त सिंह, जसवन्त सिंह के ग्रन्थ : भाषा भूषण, अनुभवप्रकाश, अपरोक्ष सिद्धान्त, आनन्दविलास, सिद्धान्तबोध, सिद्धान्तसार, प्रबोधनाटक, टीका, फुटकर दोहे। मतिराम, देव, देव के ग्रन्थ : शृंगारविलासिनी, जाति विलास, काव्यरसायन। भिखारीदास : जीवन परिचय, रचनाएँ : काव्यनिर्णय, शृंगारनिर्णय, रससारांश, छन्दार्णव। पद्माकर : जीवन परिचय, रचनाएँ : 1.

Scanned with OKEN Scanner

अनूदित ग्रन्थ : रामरसायन, राजनीति की वचनिका, 2. मौलिक ग्रन्थ : (क) प्रशस्ति काव्य-अनूपगिरि हिम्मतबहादुर की विरुदावली, प्रताप सिंह विरुदावली। (ख) भक्ति-वैराग्य के ग्रन्थ-गंगालहरी, यमुनालहरी, प्रबोधपचासा, लिलहारी लीला, ईश्वर पचीसी। (ग) लक्षण ग्रन्थ : जगद्विनोद, पद्माभरण। ग्वाल : रचनाएँ।

127

तृतीय अध्याय

रीतिकाल के रीतिसिद्ध कवि और आचार्य मिश्र का अनुशीलन

बिहारी का जीवनवृत्त, प्रसंगोद्भावना, कवि की निपुणता या जानकारी : 1. दर्शन या तत्त्वज्ञान सम्बन्धी, 2. गणित सम्बन्धी, 3. वैद्यक सम्बन्धी, 4. ज्योतिष सम्बन्धी, 5. साधना मार्ग सम्बन्धी 6. लोक तथा व्यवहार सम्बन्धी 7. प्रकृति सम्बन्धी। भावपक्ष : संयोग शृंगार, विरह वर्णन, भक्तिभाव, अन्यभाव। कलापक्ष : अप्रस्तुतयोजना, श्लेष, अर्थान्तरन्यास, असंगति, औपम्यसूचक, अन्योक्ति, तद्गुण अलंकार, अतिशयोक्ति, यमक तथा काव्यलिंग, मानवीकरण, वैषम्यमूलक व्यंजना, अनुभाव योजना, वक्रोक्ति योजना। दोष विचार, भाषा, सतसैया का स्रोत : गाथा सप्तशती, आर्या सप्तशती, अमरुक शतक, हितलहरिणी। परवर्ती कवियों पर प्रभाव, सतसैया साहित्य, सतसैया पर लिखी टीकाएँ।

चतुर्थ अध्याय

188

रीतिकाल के रीतिमुक्त कवि और आचार्य मिश्र का अनुशीलन

रसखानि : जीवनवृत्त, रचनाएँ, आलम, आलम का समय, आलम की रचनाएँ, घनआनन्द : जीवनवृत्त, सख्यभाव का नाम, रचनाएँ, ठाकुर : जीवनवृत्त, रचनाएँ, बोधा : जीवनवृत्त, रचनाएँ, अन्य कवि: 1. हास्य कवि, 2. वीर कवि : जोधराज, भूषण : जीवनवृत्त, रचनाएँ, सूदन, चन्द्रशेखर वाजपेयी : रचनाएँ। 3. नीति काव्य : रहीम, जमाल, वृन्द : रचनाएँ, वैताल, गिरिधर कविराय, दीनदयाल गिरि : जीवन परिचय, रचनाएँ। 4. नाट्यकाव्य : विश्वनाथ सिंह, रघुराज सिंह, गिरिधर दास। 5. अनुवाद काव्य।

पंचम अध्याय

रीतिकवियों का पाठ-सम्पादन : उपलब्धि और सीमाएँ

251

रीतिकवियों का पाठ-सम्पादन : 1. भूषण ग्रन्थावली-शिवभूषण, प्रकीर्णक, 2. पद्माकर ग्रन्थावली 3. घनआनन्द ग्रन्थावली 4. रसखानि ग्रन्थावली 5. मिखारीदास ग्रन्थावली (दो खण्ड) 6. केशव ग्रन्थावली (तीन खण्ड) 7. जसवन्तसिंह ग्रन्थावली 8. बिहारी, 9. बोधा ग्रन्थावली। उपलब्धि और सीमाएँ।

Scanned with OKEN Scanner

षष्ठ अध्याय 282

रीतिकालीन कवियों की रचनाओं के भाष्य तथा टीकाएँ, परम्परा और मौलिकता, आचार्य मिश्र के टीका-साहित्य की विशेषताएँ

भाष्य तथा टीका का अर्थ, बिहारी प्रकाश, घनआनन्द कवित्त प्रथम एवं द्वितीय शतक (भाष्येन्दुशेखर-प्रथम एवं द्वितीय आनन) भूमिका-लेखक, भाषा भूषण का भाष्येन्दुशेखर, मिश्रजी का टीकाकार्य : 1. छत्रसाल दशक, 2. जिला बावनी, 3. रसिकप्रिया का शिवाप्रसाद तिलक, परम्परा और मौलिकता, आचार्य मिश्र के टीका-साहित्य की विशेषताएँ।

सप्तम अध्याय 306

आचार्य मिश्र द्वारा प्रस्तुत रीति-समीक्षा के मानदण्ड

आचार्य मिश्र का योगदान, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लाला भगवानदीन, डॉ. रामशंकर शुक्ल रसाल, डॉ. भगीरथ मिश्र, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. विजयपाल सिंह, आचार्य मिश्र का योगदान।

अष्टम अध्याय 342

आचार्य मिश्र द्वारा प्रस्तुत रीतिकाव्यानुशीलन सम्बन्धी ग्रन्थों की भूमिकाएँ

1. स्वलिखित ग्रन्थों की भूमिकाएँ, 2. अन्य विद्वानों के ग्रन्थों में मिश्रजी द्वारा लिखित भूमिकाएँ।

उपसंहार 368

परिशिष्ट (सहायक ग्रन्थ) 376

Scanned with OKEN Scanner

आलोचना

साहित्यालोचन

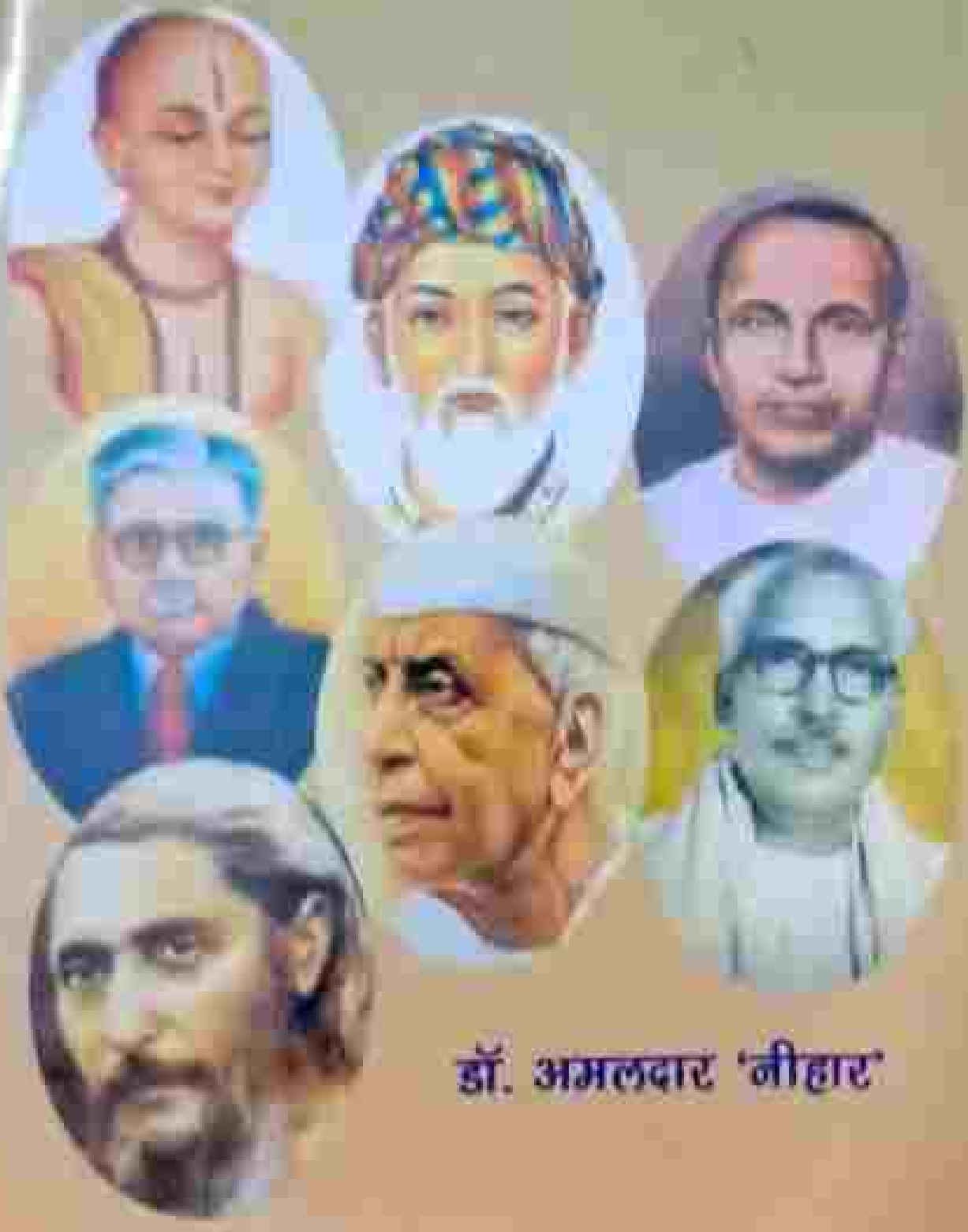

डॉ. अमलदार 'नीहार'

Scanned with OKEN Scanner

साहित्यालोचन

(आलोचना)

लेखक
डॉ. अमलदार 'नीहार'

नमन प्रकाशन
नई दिल्ली - 110002

Scanned with OKEN Scanner

© लेखक

पहला संस्करण : 2021

ISBN : 978-93-90868-10-0

नमन प्रकाशन
4231/1, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली-110002
फोन: 8750551515, 8595352540

श्री नितिन गर्ग द्वारा नमन प्रकाशन के लिए प्रकाशित तथा
पत्रायन ऑफसेट प्रिंटर्स, मौजपुर, शाहदरा, दिल्ली में मुद्रित।

Sahityalochan By Dr. Amaldar Nihar

अनुक्रम

1.	मीडिया का आधुनिक आईना और आधी आबादी का विश्वसनीय (?) चेहरा	9
2.	हिन्दी साहित्य के विकास में बलिया का योगदान	36
3.	महाकवि तुलसी की लोकचेतना और उनकी 'दोहावली' के अनमोल सुभाषित	75
4.	लोकनायक राम तथा महाप्राण निराला का आत्मसंघर्ष : 'राम की शक्तिपूजा'	97
5.	कविवर रहीम के नीतिकाव्य में लोकतत्त्व	123
6.	हिन्दी साहित्य में व्यंग्य और उसकी विकास-यात्रा	159
7.	विनय-पत्रिका : तुलसी की परिपक्व रचना-भूमि	172
8.	एकात्म मानववाद और विकास की दिशाएँ-वर्तमान संदर्भ	201
9.	'चन्द्रगुप्त' नाटक में निहित राष्ट्रगौरव तथा सांस्कृतिक चेतना	216
10.	राष्ट्रीय चेतना के उन्नायक कवि मैथिली शरण गुप्त *(सन्दर्भ : भारत-भारती)*	246

Scanned with OKEN Scanner

नीहार-नौसई

डॉ. अमलदार 'नीहार'

Scanned with OKEN Scanner

नीहार-नौसई

(दोहों का संग्रह)

रचयिता
अमलदार 'नीहार'

नमन प्रकाशन
नई दिल्ली - 110002

Scanned with OKEN Scanner

© लेखक

पहला संस्करण : 2021

ISBN : 978-93-90868-18-6

9 789390 868186

नमन प्रकाशन
4231/1, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली-110002
फोन: 8750551515, 8595352540

श्री नितिन गर्ग द्वारा नमन प्रकाशन के लिए प्रकाशित तथा
शिवम ऑफसेट प्रिंटर्स, मौजपुर, शाहदरा, दिल्ली में मुद्रित।

Nihar Nanai By Dr. Amaldar Neehar

अनुक्रम

	शारदा-स्तवन	7
	आमुख	8
1.	धधके आग सवाल	17
2.	पहला अध्याय : अवसाद के पल	19
3.	बुलावनामा	21
4.	कौन करे उपकार?	23
5.	धर्म-प्रीति की लाज	25
6.	अर्पित कितने मीत	27
7.	राजनीति-रस योग	28
8.	बदला नया निज़ाम	29
9.	आत्मालाप	31
10.	राजनीति के रंग-कलम लिखी, जो संग	32
11.	चाहे जिसका राज हो, रंक रहे बस रंक	34
12.	राख की बुझती राख में चिनगारी का दाम	35
13.	सार एक ससुराल बस, है असार संसार	36
14.	मुक्तक मोती-माला	38
15.	अथ जौनपुर-चारित्र्य-वर्णनम् (स्वानुभूति की परिधि में)	39
16.	विडंबना इस देश की	42
17.	रोये बुलबुल-पौध	43
18.	खुलकर दिया रिलीफ	44
19.	कुछ तो करो उपाय	46
20.	खेती खाये बाड़	48
21.	चले गये अंग्रेज	49
22.	विडम्बना इस देश की	50
23.	शिक्षक बदले देश यह	51

Scanned with OKEN Scanner

24. आँसू है अनमोल 53
25. मुझे समझकर रोड़ 55
26. 'भारत माता' बोलकर खाओ माल हराम 57
27. मत चरणों में लोट 59
28. हुआ ताड़-तड़ाग 61
29. नहीं पचेगा पाप का पैसा प्योलितान 63
30. वैराग्य-बोध 65
31. भारत जैसे देश का भला करो हे राम। (गोरखपुर : दुर्व्यवस्था की मुट्ठी में प्राणवायु और मासूमों की मौत का कमीशन) 66
32. फिर से शूली चढ़ गये ईसा औ मंसूर (दुर्व्यवस्था की भेंट गोरखपुर के सैकड़ों बच्चों का बलिदान-प्रसंग) 68
33. कपट-कलाधर-प्रीति से बंधे वही, जो अन्ध (विडम्बना इस देश की) 70
34. उड़ते हैं पर खोल 72
35. धारे वेश महात्मा का, मगर रूह शैतान ('डेरा सच्चा सौदा' के बाबा राम रहीम का रावणनामा-न्याय पर हिंसा-प्रसंग) 73
36. देश-दशा बस द्रौपदी, कौन करे कल्यान 75
37. प्राचार्य का माफीनामा माफियाओं के नाम 77
38. खा पुलाव जज्बात 79
39. राधाकृष्णन की 'आत्मा' को लाठी का उपहार (आन्दोलनरत शिक्षकों पर प्रशासन-सरकार का सांस्कृतिक परिचय) 81
40. कौन बजाये बाँसुरी मधुर प्रेम-रस घोल 83
41. सिस्टम है बकरीद 84
42. सत्ता छलना-सुन्दरी पूत पूतना खाय।। 85
43. हकीमनामा 87
44. लेकर कंचन क्या करे कवि-अभाव-अभिमान (काले दिन की उजली यादें) 88
45. बाबाओं के खेल में सत्ता साझीदार 90
46. फेंके जादू-जाल 92
47. सदा मिटाये ईति 94
48. हरि वनवाहन दास।। (नयी पीढ़ी के प्रति) 96
49. कैसे कोई बन पिता भूल गया निज कर्म 98

Scanned with OKEN Scanner

50. दूजा बड़ा न राखी। कोलाहल में है शोर 99
51. ईश्वर दीन अनाथ के नाथ-तारो-पतवार 101
52. तुरत-फुरत ना क्यों करो सिफारी ही तकरार 102
53. विराट व्यक्तित्व गांधी का और उनका विलोम 104
54. त्याज्य विषय-रस-वासना, देंगे भोग, विष आलय 106
55. मधु का दामन थाम ले, सबका मंगल-क्षेम 107
56. पहले गंगादास जो, अब पूरे ते-दास 109
57. कुछ पल का संयोग 111
58. कब जनता के माथ पर, जब कीचड़-संकाश 112
59. वादे करके भूल जा, ले वोटों की भीख 113
60. लोकतंत्र को राह दें आये सत्तर मीत 114
61. फिर भी सीना गर्व से छप्पन इंच उफान 115
62. कवि को इसका खेद 117
63. सखा भाई-बाप 119
64. फरियादी बन जो खड़ा रहे-न्यायाधीश (संदर्भ : साजिश की मौत मरे न्यायाधीश बृजगोपाल लोया, पत्रकार सुदीप बनर्जी और प्रद्युम्न काण्ड के निर्दोष आरोपित अधमरे ड्राइवर अशोक) 121
65. तप-संयम धन धीर 123
66. भारत माँ के लाल? 125
67. प्रकीर्णक 127
68. ऐसा हुआ विकास 128
69. नये बजट का मरसिया 129
70. कृपा करो जगदीश! 131
71. भारत-नव निर्माण-रथ, क्या जाने आपीड़ 133
72. शब्द-ब्रह्म में लीन है सकल चराचर मीत! 135
73. सच क्यों मूक-दार तो गांधी का 'हे राम'! 137
74. सम्भव शीश किरीट 139
75. कैसे पावन आत्मा, बेध रहे सब अंग 141
76. गगन-स्पन्दन 144

TEACHING LEARNING AND EVALUATION IN HIGHER EDUCATION

EDITORS
DR. SANJEEV KUMAR
DR. ASHA PANDEY

KANISHKA PUBLISHERS, DISTRIBUTORS
4697/5-21A, Ansari Road, Daryaganj
New Delhi -110 002
Phones: 2327 0497, 2328 5285
Fax: 011-2328 5285
E-mail: kanishka_publishing@yahoo.co.in

Teaching Learning and Evaluation in Higher Education
First Published 2019
© Editors
ISBN: 978-81-8457-864-5

PRINTED IN INDIA

Published by Mukut Sachdeva for Kanishka Publishers, Distributors, 4697/5-21A, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi-110 002. Typeset by Sunshine Graphics, Delhi, and Printed at Rajdhani Printers, Delhi.

20. Why Evaluation?
Dr. Lalan Rao 175

21. Commodification of Education and its Impact
Dr. Ranjana Seth 183

22. Effective Teaching in Higher Education
Sonaran Shaheen, Ruchi Patel and Richa Srivastava 190

23. Importance of Information and Communication Technologies in Higher Education
Dr. Shweta 196

24. Quality in Higher Education: A Continuing Concern and Challenge
Dr. Alka Singh 203

25. Co-operative Learning in the Context of Higher Education
Dilip Singh and Pragya 217

26. Quality Teaching and Higher Education in India
Dr. Neelima Singh 226

27. Systematic Observation of Teaching Behaviour for Inclusive Education
Dr. Rama Kant Singh 234

28. Teaching and Learning Issues in Psychology at Higher Education
Dr. Richa Singh 245

29. Cooperative Learning in the Classroom
Prof. Seema Singh 251

30. The Role of a Teacher for Effective Teaching in Higher Education through Different Methods
Shweta Singh and Shruti Srivastava 259

31. Quality Concerns in Higher Education in India
Dr. Sunil Kumar Singh 269

32. A Journey of Teaching Learning: Pedagogy to Heutagogy
Dr. Sunita Singh, Namrata Singh and Kumkum Maurya 277

27

Systematic Observation of Teaching Behaviour for Inclusive Education

Dr. Rama Kant Singh

Inclusive education means that all students attend and are welcomed by their neighbourhood schools in age-appropriate, regular classes and are supported to learn, contribute and participate in all aspects of the life of the school. Inclusive education is about how we develop and design our schools, classrooms, programs and activities so that all students learn and participate together.

Until recently, most conceptual literature on inclusive education was Northern (European and North American) in origin, taking a 'whole-school' approach to institutional change (Peters, 2004), and influenced by the social model of disability. By recognising that teaching methods which can make curriculum accessible to children with disabilities can also make learning accessible to all students (Ainscow, 2005; Ainscow, 1991), a teacher or school principal is well on the way to improving the overall quality of their school. In this way, inclusive education is not a disability-only issue, but an educational quality issue (ibid).

Commercial Bank Financing for Self-Employment : An Appraisal

Dr. Saheb Dubey

Commercial Bank Financing For Self-Employment: An Appraisal

Dr. Saheb Dubey
Associate Professor,
Department of Commerce,
Shri Murali Manohar Town
Postgraduate College, Ballia,
U.P.

Swaranjali Publication
swaranjalipublication@gmail.com,
8760124880, 9810749840
Vasundhara, Ghaziabad, 201012.

Published by: Swaranjali Publication
Sector 10-B, Vasundhara, Ghaziabad, UP-201012
www.nrjp.co.in

First published 2019, Swaranjali Publication
© 2019, Authors. The authors have asserted their moral rights.

This book contains information obtained from authentic and highly regarded sources. Reprinted material is quoted with permission, and sources are indicated. Reasonable efforts have been made to publish reliable data and information, but the authors and the publishers cannot assume responsibility for the validity of all materials. Neither the authors nor the publishers, nor anyone else associated with this publication, shall be liable for any loss, damage or liability directly or indirectly caused or alleged to be caused by this book.
Neither this book nor any part may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopying, microfilming and recording, or by any information storage or retrieval system, without permission in writing from the publishers.
The consent of Swaranjali Publication does not extend to copying for general distribution, for promotion, for creating new works, or for resale. Specific permission must be obtained in writing from Swaranjali publication for such copying.

Swaranjali Publication
Commercial Bank Financing For Self-Employment:
An Appraisal
ISBN 978-93-88838-12-2
Price: 990/-

Book and Cover Design
Swaranjali designs Solutions

Printed by
Swaranjali Print Solutions

Preface

Commercial banking in India prior to its nationalisation confined its financial support mostly to large commercial and industrial undertakings. The backward sectors of the economy, viz. small traders, farmers, self-employeds and professionals etc. were almost totally neglected by them in the matter of credit. In other words, their lending policies were highly unbalanced in as much as credit facilities made available by these banks benefitted to a large extent.

The established and developed sectors of the economy and the remaining backward sectors received only an insignificant part of it. The result was that many important and potential sectors of economy remained backward.

As we all know, the most challenging task before the nation is the eradication poverty and unemployment which are deeply interlinked. It is true, the government has been fully alive to this problem and sustained efforts have been made through the successive Five-Year plans. It is also true that there has been impressive expansion in the industrial and economic activities in the country as a result of which new employment opportunities were created to absorb to some extent the growing number of employment seekers year after year. But this increase in the employment opportunities could never remove the back logs of unemployment, which too has shown increasing trend year after year.

It was, therefore, realised that the problem of unemployment in the country like ours which is beset by rising population, can hardly be solved by expanding the organised and state sectors only. Side by side, strong measures should be implemented to encourage self-employment activities with an emphasis on the growth, development and diversification of the rural economy. The reorientation of the

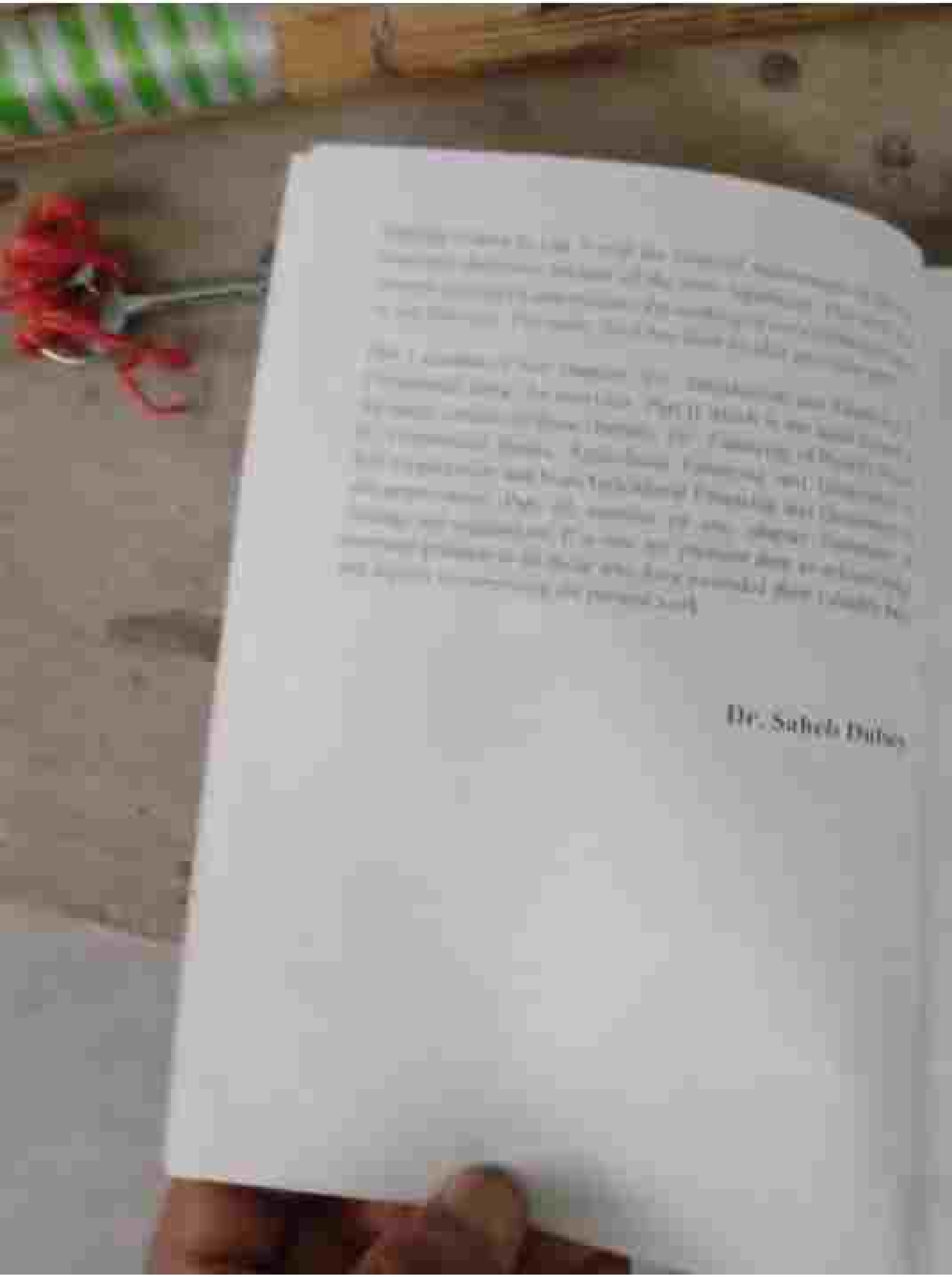

विपणन के सिद्धान्त

डॉ० साहेब दूबे

विपणन के सिद्धांत

(Principal of Marketing)

डॉ. साहेब दूबे
एसोसिएट प्रोफेसर,
वाणिज्य विभाग श्री मुरली
मनोहर टाउन स्नातकोत्तर
महाविद्यालय बलिया,
(उत्तर–प्रदेश)

स्वराँजलि प्रकाशन
swaranjalipublication@gmail.com
[illegible]
Vasundhara Ghaziabad 201012

स्वरांजलि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित
सेक्टर 10-बी, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश -201012

प्रथम संस्करण 2019, स्वरांजलि प्रकाशन
© 2019, लेखक के नैतिक अधिकारों के आधार पर,

इस पुस्तक में प्रामाणिक और अत्याधिक सम्मानित स्रोतों से ली जानकारी शामिल है। पुनर्प्रकाशित सामग्री अनुमति के साथ प्रयुक्त किये गया है, और स्रोतों का संकेत दिया गया है। विश्वसनीय डेटा और जानकारी प्रकाशित करने के लिए उचित प्रयास किए गए हैं लेकिन लेखकों और प्रकाशक सभी सामग्रियों की वैधता के लिए जिम्मेदारी से ले सकते।

प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना, न तो यह पुस्तक और न ही इसका किसी भी हिस्से को किसी भी रूप में या किसी भी तरह से, इलेक्ट्रॉनिक या मैकेनिकल, फोटोकॉपी, माइक्रो फिल्मिंग और रिकॉर्डिंग, या किसी भी जानकारी भंडारण या पुनर्प्राप्ति प्रणाली में प्रेषित नहीं किया जा सकता है।

स्वरांजलि प्रकाशन की सहमति सामान्य वितरण, नकल के लिए प्रचार के लिए, नए कामों के निर्माण के लिए या पुनर्विक्रय के लिए नहीं है। इस तरह की प्रतिलिपि के लिए स्वरांजलि प्रकाशन से लिखित में विशेष अनुमति प्राप्त की जानी चाहिए।

स्वरांजलि प्रकाशन
विपणन के सिद्धांत
ISBN 978-93-88838-18-1

Price: 350/-

किताब और कवर डिजाइन
स्वरांजलि डिजाइन सॉल्युशन

मुद्रण
स्वरांजलि प्रिंट सॉल्युशन

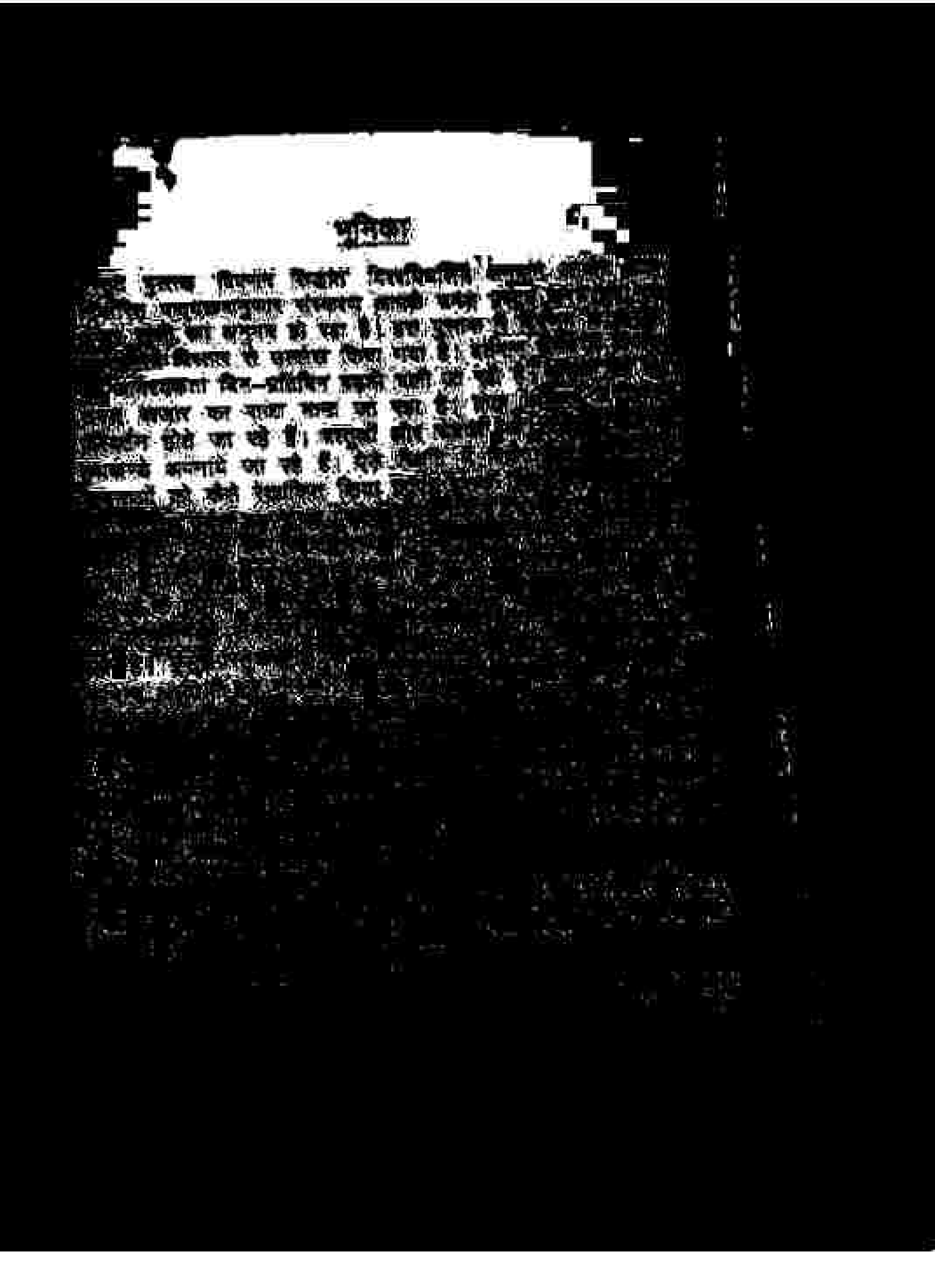

MONEY BANKING AND FINANCIAL SERVICES

Dr. Saheb Dubey

Money Banking and Financial Services

Dr. Saheb Dubey
Associate Professor,
Department of Commerce,
Shri Murali Manohar Town P.G. College,
Balia, U.P.

Swaranjali Publication
[illegible]@gmail.com,
swaranjalipublication@gmail.com
8700124880, 08107498[illegible]
Vasundhara, Ghaziabad, 201012

Published by Swaranjali Publication
Sector 10-B, Vasundhara,
Ghaziabad, UP.201012

© 2019, Dr. Saheb Dubey
The authors have asserted their moral rights.

This book contains information obtained from authentic and highly regarded sources. Reprinted material is quoted with permission, and sources are indicated. Reasonable efforts have been made to publish reliable data and information, but the authors and the publishers cannot assume responsibility for the validity of all materials. Neither the authors nor the publishers, nor anyone else associated with this publication, shall be liable for any loss, damage or liability directly or indirectly caused or alleged to be caused by this book.
Neither this book nor any part may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopying, microfilming and recording, or by any information storage or retrieval system, without permission in writing from the publishers.
The consent of Swaranjali Publication does not extend to copying for general distribution, for promotion, for creating new works, or for resale. Specific permission must be obtained in writing from Swaranjali publication for such copying.

Swaranjali Publication
Money Banking and Financial Services
ISBN 978-93-88838-18-4

Price: 750/-

Book and Cover design
Swaranjali Designs Solutions

Printed by
Swaranjali Print Solutions

Preface

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Dr. Saheb Dubey

CORPORATE ACCOUNTING

THEORY AND PRACTICE

As per National Education Policy (NEP) - Common Minimum Syllabus
For B.Com Semester-V of All State Universities of U.P.

M.B. Shukla
Saheb Dubey

CORPORATE ACCOUNTING

(Curriculum as per Common Minimum Syllabus of National Education Policy (NEP), 2020
(For B. Com Semester - V of All State Universities of U.T.)

CORPORATE ACCOUNTING

Dr. M.B. Shukla
[illegible]
Formerly
Professor & Head, Faculty of Commerce & Management Studies
Director, Institute of Management Studies
Head, Department of Commerce
Mahatma Gandhi Kashi Vidyapith, Varanasi
and
Formerly Head and Professor
Guru Ghasidas Central University, Bilaspur (C.G.)
and
President, Indian Commerce Association ([illegible])
President, Indian Accounting Association (2008)
Vice President (North), Indian Council for Business Education

Dr. Saheb Dubey
Department of Commerce,
Shri Murli Manohar Town PG College
Ballia, Uttar Pradesh

KITAB MAHAL

First Edition 2023

ISBN : 978-93-92080-93-7

Price : ₹375.00

© M.B.Shukla

This book is copyright protected all rights reserved. No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopying, recording or any information storage and retrieval system, without permission in writing from the Author and the Publisher. Any person who does any unauthorised act in relation to this Publication may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages.

Head Office

Kitab Mahal Publishers
4655/21, Ansari Road (G. F.)
Daryaganj, New Delhi-110002
Phone : 011-23273230/43526875;
(WhatsApp) 9335107914
Email : kitab_mahal@hotmail.com

Disclaimer : *Every effort has been made to check errors, mistakes, misprints etc. in this publication [illegible] difficult to claim perfection. Any error, mistake, misprint, omission, suggestion, etc. brought to the knowledge of publisher/author shall be thankfully acknowledged and shall be taken care of in the next edition.*

Published By : Kitab Mahal, 4655/21, Ansari Road, (G. F.) Daryaganj, New Delhi-110002, Phone : [illegible]
Email : [illegible]@gmail.com Visit : www.kitabmahal[illegible].com
Printed by : [illegible] Industrial Area, Ghaziabad (U.P.)

Preface

SPRINGER BRIEFS IN ENVIRONMENTAL SCIENCE

Pradeep Kumar Dubey
Gopal Shankar Singh
Purushothaman Chirakkuzhyil Abhilash

Adaptive Agricultural Practices

Building Resilience in a Changing Climate

Springer

Pradeep Kumar Dubey
Institute of Environment & Sustainable Development
Banaras Hindu University
Varanasi, UP, India

Gopal Shankar Singh
Institute of Environment & Sustainable Development
Banaras Hindu University
Varanasi, UP, India

Purushothaman Chirakkuzhyil Abhilash
Institute of Environment & Sustainable Development
Banaras Hindu University
Varanasi, UP, India

ISSN 2191-5547 ISSN 2191-5555 (electronic)
SpringerBriefs in Environmental Science
ISBN 978-3-030-15518-6 ISBN 978-3-030-15519-3 (eBook)
https://doi.org/10.1007/978-3-030-15519-3

© The Author(s), under exclusive license to Springer Nature Switzerland AG 2020
This work is subject to copyright. All rights are reserved by the Publisher, whether the whole or part of the material is concerned, specifically the rights of translation, reprinting, reuse of illustrations, recitation, broadcasting, reproduction on microfilms or in any other physical way, and transmission or information storage and retrieval, electronic adaptation, computer software, or by similar or dissimilar methodology now known or hereafter developed.
The use of general descriptive names, registered names, trademarks, service marks, etc. in this publication does not imply, even in the absence of a specific statement, that such names are exempt from the relevant protective laws and regulations and therefore free for general use.
The publisher, the authors, and the editors are safe to assume that the advice and information in this book are believed to be true and accurate at the date of publication. Neither the publisher nor the authors or the editors give a warranty, express or implied, with respect to the material contained herein or for any errors or omissions that may have been made. The publisher remains neutral with regard to jurisdictional claims in published maps and institutional affiliations.

This Springer imprint is published by the registered company Springer Nature Switzerland AG
The registered company address is: Gewerbestrasse 11, 6330 Cham, Switzerland

Contents

1 **Agriculture in a Changing Climate** 1
1.1 Introduction 1
1.2 Changing Environmental Constraints Facing Agricultural Systems 2
1.3 Adaptive Agricultural Practices and Their Intervention at Three Different Levels: Crop/Species, Farm/Field, and Landscape Level 6
References 8

2 **Adaptive Agronomic Practices for Sustaining Food Production** 11
2.1 Brief Overview of Adaptive Practices 11
2.2 Crop Diversification 12
2.2.1 Intercropping 12
2.2.2 Crop Rotation and Double/Companion Cropping 19
2.2.3 Permaculture 21
2.3 Agroforestry: A Farm/Field- and Landscape-Level Practice 22
2.4 Mulching 26
2.5 Organic Farming 30
2.5.1 Integration of Livestock into Farm Lands 30
2.5.2 Replacement of Chemical Fertilizers by Organic Inputs 32
References 35

3 **Increasing Resilience in Crops for Future Changing Environment** 45
3.1 Use of Resilient Crop Varieties: A Species-Level Practice 45
3.2 Coping Under Abiotic Stress Environment 46
3.2.1 Conferring Drought Tolerance 46
3.2.2 Conferring Salinity Tolerance 48
3.2.3 Conferring Flood Tolerance 49

3.3 Coping Under Biotic Stress Environment 50
3.3.1 Crop Weed Resistance 50
3.3.2 Crop Pests and Disease Resistance 50
3.4 Future Crops for Elevated Temperature and CO_2 53
3.5 Use of Climate/Crop Models for Building Adaptive Capacity in Agriculture for a Future Environment 55
References 56

4 Resource Conserving and Innovative Practices for Agricultural Sustainability 63
4.1 Increasing Nutrient and Water Use Efficiency 63
4.2 Conservation Agriculture (CA) 66
4.3 Farm Innovations for Enhanced Production of Major Cereals Crops 73
4.4 Sustainable Agriculture Intensification and Extensification 77
4.5 Sustainability Issues in Agriculture from the Farmers' Perspective 81
References 87

5 Adaptive Agricultural Practices Employed in Eastern Uttar Pradesh, India 93
5.1 Introduction 94
5.1.1 What Are Adaptive Agricultural Practices? 94
5.1.2 Objectives of the Present Study 95
5.2 Methodology Employed 95
5.2.1 Study Area: Eastern Uttar Pradesh, India 95
5.2.2 Field Survey 96
5.2.3 Geographic and Meteorological Conditions of the Study Region 98
5.3 Results and Discussion 100
5.3.1 Challenges and Threats Faced by Farmers 100
5.3.2 Adaptive Agronomic Practices Employed by Local Farmers 106
5.4 Conclusions and Future Policy Implications 117
5.4.1 Conclusions 117
5.4.2 Future Policy Implications 118
References 120

6 Policy Implications, Future Prospects and Conclusion 123
6.1 Policy Implications and Future Prospects 123
6.2 Conclusions 125
References 128

Index 129

Adaptive Agricultural Practices Employed in Eastern Uttar Pradesh, India

Authors

Pradeep Kumar Dubey, Gopal Shankar Singh, Purushotharnan Chirakkuzhyll Abhilash, Pradeep Kumar Dubey, Gopal Shankar Singh, Purushotharnan Chirakkuzhyll Abhilash

Publication date

2020

Journal

Adaptive Agricultural Practices: Building Resilience in a Changing Climate

Pages

93-122

Publisher

Springer International Publishing

Description

The present study was undertaken to evaluate various adaptive agronomic practices employed by indigenous farmers of eastern Uttar Pradesh in North India. For this, extensive field survey was conducted in selected districts of eastern Uttar Pradesh and various practices done by farmers were noted for further studies. The promising practices were classified at three distinct level such as (1) crop or species level, (2) farm or field level, and (3) landscape level. Major emphasis was given to documenting crop diversification strategy, varietal selection and preferences over the period (especially in rice) and critical natural resource conservation methods that is employed by the local farmers themselves to sustain food production under changing climatic conditions. The present study could able to identify so many promising practices for further validation and the subsequent scaling-up of promising practices. It is ...

भारत-नेपाल सम्बन्ध : चुनौतियाँ एवं समाधान

डॉ. एस.पी.एल. श्रीवास्तव
डॉ. करुणेन्द्र सिंह
डॉ. प्रमोद कुमार

© Editors

ISBN: 978-93-83247-81-3

Price Rs : 900/-

First Edition : 2018

Laser Type Settings :
Priya Computers, Lucknow - 226008
Ph. 7376632331

Publisher
ASR PUBLICATIONS
H- 535, [illegible], Gaun, Sangam Nagar, Lucknow - 22608
Phone 9651090738

Email- [illegible]@gmail.com

Published by [illegible] for Asr Publications Lucknow
And Printed At [illegible] Delhi - 110094

[illegible]

विषयानुक्रमणिका

नेपाल–चीन सम्बन्ध और भारत 1-6
प्रो० विनोद कुमार सिंह
सागर गौतम

दक्षिण एशिया 21वीं शताब्दी में भारत और नेपाल के मध्य सुरक्षा की चुनौतियाँ एवं उनके वैकल्पिक समाधान 7-21
डा0 विनोद मोहन मिश्रा
दया शंकर शर्मा

भारत नेपाल सम्बन्धों पर चीन का प्रभाव 22-33
डॉ० डी०पी० कटियार
[illegible]

भारत –नेपाल सीमा सीमा प्रबंधन एवं चुनौतियाँ 34-42
अरविन्द कुमार शर्मा
डॉ० मालती [illegible]

नेपाल की वर्तमान चुनौतियाँ और भारत के लिए नीतिगत विकल्प 43-48
डॉ० रमेश कुमार सिंह

मधेसी आन्दोलन और भारत नेपाल सम्बंध 49-58
डा0 मधुसूदन सिंह

भारत–नेपाल व्यापारिक संबंध 59-70
डॉ० प्रतिभा

भारत–नेपाल सीमा से मादक पदार्थों की तस्करी 71-81
डॉ० अनिल कुमार सिंह

भारत–नेपाल सम्बन्ध 82-97
राकेश कुमार सिंह

भारत–नेपाल सम्बन्ध

राकेश कुमार सिंह
सहायक प्रोफेसर
प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग
श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कालेज, बलिया

भारत और नेपाल के सम्बन्ध अनादि काल से हैं। दोनों पड़ोसी हैं, दोनों की धार्मिक, भाषायी एवं ऐतिहासिक स्थिति में बहुत अधिक समानता है। स्थिर, धर्म निरपेक्ष, लोकतान्त्रिक गणराज्य के रूप में नेपाल का आगे बढ़ना भारत के हित में है। भारत अपने लिए नेपाल की भौगोलिक–राजनीतिक एवं उपयोगिता को किसी भी हालत में बनाये रखना चाहता है। इसलिए एक घनिष्ट मित्र के तौर पर भारत अपने पड़ोसी देश की शांति प्रक्रिया और संवैधानिक एवं बहुदलीय सम्भावना में लोकतंत्र को संस्थागत रूप देने की कामनाओं को लेकर कटिबद्ध है। भारत नेपाल के साथ हर क्षेत्र में द्विपक्षीय सम्बन्धों को मजबूत बनाने को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है और उसके सामाजिक आर्थिक विकास में सहयोग देने की दिशा में पूरा प्रयास जारी रखता है। भारत और चीन के मध्य नेपाल एक 'बफर राज्य' है। आन्तरिक अस्थिरता के कारण समस्याओं से घिरे नेपाल की विदेश नीति भी प्रभावित होती है। नेपाल में अमेरिका व पश्चिमी देशों की गहरी रुचि भारत के लिए चिन्ता का विषय है।

नेपाल का सबसे चिन्ताजनक पहलू यह भी है कि नेपाल के माओवादी विद्रोहियों के सम्बन्ध भारत में सक्रिय नक्सलवादियों से भी हैं। पाकिस्तान [illegible] की ओर से भारत में आतंकवादी गतिविधियों के लिए नेपाल को [illegible] के रूप में [illegible] है। इसके कारण दोनों देशों के आपसी सम्बन्धों में [illegible] को देखते हुए भारत–नेपाल के सीमा [illegible]

उत्तर भारत का राजनीतिक इतिहास

(600B.C To 500 A.D)

राकेश कुमार सिंह

© : Editors

ISBN: 978-93- 82171-59-1

Price Rs : 200/-

First Edition : 2019

Laser Type Settings :
Priya Computers, Lucknow - 226008
Ph. 7376632331

Publisher
ASR PUBLICATIONS
JP- 535, Jairajpuri, Gauri, Sarojini Nagar, Lucknow - 226008
Phone : 9651090738
Email - ayushmangroupofpublications@gmail.com

Published by Pushpendra dubey for Asr Publications Lucknow
And Printed At Arpit Offset Delhi - 110094

उत्तर भारत का राजनीतिक इतिहास
600B.C To 600A.D
by
राकेश कुमार सिंह

विषय सूची

	पृष्ठसंख्या
1. प्राचीन भारतीय इतिहास जानने के साधन	1-12
2. छठीं शताब्दी ईसा–पूर्व में उत्तर भारत की राजनीतिक दशा एवं मगध साम्राज्य का उत्कर्ष	13-20
3. हर्यंक वंश एंव शिशुनाग वंश	21-22
4. नन्द वंश	23-24
5 मौर्य साम्राज्य	25-29
6. शुंग वंश एवं कण्व वंश	30-31
7. सातवाहन वंश एवं कलिंग नरेश खारवेल	32-36
8. गुप्त वंश	37-41
9. वाकाटक वंश एवं मालवा का शासक यशोधर्मन	42-44
10. विदेशी आक्रमण	45-54
(a) हखामनी आक्रमण	
(b) सिकन्दर का आक्रमण	
(c) हिन्द–यवन आक्रमण	
(d) शकों एवं पह्लवों का आक्रमण	
(e) कुषाण आक्रमण	
(f) हूणों का आक्रमण	
11. वस्तुनिष्ठ प्रश्न	55-129
सन्दर्भ ग्रन्थ	130

NEP-2020

Preparing for Inclusivity

Dr. R. N. Sharma
Dr. Ajeet Kr. Rai
Dr. Kishor H. Mane

Name		Designation
1. Prof. S.K. Swain	-	Patron AAE and Head & Dean
2. Prof. Seema Singh	-	President, AAE
3. Prof. Anjali Bajpai	-	Vice President (Academic)
4. Prof. Sunil Kr. Singh	-	Vice President (Administrative)
5. Dr. Raghavendra N. Sharma	-	General secretory
6. Dr. Alok Gardia	-	Treasurer
7. Dr. Yogendra Pandey	-	Joint Secretary (Academic)
8. Dr. Deepa Mehta	-	Joint secretary (Administrative)

Published by:
Alumni Association of Education
Faculty of Education, Banaras Hindu
University, Varanasi

Wisdom World Publication
Shivpur, Varanasi
Uttar pradesh,India
Email : wwpublication85@gmail.com

First Published : 2023

Composed by:
Dinkar Yadav
+07753076385

Printed by:
Prakash Book Binding, Varanasi

Price : ₹ 400/-

NEP 2020: Preparing for Inclusivity
ISBN 978-81-950464-9-2
Copyright © Editor

Index

1. National Education Policy, SEDG and Inclusion — 1-7
Dr. Kishor H. Mane, Dr. Ajeet K. Rai

2. National Education Policy 2020: An Inclusive and Bountable Quality Education for All — 8-15
Priya Kumari, Dr. Kishor H. Mane, Dr. Sheela Kochhar

3. NEP-2020 and Inclusive Education: Vision and Its Implications — 16-24
Dr. Md. Akhtar Raza, Dr. Mahejabin

4. The Conceptual Relationship between Inclusive Education — 25-30
Dilip Singh, Dr. Vinod Kumar Singh

5. A Conceptual Relation Between Sustainable Goals and Inclusive Education — 31-39
Sujata Pal, Dr. R.N. Sharma

6. Reach to The Unreached in Education: Perspectives in Bridging Gap — 40-51
Poonam Singh Kharwar

7. Integrating Mindfulness in Education for Nurturing Inclusive Classroom — 52-58
Gurupreet Kaur, Prof. NPS Chandel, Dr. Satish Kumar Kulkarni

8. A Systematic Review Study on Inclusive School Environment and Happiness of School Children — 59-67
Ramesh Kumar, Dr. Ritu Tripathi Chakravarty, Dr. Ramakant Singh

9. NEP (2020) and Inclusive Pedagogy — 68-75
Laxmipriya Kaul, Dr. Ajeet Kumar Rai

10. Emergence of inclusive Education and It's Pedagogical Implication — 76-84
Satyam Verma, Dr. Alok Gandia

11. Inclusive Pedagogy: Transactional Strategies for Differential Students — 85-95
Ms. Brijeshwari Rathour

12. Socially Economically Disadvantaged Groups: NEP 2020 — 96-100
Mr. Shivam Tripathi, Dr. Ashish Samuel Hari

A Systematic Review Study on Inclusive School Environment and Happiness of School Children

Ramesh Kumar *
Dr. Ritu Tripathi Chakravarty **
Dr. Ramakant Singh ***

Abstract

Happiness is a state of mind which is totally free of tension, mind fear, hesitation, any pressure and worry. The children of 6-14 years age group which are going to school education, they are all in growing stage and they want to be free and happy from all the fears and pressures of formal education. They feel immense pleasure with their peer group, want to play and spend time with each other in inclusive school environment. Every child of the class has its own dignity and self-esteem in both the normal situation and even having any type of difficulties. Prior to the inclusive education, the CWSN children have the separate arrangement of schooling which might be result in the complex but the current scenario of the inclusion in which they learn together in an inclusive classroom with a common goal with full pleasure and happiness. The components of school environment like infrastructure, behaviour of teaching and non-teaching staff, the variables related to students, curricular and co-curricular activities also play a very crucial role in the happiness of the children in an inclusive environment. Happiness is an emotional deep feeling of the mind and heart which result in the relax, calm and satisfaction towards the given variables. In present study we will discuss about the happiness in an inclusive system with reference to the school environment.

Keyword- Happiness, Inclusion, School Environment, Teaching and Non-teaching staff's behaviour, Curricular and Co-curricular activities

Introduction

All children are born and develop in very different conditions and situations. They differ mainly in their family background and structure, psychological and socio-economic status, cultural and political set up. The current situation of the society and cultural paradigm shift from

*Research Scholar (Education), Amity University, Lucknow
**Associate Professor (Education), Amity University, Lucknow
***Professor, Department of Education, MGKVP, Varanasi

उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जनजातियों का राजनीतिक सशक्तिकरण

डॉ० रमेश कुमार राय

WP

उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जनजातियों का राजनीतिक सशक्तीकरण

डॉ. रमेश कुमार राय

WIZARD PUBLISHER

What's your story today!

© Dr. Ramesh Kumar Rai 2019

All rights reserved

All rights reserved by author. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior permission of the author.

Although every precaution has been taken to verify the accuracy of the information contained herein, the author and publisher assume no responsibility for any errors or omissions. No liability is assumed for damages that may result from the use of information contained within.

First Published in Hindi April 2019
ISBN: 9781-5136-48408
Price: INR 199/-

Wizard Publisher
G25 & 26, Vardaman Diamond Plaza
jhandewalan, Delhi
www.wizardpublisher.com
info@ wizardpublisher.com
+91 8860297954

Cover Designer:
Aarti

Typesetting Designer:
Wizard In-House Team

Distributed by: Wizard Publisher
Amazon, Flipkart

विषय सूची

अध्याय-1	सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य में उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जनजातियों का राजनीतिक सशक्तीकरण	1-49
	स्वतंत्रता पूर्व उ0प्र0 मे जनजातियाँ: संक्षिप्त अवलोकन	3
	भारतीय संविधान में अनुसूचित जनजातियों की परिभाषा	6
	राष्ट्रीय स्तर पर जनजातियों का वर्गीकरण	7
	गैर अनुसूचित जनजाति	11
	वास्तविक गणना का अभाव	13
	उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जनजातियाँ	14
	उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जनजातियों का जनजातीयवार विवरण	16
	गोंड जनजाति का परिचय	27
	गोंड जनजाति की उत्पत्ति की मान्यता	28
	गोत्र और क्षेत्र विस्तार	28
	भाषा	30
	वर्ग	30
	गढ़	32
	गोंडी धर्म और दर्शन	32

	गोंड जनजाति का राजनीतिक परिचय	32
	गोंड, कहार और मल्लाह	41
	विलुप्त जनजातियाँ	43
	वर्तमान में उ0प्र0 में जनजातियों के समक्ष राजनीतिक, सामाजिक समस्याएं	45
	उपसंहार	46
अध्याय-2	**साहित्य सर्वेक्षण**	**50-57**
अध्याय-3	**उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जनजातियों का सामाजिक, आर्थिक विश्लेषण**	**58-127**
	उ0प्र0 में अनुसूचित जनजाति में निर्धनता	58
	उ0प्र0 की अनुसूचित जनजातियों में साक्षरता की स्थिति	63
	पंजीकरण	66
	उ0प्र0 में अनुसूचित जनजाति भूमि, आवास, परिवार (पारिवारिक सुख-सुविधा) और सम्पत्ति	72
	अनुसूचित जनजाति परिवारों की स्थिति	72
	उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जनजातियों में रोजगार की स्थिति	78
	उ0प्र0 में सामाजिक सूचकांक में अनुसूचित जनजातियाँ	83
	उपसंहार	126

अध्याय-4	उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जनजातियों को संवैधानिक संरक्षण एवं स्थानीय स्व-शासन में राजनीतिक समावेशीकरण की स्थिति	128-156
	संवैधानिक संरक्षण	128
	सामाजिक सुरक्षा से सम्बन्धित संरक्षण	129
	अनुसूचित जनजातियों के लिए विशेष आर्थिक संरक्षण	129
	शैक्षिक और सांस्कृतिक संरक्षण के उपाय	131
	राजनीतिक संरक्षण	132
	सेवा सम्बन्धी संरक्षण	136
	ग्रामीण स्वशासन में अनुसूचित जनजातियों की सहभागिता हेतु सांवैधानिक प्रयास एवं धरातलीय स्थिति	138
	नगर निकायों में अनु० जनजातियों के लिए सांवैधानिक प्रावधान एवं धरातलीय स्थिति	147
	उपसंहार : राजनीतिक सहभागिता	154
अध्याय-5	**उत्तर प्रदेश में जनजातियों की राजनीतिक गतिशीलता में गोंडवाना आन्दोलन की भूमिका**	**157-180**
	नक्सलवादी आन्दोलन का पतन एवं विकल्प के रूप में अहिंसक गोंडवाना आन्दोलन का उदय	158
	भारतीय सभ्यता के प्रारम्भ पर जनजाति/आदिवासी स्वामित्व	159
	सैंधवी सभ्यता बनाम गोंडी रिवाज	159

	आदिवासियों के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ के घोषणा-पत्र का क्रियान्वयन आवश्यकता	163
	गोंडवाना लैण्ड एवं महाद्वीप विखण्डन	165
	आरक्षण एवं जातिगत श्रेणीवार सरकारी घोषणा अशुद्ध व अपूर्ण	170
	वन अधिकार कानून के कारण जनजातियाँ जीविका से वंचित	172
	आजाद भारत में वन नीतियाँ एवं जनजातियाँ	175
	सुरक्षित वन क्षेत्रः वन जीवों को अनुमति, जनजातियों को नहीं	177
	उपसंहार	178
अध्याय-6	**उपसंहार**	181-189
	सन्दर्भ ग्रन्थ सूची/Bibliography	190-204
	परिशिष्ट/Appendices	i-xxiv

स्वाधीनता आन्दोलन और हिन्दी कविता

सम्पादक
डॉ. जे. आत्माराम

अनुक्रमणिका

1. स्वाधीनता आन्दोलन और हिन्दी कविता : साक्षी और साक्ष्य 1
प्रो.शशि मुदीराव

2. स्वाधीनता आन्दोलन और भारतेन्दुयुगीन कविता 10
प्रो. कृष्ण कुमार सिंह

3. 1857 का संघर्ष और स्वाधीनता चेतना की रचनात्मक अभिव्यक्ति 18
डॉ. प्रफुल्ल कुमार

4. स्वतंत्रता पूर्व हिन्दी कविता में राष्ट्रीय चेतना 27
डॉ. अनुज कुमार

5. आधुनिक हिन्दी कविता में राष्ट्रीय चेतना 50
प्रो. एम. श्यामराव

6. स्वाधीनता आंदोलन और हिन्दी कविता 75
प्रो. एम. आंकनेयुलु

7. आधुनिक हिन्दी काव्य में स्वाधीनता आन्दोलन एवं राष्ट्रीय-सांस्कृतिक जागरण 83
प्रो. एस.पद्मप्रिया

8. स्वाधीनता आन्दोलन और हिन्दी फिल्मी गीत 96
डॉ. सी. कामेश्वरी एवं श्रीमती पद्मा पार्थिव

9. स्वाधीनता आंदोलन में हिन्दी फिल्मी गीतों की सक्रियता 106
प्रो. कान सिंह ऊटवाल

10. हिन्दी लोक और कविता में स्वाधीनता संग्राम 117
डॉ. जनार्दन

11. भारतीय स्वाधीनता आंदोलन और हिन्दी गीत 126
डॉ. मनोज कुमार मौर्य

12. स्वाधीनता आंदोलन और द्विवेदीयुगीन कविता 136
संजीव कुमार मिश्र

13. शैलेंद्र का देशप्रेम 145
रजनीश कुमार

14. राष्ट्रीय एकता के कवि सोहनलाल द्विवेदी 156
डॉ. अनंत लक्ष्मी

15. भारत की आजादी पर 'कहें केदार खरी-खरी' 160
डॉ. अनिल कुमार

Kasturi Vijayam
All rights reserved.

No part of this publication may be reproduced, stored in, or introduced into a retrieval system, or transmitted, in any form, or by any means (electronic, mechanical, photocopying, recording, or otherwise) without the prior written permission of the publisher. Any person who does any unauthorized act in relation to this publication may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages.

Swadheenta Andolan Aur Hindi Kavita

(स्वाधीनता आन्दोलन और हिन्दी कविता)

First Edition: Jun 2023

ISBN (Paperback): 978-81-963075-2-3
ISBN (E-Book): 978-81-963075-3-0

Copyright © Dr. J. Atmaram

Published By
Kasturi Vijayam,
3-50, Main Road,
Dokiparru Village -521322
Krishna Dist., Andhra Pradesh, India.

Editor
Dr. J. Atmaram
Ph: +91 9440747501
Email: atmaram.hcu@gmail.com

Cover Page design : Shailesh Kumar

Book Available
@
Amazon, flipkart, Google Play, ebooks, Rakuten and KOBO

Disclaimer: The authors are solely responsible for the thoughts and opinions expressed in their article. In no way, the editor/ publisher/printer is responsible for the content of the article.

स्वाधीनता आंदोलन और द्विवेदीयुगीन कविता

संजीव कुमार मिश्र

बीसवीं शताब्दी के आरंभिक दो दशकों का काल आधुनिक हिन्दी साहित्य के इतिहास में 'द्विवेदी युग' के नाम से जाना जाता है। स्पष्टतः यह नामकरण आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी जी के नाम पर हुआ है। सन् 1903 ई. में वे 'सरस्वती' के संपादक हुए और सन् 1920 ई. तक वे उसका संपादन करते रहे। इन दो दशकों में उन्होंने जो कुछ किया उसी के बल पर इस काल को 'द्विवेदी युग' की संज्ञा दी गयी है। आचार्य शुक्ल ने इसे 'हिन्दी काव्य की नयी धारा' की संज्ञा दी है। हिन्दी काव्य की नयी धारा से उनका अभिप्राय रीतिकालीन श्रृंगारिक प्रवृत्तियों, रूढ़ियों तथा संस्कृत काव्यशास्त्र के अनुकरण पर रीतिबद्ध शास्त्रीय रचना को छोड़कर नयी अभिव्यक्तियों और नयी अभिव्यंजना शैलियों के ग्रहण से था। इस काल की कविता में पूर्ववर्ती रीतिकालीन कविता के तत्त्वों का प्रायः अभाव था।

विजयेंद्र स्नातक लिखते हैं "इस युग के प्रतिनिधि कवियों ने प्राचीनता के साथ जीवित रहने प्राचीन संस्कृति के विधायक तत्त्वों में सर्जन की क्षमता उत्पन्न करने की चेष्टा की है।"[1]

इस युग की कविता में भारतीयता एवं स्वर्णिम अतीत के प्रति मोह आरम्भ से ही बना हुआ था। सन् 1900 से 1920 ई. तक का कालखण्ड भारतीय इतिहास में अत्यंत उथल-पुथल रहा है। सन् 1857 ई. के विद्रोह के फलस्वरूप पूरे भारतीय जनमानस की मानसिकता में एक बड़ा अंतर आया था जिसकी अभिव्यक्ति

Krishna's

TEXT BOOK

Solid State Electronics

B.Sc. Third Year **Third Paper**

(For B.Sc. III[rd] year students of All Colleges affiliated to Universities in Uttar Pradesh)

As per U.P. UNIFIED Syllabus

By

Manoj Kumar Tiwari

M.Sc., G.A.T.E., N.E.T., Ph.D.

Assistant Professor

Bhaskaracharya College of Applied Sciences,

University of Delhi, New Delhi

Avinash Kumar Sharma

M.Sc.(Physics), Ph.D.

Head, Dept of Physics

J.L. (P.G.) College, Hasanpur

Amroha (U.P.)

Sameer Sinha

M.Sc., Ph.D.

Head & Associate Professor

Dept of Physics

Ganpat Sahai P.G. College, Sultanpur (U.P.)

S.P. Singh

M.Sc., Ph.D.

Associate Professor, Dept of Physics

Kamla Nehru Institute of

Physical & Social Sciences, Sultanpur (U.P.)

[illegible] Kumar Verma

M.Sc., N.E.T., Ph.D.

Head & Associate Professor

Dept of Physics

[illegible]

KRISHNA Prakashan Media (P) Ltd.

KRISHNA HOUSE, 11, Shivaji Road, Meerut-250 001 (U.P.), India

Scanned with OKEN Scanner

Krishna's

TEXT BOOK

Solid State Electronics

First Edition: 2014
Fifth Edition: 2018
Edition: 2019

None, able ... [illegible]

Book Code : 784-03 (B)

Price : ₹ 225.00 Only

Published by : Satyendra Rastogi "Mitra"
for KRISHNA Prakashan Media (P) Ltd.
11, Shivaji Road, Meerut – 250 001 (U.P.), India
Ph.: +91-121-[illegible]
www.krishnaprakashan.com; info@krishnaprakashan.com
Chief Editor : Sugam Rastogi
Designed by : Krishna Graphic Arts, Meerut - [illegible]
Printed at : Raj Printers, Meerut

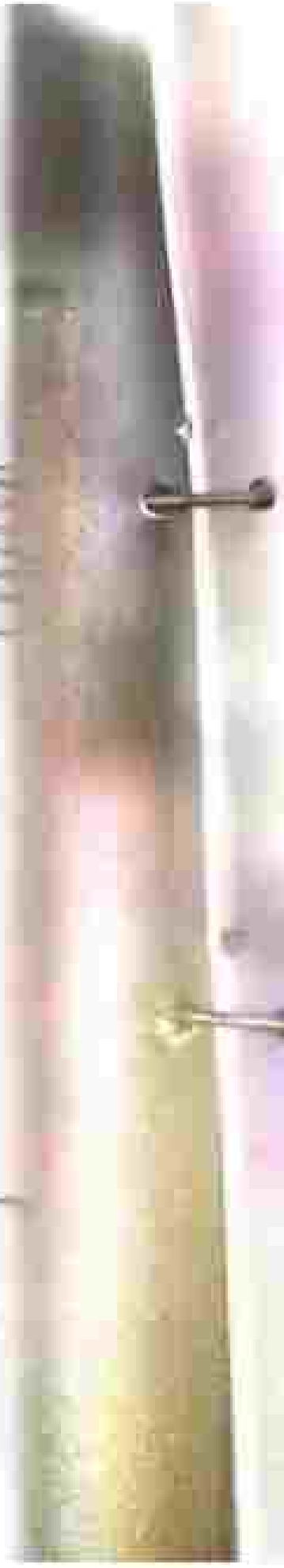

A TEXT BOOK
OF

Kinetic Theory and Thermodynamics

[Strictly based on "UNIFIED SYLLABUS" Prescribed for Colleges Affiliated to State Universities of Uttar Pradesh]

(B.Sc. Ist Year : Paper Second)

*Dr. Sujit Kumar Verma
(M.Sc. IIT)
Sr. Assistant Prof. & Head
Department of Physics
S.M.M. Town P.G. College
Ballia

Nitesh Shukla
Project Fellow
M.M.M. Malaviya University of Technology
Gorakhpur

Dr. Praveen Kumar Singh
Asst. Professor (Physics)
S.G.N. Govt. P.G. College
M. Bad Gohna
Mau (U.P.)

VANDANA PRAKASHAN
Mohaddipur, GORAKHPUR

Scanned with OKEN Scanner

Vandana Prakashan
Mohaddipur, Gorakhpur

- Title :
  Kinetic Theory and Thermodynamics

- ISBN : 978-81-927801-7-6

- Edition :
  First : 2015-2016

Reprint : 2018-19

- © All rights reserved with the publishers.

- **Price :**
  Rs. 200/-

Scanned with OKEN Scanner

Krishna's

TEXT BOOK

Relativity & Statistical Physics

B.Sc. Third Year — First Paper

(For B.Sc. IIIrd year students of All Colleges affiliated to Universities in Uttar Pradesh)

As per U.P. UNIFIED Syllabus

By

Manoj Kumar Tiwari
M.Sc., G.A.T.E., N.E.T., Ph.D.
Assistant Professor
Bhaskaracharya College of Applied Sciences,
University of Delhi, New Delhi

Sameer Sinha
M.Sc., Ph.D.
Head & Associate Professor
Dept's of Physics
Ganpat Sahai P.G. College,
Sultanpur (U.P.)

S.P. Singh
M.Sc., Ph.D.
Associate Professor, Dept's of Physics
Kamla Nehru Institute of
Physical & Social Sciences,
Sultanpur (U.P.)

Sujit Kumar Verma
M.Sc., N.E.T., Ph.D.
Head & Associate Professor
Deptt of Physics
S.M.M. Town P.G. College
Ballia (U.P.)

Laxman Singh
M.Sc., Ph.D.
Associate Professor
Dept's of Physics
Gandhi Smarak P.G. College
Samodhpur Jaunpur (U.P.)

KRISHNA Prakashan Media (P) Ltd

Scanned with OKEN Scanner

Krishna's

TEXT BOOK

Relativity & Statistical Physics

First Edition: [illegible]
Sixth Edition : 2020

[illegible]

I.S.B.N. : 978-93-89181-88-3

Book Code : 782-06

Price : ₹ 225.00 Only

Published by : [illegible] KRISHNA [illegible]

Chief Editor : [illegible]
[illegible] : [illegible]
Printed at : [illegible]

Scanned with OKEN Scanner

41

Krishna's

TEXT BOOK

Electromagnetics

B.Sc. Second Year — Second Paper

(for B.Sc. IInd year students of All Colleges affiliated to Universities in Uttar Pradesh)

As per U.P. UNIFIED Syllabus

By

Manoj Kumar Tiwari
M.Sc., GATE, N.E.T., Ph.D.
Assistant Professor
Bhaskaracharya College of Applied
Sciences, University of Delhi
(New Delhi)

Sameer Sinha
M.Sc., Ph.D.
Head & Associate Professor
Deptt. of Physics
Ganpat Sahai P.G. College
Sultanpur (U.P.)

S.P. Singh
M.Sc., Ph.D.
Associate Professor, Deptt. of Physics
Kamla Nehru Institute of
Physical & Social Sciences
Sultanpur (U.P.)

Sujit Kumar Verma
M.Sc., N.E.T., Ph.D.
Head & Associate Professor
Deptt. of Physics
S.M.M. Town P.G. College
Ballia (U.P.)

Ajay Kumar Singh
M.Sc., Ph.D.
[illegible]
[illegible]
[illegible]

KRISHNA Prakashan Media (P) Ltd.
[illegible]

Scanned with OKEN Scanner

Krishna's

TEXT BOOK

Electromagnetics

First Edition : [illegible]
Sixth Edition : 2020

[illegible]

I.S.B.N. : 978-93-89181-83-8

Book Code : 777-06

Price : ₹ 250.00 Only

Published by : [illegible]
for KRISHNA [illegible]
[illegible]

Chief Editor : [illegible]
[illegible] : [illegible]
Printed at : [illegible]

Scanned with OKEN Scanner

Krishna's

TEXT BOOK

Solid State & Nuclear Physics

B.Sc. Third Year — Second Paper

(For B.Sc. III[rd] year students of All Colleges affiliated to Universities in Uttar Pradesh)

As per U.P. UNIFIED Syllabus

By

Manoj Kumar Tiwari

M.Sc. G.A.T.E., N.E.T., Ph.D.

Assistant Professor

Bhaskaracharya College of Applied Sciences,

University of Delhi,

New Delhi

Sameer Sinha

M.Sc., Ph.D.

Head & Associate Professor

Dept. of Physics

Ganpat Sahai P.G. College,

Sultanpur (U.P.)

S.P. Singh

M.Sc., Ph.D.

Associate Professor, Dept. of Physics

Kamla Nehru Institute of

Physical & Social Sciences,

Sultanpur (U.P.)

Sujit Kumar Verma

M.Sc., N.E.T., Ph.D.*

Head & Associate Professor

Dept. of Physics

S.M.M. Town P.G. College

Ballia (U.P.)

Ajay Kumar Srivastava

M.Sc., Ph.D.

[illegible]

[illegible]

KRISHNA Prakashan Media (P) Ltd.

KRISHNA HOUSE, 11, Shivaji Road, Meerut-250 001 (U.P.), India

Scanned with OKEN Scanner

Krishna's

TEXT BOOK

Solid State & Nuclear Physics

First Edition: 2014
Sixth Edition : 2020
Edition : 2021

[illegible]

Book Code : 785-06 (B)

M.R.P. : ₹ 250.00 Only

Published by : Satyendra Rastogi "Mitra"
for KRISHNA Prakashan Media (P) Ltd.
11, Shivaji Road, Meerut [illegible]

प्राकृतिक आपदा के विविध आयाम

डॉ0 उपेन्द्र कुमार सिंह

Publishers:

JAN KALYAN EVAM VIKAS SEVA SAMITI

Rampur Udaybhan (In front of Electric Office)

Ballia-277001 (U.P.), INDIA.

Contact : +91-9415254678

Email: *drupendrasingh@yahoo.in*

Copy Right:

JAN KALYAN EVAM VIKAS SEVA SAMITI

Rampur Udaybhan (In front of Electric Office)

Ballia-277001 (U.P.), INDIA.

ISBN : 978-81-932004-4-5

1st Edition- 2016

Revised Edition- 2019

Price : Rs. 675/-

Composed & Printed at:

Gyandayini Publishing House

Rampur Udaybhan (In front of Electric Office)

Ballia-277001 (U.P.) INDIA

अनुक्रमणिका

डॉ० वन्दना पाण्डेय:
आपदा जोखिम न्यूनीकरण प्रबन्धन 237–243

डॉ० समरेन्द्र बहादुर सिंह:
प्राकृतिक आपदा मूलभाव एवं विवेचना 244–251

डॉ० विनित नारायण दूबे:
प्राकृतिक आपदाऐं चुनौतियाँ तथा प्रबन्धन
(भारत के विशेष सन्दर्भ में एक दृश्यावलोकन) 252–260

कल्पना:
पर्यावरण एवं विकास का सामाजिक सन्दर्भ 261–267

डॉ० राघवेन्द्र प्रताप सिंह:
प्राचीन भारत में पर्यावरण संरक्षण : एक विवेचना 268–274

प्राकृतिक आपदाएँ, चुनौतियाँ तथा प्रबन्धन
(भारत के विशेष सन्दर्भ में एक दृश्यावलोकन)

*डॉ0 विनीत नारायण दूबे

आपदाएँ, चाहे प्राकृतिक हों या मानव–निर्मित, अनादिकाल से ही मानव के विकास का अंग बनकर रही हैं। ऐसा माना जाता है कि, मानव जाति के उद्भव से पहले पृथ्वी पर विचरण करने वाले प्राणियों; जैसे– डायनासौर, मैमथ (प्राचीन हाथी), साइबेरियन बाघ आदि के विनाश का कारण संभवतः धरती पर आयी कोई प्राकृतिक आपदा ही रही है। जलवायु परिवर्तन, निवास स्थानों का समाप्त होना, उल्कापिण्डों का गिरना भी इसी के उदाहरण माने जाते हैं। इतिहास विद् सिंधुघाटी सभ्यता के रहस्यमय लोप को भी किसी आपदा का ही परिणाम मानते हैं। भारत के वर्तमान भूकम्पीय मानचित्र विवरण के अनुसार देश के 59 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र मध्यम से गंभीर भूकम्पीय पेटी के अन्तर्गत है। देश के 32.9 करोड़ हेक्टेयर के कुल भौगोलिक क्षेत्र से 04 करोड़ हेक्टेयर से अधिक भाग में बाढ़ का खतरा रहता है। बाढ़ से प्रतिवर्ष औसतन 75 लाख हेक्टेयर भूमि प्रभावित होती है। आपदाएँ नयी बात नहीं है; जैसे– ज्वालामुखी, भूकम्प, बाढ़, सूखा, भूस्खलन, चक्रवात, हिमस्खलन, सुनामी, बज्रपात, रासायनिक आतंकवाद, नाभिकीय संकट, अग्नि, वर्षा का संकट, युद्ध आदि से हम कभी–न–कभी से हम सभी दुष्प्रभावित होते रहते हैं। इतनी सतर्कता एवं प्रबन्धन के बावजूद इन सभी आपदाओं के बाद भी हमारा अस्तित्व बचा है। मानव के अस्तित्व की यही चमत्कार है। वह अपने को परिस्थितियों के अनुकूल ढाल लेता है तथा कठिनाइयों पर विजय प्राप्त कर लेता है। आपदा प्रबन्धन को केवल मानवीय प्रयासों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है। सरकारी तथा गैर–सरकारी सभी संस्थाएँ मिलकर आपदाओं से निपटने के लिए पूर्व तैयारी, व्यवस्थाएँ तथा योजनायें आवश्यक है, तभी आपदाओं के आने के बाद सु–प्रबन्ध किया जा सकता है। आपदा के आगमन के बाद योजनाएँ बनाने पर धन–जन की काफी क्षति हो जाती है। शहरीकरण, बढ़ती जनसंख्या, पर्यावरणीय प्रदूषण, बाढ़ विभीषिका, सूखा, आग लगने, भूकम्प, बाढ़ आदि घटनाओं द्वारा विगत वर्षों में काफी नुकसान हुए हैं। विभिन्न भयानक दुर्घटनाओं में 1984 में घटित भोपाल गैस त्रासदी, 2013 में उत्तराखण्ड की घटनाएँ हुई, आपदाओं से

*एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, भूगोल विभाग श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया (उ0प्र0)

ISBN : 978-81-954010-8-6

New Dimensions & Pattern of Geography in New Education Policy 2021

Dr. Balwant Raj Bhadawar
(Editor)

NEW DIMENSIONS AND PATTERN OF GEOGRAPHY IN NEW EDUCATION POLICY-2021

EDITOR

Dr. Balwant Raj Bhadawar

M.A. (Geography) B.Ed., NET,
P.G.D.D.M. & Ph.D.
Senior Member (S.D. Jan Kalyan Siksha Samiti)
Agra, Uttar Pradesh, India

PUBLISHER

Social Research Foundation

128/170, H-Block, Kidwai Nagar, Kanpur-11
(M) 0512-2600745, 9335332333
Price- 500 INR

Title	:	**New Dimensions and Pattern of Geography in New Education Policy-2021**
Editor	:	Dr. Balwant Raj Bhadawar
Publisher	:	Social Research Foundation
Publisher Address	:	128/170, H-Block, Kidwai Nagar, Kanpur Uttar Pradesh, India
Printer's Detail	:	Social Research Foundation
Printer's Address	:	128/170, H-Block, Kidwai Nagar, Kanpur Uttar Pradesh, India
Edition	:	1st Edition, 2021
ISBN	:	978-81-954010-8-6
Cover Clips Source	:	Internet Copyright © Publisher/Editor

Contents

S. No.	Chapter	Page No.
1.	**Geographical Dimensions of Welfare Reform in Different Indian States** Sandeep Godara, Hisar, Haryana, India	1-10
2.	**शेखावाटी का भूगोल** सुमित मेहता, सीकर, राजस्थान, भारत	11-22
3.	**Climate Change In India** Dr. Neelam Joshi, Ajmer, Rajasthan	23-38
4.	**भारतीय कृषि तथा पर्यावरण के विशेष संदर्भ में हरित क्रान्ति का समय परिप्रेक्ष्य में बदलता स्वरूप: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन** डॉ0 विनीत नारायण दूबे, बलिया (उ0प्र0) भारत	39-65
5.	**बून्दी जिले में औषधीय फसलों की खेती व तत्सम्बन्धी उद्योग** डॉ. भारतेन्दु गौतम, बून्दी, राजस्थान, भारत	66-73
6.	**Cropping Pattern And Agricultural Productivity: A Case Study Of Banda District In Bundelkhand Region Of Uttar Pradesh** Dheeraj Kumar Singh & Dr. Priti Jaiswal, Jhansi, U.P., India	74-78
7.	**New dimensions and pattern of Geography in New Education Policy-2020 (A synthesis)** Sona Dixit & Rajat Mittal, Agra, U.P., India	79-93

New Dimensions and Pattern of Geography in New Education Policy-2021
ISBN: 978-81-954010-8-4

भारतीय कृषि तथा पर्यावरण के विशेष संदर्भ में हरित क्रान्ति का समय परिप्रेक्ष्य में बदलता स्वरूपः एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

डॉ0 विनीत नारायण दूबे
एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
भूगोल विभाग,
श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बलिया (उ0प्र0) भारत

सारांश

क्रान्ति' शब्द का सामान्य अर्थ किसी भी क्षेत्र विशेष में 'अभूतपूर्व' अथवा 'तीव्र गति से होने वाले' सकारात्मक परिवर्तनों से समझा जाता है। विश्व संदर्भ पर दृष्टिपात किया जाय तो प्रमुख क्रान्तियों में स्वतंत्रता आन्दोलन से सम्बन्धित क्रान्ति, (उपनिवेशवादियों के विरूद्ध) हरित क्रान्ति (खाद्य समस्या से मुक्ति के लिए उत्पादन से सम्बन्धित), नीली क्रान्ति (मत्स्य उत्पादन), श्वेत क्रान्ति (दुग्ध उत्पादन) तथा पीली क्रान्ति (तैलीय तथा दलहनी फसलों से सम्बन्धित) प्रमुख रही है। इन प्रमुख क्रान्तियों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण 'हरित क्रान्ति' प्रमुखतः विश्व की अत्यावश्यक आवश्यकताओं में प्रमुख भूखमरी तथा खाने की समस्या के समाधान से सम्बन्धित है। 'हरित क्रान्ति' शब्द में हरित शब्द, 'हरा रंग' कृषि फसलों की हरीतिमा से तथा 'क्रान्ति' शब्द इस दिशा में किये गये सकारात्मक परिवर्तनों से सम्बन्धित है।

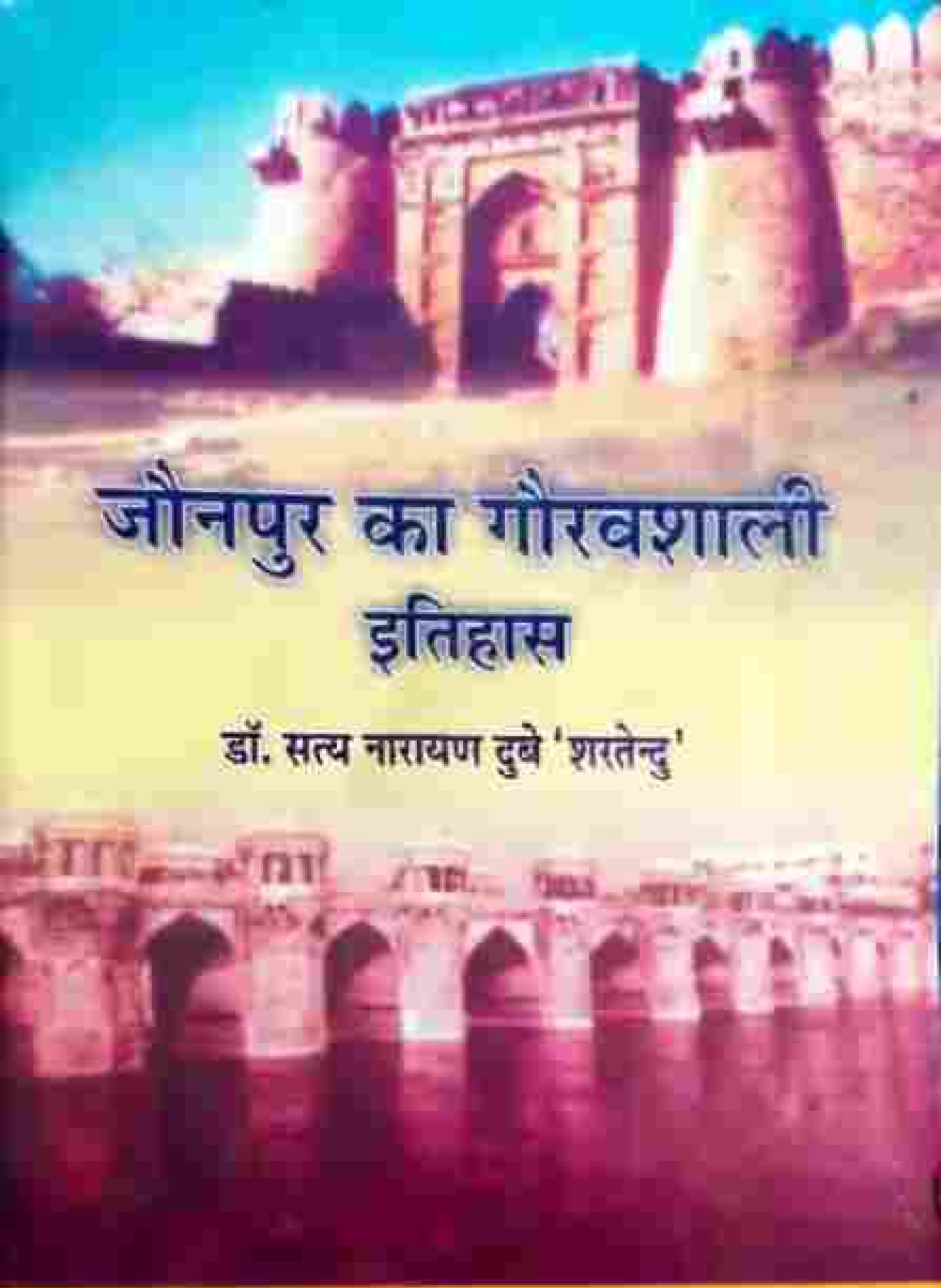

जौनपुर का गौरवशाली इतिहास

डॉ. सत्य नारायण दुबे 'शरतेन्दु'

शारदा पुस्तक भवन
इलाहाबाद

जौनपुर का गौरवशाली इतिहास

(जौनपुर के राजनीतिक, भौगोलिक, सामाजिक, साहित्यिक, शैक्षिक, पुरातात्विक तथा सांस्कृतिक गौरव की प्रामाणिक विवेचना)

लेखक

डॉ० सत्य नारायण दूबे 'शरतेन्दु'

एम.ए. (हिन्दी), एम.ए. (प्र. इति.) एम.एड् (इलाहाबाद)
पी-एच.डी. (लेखन में अनेक पुरस्कारों से अलंकृत)
पूर्व सीनियर शिक्षक-शिक्षा विभाग
कालेज ऑफ एजुकेशन विश्वविद्यालय

डॉ० विनीत नारायण दूबे

एम.ए. डी० फिल (भूगोल) एल-एल. बी.
एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, भूगोल विभाग
श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया

शारदा पुस्तक भवन
पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स
यूनिवर्सिटी एरिया, इलाहाबाद-211 002

प्रकाशक
शारदा पुस्तक भवन
[illegible]
[illegible] प्रयागराज 211002
Phone : 0532-2644643 WhatsApp : 9451786219
e-mail : spbald@gmail.com, spbald@yahoo.in
Visit : www.shardapustakbhawan.com

© लेखक

प्रथम संस्करण : 2017
षष्ठम संस्करण : 2023

मूल्य : ₹ 250.00

सर्वाधिकार – प्रकाशक के अधीन सुरक्षित।

लेजर टाइपसेटिंग :
ग्राफिक्स कम्प्यूटर्स, प्रयागराज।

मुद्रक :
विपिन इण्टरप्राइजेज, प्रयागराज।

ISBN 978-81-952961-1-8

पुस्तक में प्रस्तुत तथ्यों अथवा विवरण में रह गई किसी भी कमी अथवा त्रुटि के कारण क्षति अथवा संताप के लिए लेखक, प्रकाशक, मुद्रक अथवा विक्रेता का कोई दायित्व नहीं है। किसी भी विवाद के लिए न्यायिक क्षेत्र केवल इलाहाबाद होगा।

जौनपुर का गौरवशाली इतिहास

विषयानुक्रम

अध्याय (1) 1-17

जौनपुर का भौगोलिक परिदृश्य

इतिहास और भूगोल। जौनपुर का भूगोल। विस्तार और सीमाएं। जौनपुर की नदियाँ। जौनपुर जनपद की झीलें। जनसंख्या। प्रशासनिक संगठन। जनपद का तापमान। मासिक वर्षा का योग। कृषि – बहुशष्ट और सूखा। जौनपुर जनपद की खाद्य – सामग्री। वृक्ष – बाग। भूमि और सिंचाई के साधन – भूमि उपयोग प्रतिशत। जलवायु – भूचाल – जंगल। पशु – पक्षी और जानवर। वार्षिक वर्षा फ्रीक्वेंसी। आवागमन के साधन, सड़कें और वाहन। जौनपुर जनपद में सड़कों के विकास का इतिहास। डाक बंगले - रेस्ट हाउस। जौनपुर जनपद के रेलवे स्टेशन और मुख्यालय से उनकी दूरी। जौनपुर जनपद के मेले। जनपद के उद्योग धन्धे, पर्यटकों के जौनपुर के दर्शनीय स्थान।

अध्याय (2) 18-32

जौनपुर का सुदूर अतीत

जौनपुर का नामकरण। विश्वामित्र और यमदग्नि का विवरण। ऐतिहासिक परंपरा के अनुसार और पीछे सुदूर अतीत तक जौनपुर का इतिहास। हरिवंश पुराण का यवनेन्द्रपुर – इस आधार पर जौनपुर की प्राचीनता यहां के प्राचीन प्रशासक और उनके द्वारा किये गये निर्माण कार्य। पुरातात्विक साक्ष्यों के आधार पर जौनपुर की प्राचीनता।

अध्याय (3) 33-41

प्राचीन जौनपुर के मूल निवासी, जफराबाद या प्राचीन मनेछ

सोइरी – भर और राजभर। इनके निवास, आवास और प्रवास का विवरण। प्राचीन जफराबाद अथवा मनेछ।

अध्याय (4) 42-56

शर्कीराज्य जौनपुर

जौनपुर की पुनर्स्थापना। फिरोज तुगलक। फिरोजशाह का जौनपुर प्रेम। जौनपुर की सजावट। पूरब का व्यवस्थापक मलिक सरवर ख्वाजा। शर्की (पूर्वी) राजवंश की स्थापना। इब्राहीमशाह शर्की (लम्बी अवधि का शर्की शासक। मुहम्मदशाह। सैयद महमूद। हुसेनशाह। राजी बीबी एक विदुषी महिला। शर्कीराज का सूर्यास्त। लोदी वंश के हाथों में जौनपुर। विनाश की करुण कहानी।

अध्याय (5) 57-62

मुगलों के बाद अंग्रेजों के हाथ जौनपुर

इब्राहिम लोदी पर बाबर की विजय 1526 ई०। हुमायूँ और जौनपुर। जौनपुर अकबर के शासन में। कई बार अकबर का जौनपुर आगमन। सन् 1722 में जौनपुर अवध के नवाबों के हाथ। अकबर के बाद जौनपुर का पतन। जौनपुर

BIOFUELS

Technologies, Policies, and Opportunities

Edited by

Rena and Sunil Kumar

CRC Press

Biofuels

Offering a comprehensive overview of biofuels and bioenergy systems, *Biofuels: Technologies, Policies, and Opportunities* describes advances in technologies and global policies around biofuels as a renewable energy source. It discusses the basics of biofuel and bioenergy systems and current status and potential challenges in developed and developing countries. The book also highlights the questions that should be asked, available options, and processes (conventional and advanced) to enhance biofuel production.

- Details how technological interventions can influence the operation of an effective bioenergy system.
- Presents information regarding renewable energy directives and global policies related to energy chains, energy models, market status, and appropriateness of technology selection for different generations of biofuel generation.
- Covers socioeconomic aspects and techneconomic feasibility as well as a detailed life cycle simulations (LCS) approach, revealing the real constraints being faced in the biofuels sector.
- Helps bioenergy professionals in prepare a roadmap for day-to-day operations.
- Describes recent advances such as hydrothane, advanced oxidation process, and nanocatalyzed pretreatment for biofuel generation from wastewater.
- Addresses the most commonly discussed issues in the biofuel sector and the rationales underpinning them.

Written for professionals, academic researchers, decision makers, and policymakers in the biofuel sector, this book provides readers with a wide-ranging review of current research and developments in the respective field.

Taylor & Francis
Taylor & Francis Group
http://taylorandfrancis.com

Biofuels
Technologies, Policies, and Opportunities

Edited by
Rena and Sunil Kumar

CRC Press
Taylor & Francis Group
Boca Raton London New York

CRC Press is an imprint of the
Taylor & Francis Group, an informa business

First edition published 2023
by CRC Press
6000 Broken Sound Parkway NW, Suite 300, Boca Raton, FL 33487-2742

and by CRC Press
4 Park Square, Milton Park, Abingdon, Oxon, OX14 4RN

CRC Press is an imprint of Taylor & Francis Group, LLC

© 2023 selection and editorial matter, Renu and Sunil Kumar; individual chapters, the contributors.

Reasonable efforts have been made to publish reliable data and information, but the author and publisher cannot assume responsibility for the validity of all materials or the consequences of their use. The authors and publishers have attempted to trace the copyright holders of all material reproduced in this publication and apologize to copyright holders if permission to publish in this form has not been obtained. If any copyright material has not been acknowledged please write and let us know so we may rectify in any future reprint.

Except as permitted under U.S. Copyright Law, no part of this book may be reprinted, reproduced, transmitted, or utilized in any form by any electronic, mechanical, or other means, now known or hereafter invented, including photocopying, microfilming, and recording, or in any information storage or retrieval system, without written permission from the publishers.

For permission to photocopy or use material electronically from this work, access www.copyright.com or contact the Copyright Clearance Center, Inc. (CCC), 222 Rosewood Drive, Danvers, MA 01923, 978-750-8400. For works that are not available on CCC please contact mpkbookspermissions@tandf.co.uk

Trademark notice: Product or corporate names may be trademarks or registered trademarks, and are used only for identification and explanation without intent to infringe.

ISBN: 978-1-032-06482-7 (hbk)
ISBN: 978-1-032-06424-1 (pbk)
ISBN: 978-1-003-19773-7 (ebk)

DOI: 10.1201/9781003197737

Typeset in Times
by codeMantra

Contents

Editors ix
Contributors xi

PART I Global Outlook of Biofuels

Chapter 1 Transition of Biofuels from the First to the Fourth Generation: The Journey So Far 3

Gujjala Lohit Kumar Srinivas, Deval Singh, and Sunil Kumar

Chapter 2 Intervention in Biofuel Policy through Indian Perspective: An Effort toward Sustainable Development Goals 19

Rohit Jambhulkar and Nidhi Sharma

PART II Technological Advances, Challenges & Opportunities of Biofuels

Chapter 3 Conventional and the Recent Advances in Technologies for the Production of Different Generations of Biofuels 39

Anudeep Nema, Rajnikant Prasad, Ranjeet Kumar, Dayanand Sharma, Dipesh Kumar R. Sonaviya, Nityanand Singh Maurya, and Archana Kumari

Chapter 4 Paradigm Shift from Biofuel to Biorefinery: Prospects and Roadmap 65

Ramalingam Kayalvizhi, Ramachandran Devasena Umai, and Samuel Jacob

Chapter 5 Challenges and Opportunities Associated with Second-Generation Biofuel 91

Saurabh Singh, Gyanendra Kumar Chauhan, Akhilesh Kumar, and Jay Prakash Verma

Chapter 6 Advanced Oxidation-Based Pretreatment of Wastewater for Enhanced Biofuel Production 105

Kaustubh H. Pandit, Parth M. Khandagale, Advait T. Sawant, and Sameena N. Malik

Chapter 7 Nanocatalyzed Pretreatment of Wastewater for Biofuel Production 133

Shreyansh P. Deshmukh, Aman N. Patni, Ameya S. Mantri, and Sameena N. Malik

Chapter 8 Recent Status Potential Challenges and Future Perspectives of Biofuel Generated through Wastewater Treatment 157

Arpan Patra, Shruti Sharma, Krishna R. Nair, and Divya Gupta

PART III Micro Algae & Biofuel

Chapter 9 LCA of an Algal Biomass Plant: Microalgae to Bio-Oil through Hydrothermal Liquefaction 183

Sudipta Sarkar, S. Baranidharan, and Brajesh Kumar Dubey

Chapter 10 Constraints for Biofuel Production from Microalgae 211

C.K. Madhubalaji

PART IV Global Policies and Storage System for Biofuels

Chapter 11 Renewable Energy Directives and Global Policies for Different Generation of Biofuel 233

Dayanand Sharma, Aneesh Mathew, Dhanasekaran Kandasamy, Anudeep Nema, Rajnikant Prasad, Mritunjay, Loganath Radhakrishnan, and Pranav Prashant Dagwar

Chapter 12 Biofuels Storage and Transport Systems: Challenges and Role of Type IV Composite Overwrapped Vessels 261

Mukesh Kumar

PART V Anaerobic Biotechnology

Chapter 13 Anaerobic Biotechnology: A Useful Technique for Biofuel Production 283

Saurabh Singh, Amit Kumar Mishra, Jay Prakash Verma, Shashi Arya, and Vijay Nimkande

PART VI Advance Green Fuel

Chapter 14 Biohythane Production: Future of Biofuel 299

Ali Asger, Abhishek Mate, M. Shahbaz Khan, and Sameena N. Malik

Chapter 15 Waste-Derived Biohydrogen Enriched CNG/Biohythane: Research Trend and Utilities 333

Omprakash Sarkar, J. Santosh, S. Venkata Mohan, and Young-Cheol Chang

Chapter 16 Effect of Co-Digestion and Pretreatment on the Bio-Hythane Production 355

Palas Samanta, Srikanta Mahavidyalaya, Subhendu Dey, Debajyoti Kundu, and Apurba Ratan Ghosh

Index 387

Challenges and Opportunities Associated with Second-Generation Biofuel

ABSTRACT

कोविड-19 काल में भारत-चीन सम्बन्धों के परिवर्तित आयाम

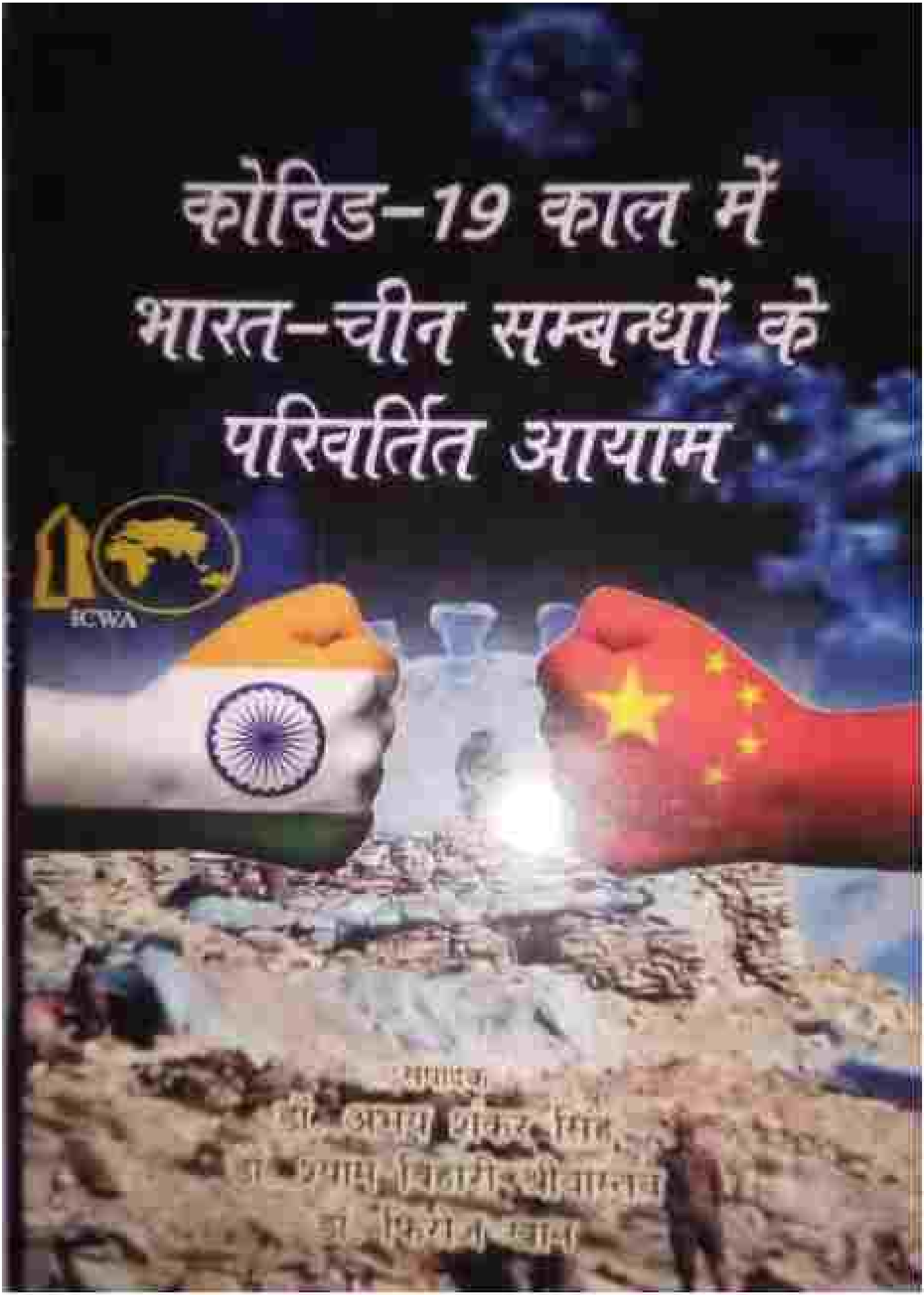

RADHA PUBLICATIONS

9. भारत-चीन सम्बन्धों के [illegible] आयाम
डॉ. [illegible] 85

10. कोरोना परिदृश्य में भारत-चीन सम्बन्ध
डॉ. [illegible] 92

11. दक्षिण चीन सागर में चीन की रणनीति
[illegible] 102

12. कोरोना त्रासदी के बाद अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के बदलते आयाम
डॉ. रमा भाटिया 107

13. चीन का सीमा युद्ध और भारत
विपिन कुमार 114

14. भारत और चीन के मध्य सीमा संघर्ष
डा. [illegible] 118

15. भारत-चीन रिश्तों के बदलते आयाम
डॉ. [illegible]

16. भारत-चीन का बदलते वैश्विक परिदृश्य में सम्बन्ध: एक समीक्षा 124
एस. के. श्रीवास्तव

17. गलवान घाटी विवाद : कोविड-19 काल में भारत-चीन सम्बन्धों का बदलता स्वरूप 130
[illegible]

18. [illegible] क्षेत्र में भारत-चीन सीमा विवाद एक चुनौती के रूप में 137
[illegible]

19. [illegible] सुरक्षा और कोरोना भारत-चीन सम्बन्ध 146
[illegible]

20. कोविड-19 का [illegible] और भारत-चीन सम्बन्ध 154
[illegible]

चीन का साइबर युद्ध और भारत

*विपिन कुमार

भारतीय युद्धकला और कौशल
(1947 तक)

Indian Art of War (upto 1947)

डॉ. अशोक कुमार सिंह
डॉ. संजय, डॉ. निखिल कुमार सिंह, डॉ. ए.के. पाण्डेय
डॉ. डी.पी.एस. भण्डारी, डॉ. फिरोज खान, डॉ. कुलदीप सिंह

विषय सूची

1. वैदिक तथा महाकाव्यकालीन सैन्य पद्धति. 1
2. यूनानी और भारतीय सैन्य संगठन और झेलम का संग्राम. 14
3. कौटिल्य का युद्ध दर्शन-सैन्य संगठन, युद्ध की कला और अन्तर्राज्यीय संबंध. 25
4. मौर्यकालीन सैन्य व्यवस्था. 36
5. गुप्तकालीन सैन्य पद्धति, रथ सेना की अवनति तथा अश्वारोही एवं गज सेना का विकास. 49
6. राजपूत सैन्य पद्धति, तुर्क युद्धकला (सोमनाथ और तराइन के विशेष संदर्भ में). 62
7. मुगल सैन्य पद्धति (पानीपत और खानवा के विशेष संदर्भ में) तथा अकबर महान की सैन्य पद्धति. 77
8. मराठा सैन्य व्यवस्था, शिवाजी की छापामार युद्धकला तथा पानीपत का तीसरा संग्राम. 99
9. दल खालसा, महाराजा रणजीत सिंह के अधीन सैन्य पद्धति तथा सोबराव का युद्ध. 111
10. ईस्ट इण्डिया कम्पनी का सैन्य तन्त्र. 126
11. 1857 ई० का स्वाधीनता संग्राम. 133
12. ब्रिटिश शासन के अन्तर्गत सशस्त्र सेनाओं का विकास और लार्ड किचनर के सैन्य सुधार. 140
13. प्रेसीडेन्सी सेनाएँ और सशस्त्र सेनाओं का भारतीयकरण. 148

संक्षिप्त ग्रन्थ सूची. 156

सैन्य मनोविज्ञान का विश्लेषणात्मक परिदृश्य

डॉ० अजय कुमार पाण्डेय
डॉ० अशोक कुमार गुप्त

◆ प्रकाशक :

वैभव लक्ष्मी प्रकाशन

मीरा भवन, बी-21-122-बी, बैजनत्था, कमच्छा, वाराणसी

फोन: आफिस: 0542-2331114

निवास: 7905732947

e-mail : vipvns2004@gmail.com

◆ © लेखकगण

◆ प्रथम संस्करण 2022ई.

◆ मूल्य: दो सौ रुपये मात्र

◆ टाइप सेटिंग:
वाइ एन कम्पयूटर मच्छोदरी वाराणसी

◆ मुद्रक:
आस्था प्रेस वाराणसी

अनुक्रमणिका

खण्ड-क (Section-A)

1. सैन्य मनोविज्ञान : अर्थ, परिभाषा, महत्व, प्रभाव, प्रकृति

- संवेगात्मक विकास
- व्यैक्तिक चयन एवं रक्षा सेवाओं का वर्गीकरण : बुद्धिलब्धि परीक्षण व व्यैक्तिक परीक्षण के तत्व, अनुसूचना
- सैन्य प्रशिक्षण : समूह एवं व्यक्ति प्रशिक्षण अथवा अधिगम, अधिगम हेतु स्थानान्तरण
- भूत पूर्व सैनिको के पुनर्समायोजन के तरीके
- व्यक्तित्व : अर्थ, परिभाषा, महत्व, प्रकार, परीक्षण व समायोजन

खण्ड-ख (Section-B)

2. सैन्य जीवन मे समूह गत्यात्मकता

- समूह : बनावट, प्रकार एवं क्रियाशीलता, संरचना के सामाजिक नियम, समूह समस्याओं के समाधान
- नेतृत्व : प्रकृति, नेता की क्रियाशीलता, नेता की आपात आवश्यकता, नेतृत्व के प्रकार, नेतृत्व प्रशिक्षण
- मनोबल : प्रकृति, मनोबल की संरचनाएं एवं तकनीकी एवं इसका रणक्षेत्र में प्रयोग, पतन के कारण
- अभिवृत्ति : अभिवृत्ति संगठन, सैन्य जीवन में प्रभाव व अभिवृत्ति संरचनाएं, अभिवृत्ति संस्तर या परिवर्तन, अभिवृत्ति परिवर्तन के सिद्धान्त

खण्ड- ग (Section-C)

3. मनोवैज्ञानिक युद्धकर्म

- प्रकृति, सैन्य प्रचार के प्रकार, तकनीकी व संगठन
- वाचा : राजनयिक तकनीकी के सिद्धान्त, बनावट :- बुद्धि प्रक्षालन एवं विचारारोपण प्रभाव व तरीके
- मनोवैज्ञानिक अफवाह : प्रकृति तकनीकी एवं इसका गुण व दोष, युद्ध एवं समाज पर पड़ने वाला इसका प्रभाव।

खण्ड- घ (Section-D)

4. भय व आघात; परिभाषा, लक्षण, प्रेरणात्मक तत्व, नियंत्रण

- वस्तुनिष्ठ प्रश्न
- विश्वविद्यालयीन परीक्षाओं में सैन्य मनोवैज्ञानिक से संदर्भित प्रश्नपत्र का स्वरूप

वर्तमान समस्याएँ और लोक की भूमिका

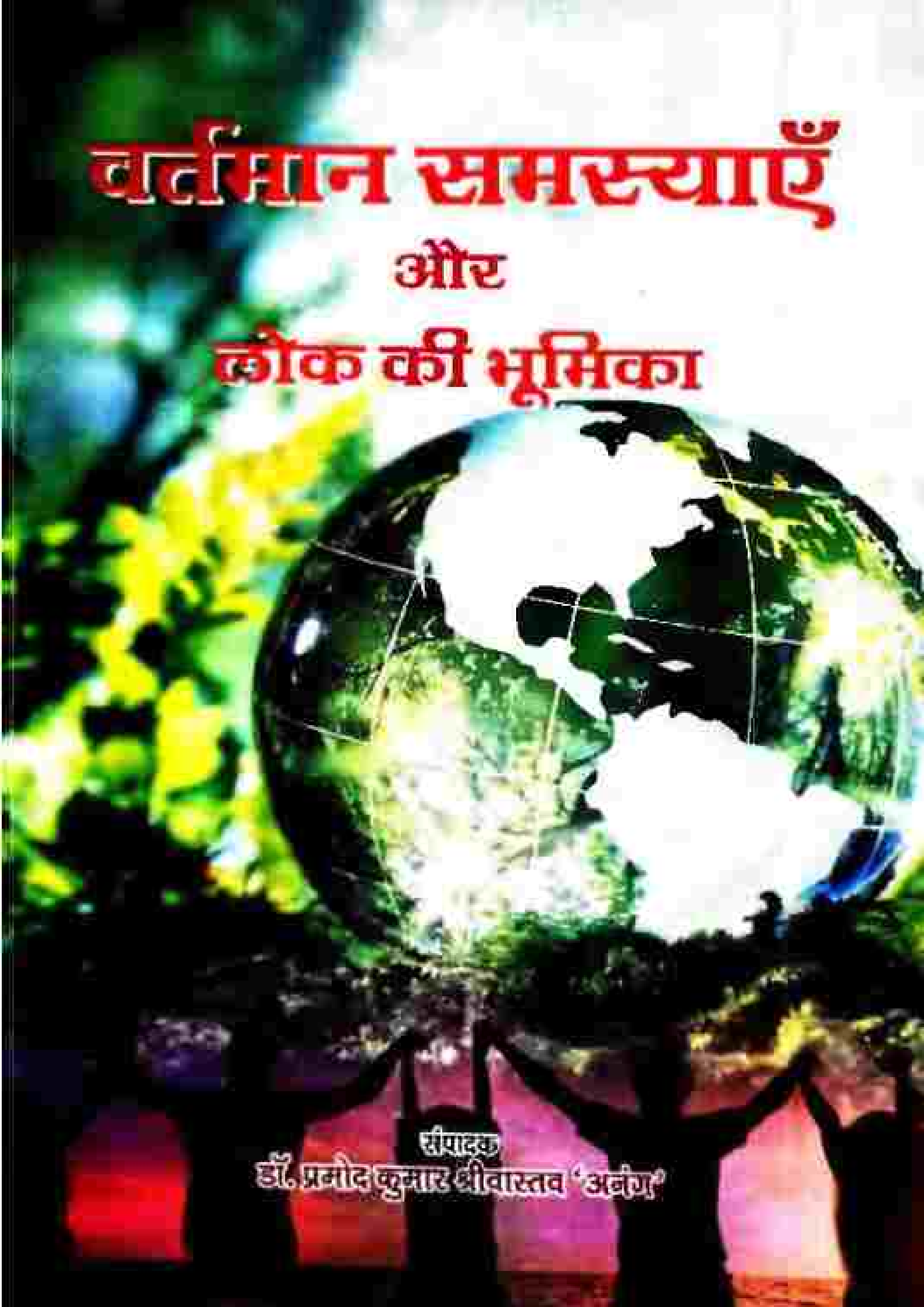

सम्पादक
डॉ. प्रमोद कुमार श्रीवास्तव 'अनंग'

प्रकाशक
बोद्धार पब्लिकेशन
तारानगर कालोनी, छित्तूपुर, बी.एच.यू.
वाराणसी 221005

ISBN 978-81-938416-2-4

© संपादक

प्रथम संस्करण : 2018
वॉल्यूम- प्रथम

मूल्य : 575/-

भारत में प्रकाशित

14.	सांस्कृतिक समन्वय की विराट चेष्टा : भक्तिकालीन काव्य (भारतीय संस्कृति के सूत्र और भक्तिकालीन काव्य के सन्दर्भ में) डॉ. शशिकला जायसवाल	65-68
15.	भारतीय संस्कृति का गौरवशाली अतीत, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद : वसुधैव कुटुम्बकम के संदर्भ में डॉ. पूनम चन्द गौड़	69-76
16.	'लोक' के सन्दर्भ में लोकतंत्र : एक वृहत्तर जीवन प्रणाली डॉ. कृष्णानन्द चतुर्वेदी	77-84
17.	आदिवासी साहित्य में आदिवासी समाज डॉ. अनिल कुमार सिंह	85-87
18.	जनपद मऊ में औद्योगिक विकास एवं औद्योगिक विकास का स्तर डॉ. सुधीर कुमार	88-92
19.	आदिवासी साहित्य के रूप में नया विद्रोह डॉ. अजय कुमार पाण्डेय	93-95
20.	लोक की वर्तमान अवनति एवं स्वामी विवेकानन्द डॉ. शरद कुमार	96-99
21.	आदिवासी साहित्य में आदिवासी समाज डॉ. अनिल कुमार सिंह	100-102
22.	कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न– एक सामाजिक समस्या जितेन्द्र कुमार वर्मा	103-106
23.	राजनीतिक सहभागिता में महिला प्रतिनिधियों की भूमिका (भीमताल विकासखण्ड के विशेष सन्दर्भ में) गोपाल सिंह गौनिया	107-114
24.	योग का शिक्षक जीवन पर प्रभाव रामधारी राम	115-120
25.	अनुच्छेद 356 की संवैधानिक यात्रा एवं उसका अनुप्रयोग डॉ. नरनारायण राय	121-124
26.	भारतीय समाज का बदलता परिवेश और हिन्दी कविता डॉ. श्वेता अग्रवाल	125-133
27.	लोक साहित्य में स्त्री सामाजिकता और सांस्कृतिकता श्री मती डॉ. बिन्धू कुमारी	134-136

आदिवासी साहित्य के रूप में नया विद्रोह

डॉ. अजय कुमार पाण्डेय
एसोसिएट प्रोफेसर, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय बलिया (उ0प्र0)

आदिवासी शब्द की उत्पत्ति बहुत पहले हुई है जिसे आदि का अर्थ है मूल एवं निवासी का अर्थ निवास करने वाला अर्थात किसी देश या स्थान विशेष पर निवास करने वाले प्राचीन एवं मूल निवासी को आदिवासी कहा जाता है। ऐसे समाज को न ही किसी देश या स्थान विशेष के मूल हकदार होने से नकारा नहीं जा सकता। आदिवासी को वेद–पुराणों में अविकल कहा गया है। जिससे यह स्पष्ट दृष्टीगोचर होता है कि इस समाज का अपना धर्म, संस्कृति एवं परम्पराएँ समृद्ध रही है। आदिवासी साहित्य में इनके इसी विशेषता एवं प्रकृति की पूजा करने के कारण इन्हे भारत के पहले निवासी होने का गौरव प्राप्त है। आज तक किसी ने भी आदिवासीयो तथा उनके सामाजिक प्रश्नों का समाधान भी नहीं किया। यह लोग चिल्लाते रहे किन्तु समाज के किसी भी नेता के कानों तक उनकी आवाज नहीं पहुंची। आदिवासी साहित्य उन लोगों का चित्रण है जो जंगलों में निवास करते है। यह उन गिरि कन्दराओं में रहने वाले अन्याय ग्रस्तों का क्रांति साहित्य है। अत्याचारी तथा कठोर समाज व्यवस्था ने सैकड़ों पीढ़ियों से हमेशा ही यहाँ के आदिवासियों का जीवन भर शोषण किया है। यह आदिवासी साहित्य उसी आदिम जीवन जीने वाले व्यक्तियों का साहित्य है। 'जनजातियों का वह जीवन जिस संस्कृति की गोद में छुपा रहा, उसी संस्कृति के प्राचीन इतिहास की शुरुआत करने वाला है यह साहित्य। आदिवासी साहित्य उस भूमि से प्रसूत आदिम–वेदना तथा अनुभव का शब्द रूप है।' आदिवासी साहित्य के रूप में नया विद्रोह दिन–ब–दिन आकार ले रहा है। आदिम भारत के नवनिर्माण का स्वप्नबीज आदिवासी–साहित्य के बहाने अंकुरित हो रहा है। 'पहाड़ों की गोद में और कटीली झाड़ियों में बस्ती–बस्ती में जिनके जीवन का हर क्षण शृंखलाबद्ध हुआ है वह ऐसे जंगल वासियों की मुक्ति की आशा दिलाने वाला है यह साहित्य।' इस तरह से आदिवासी साहित्य जीवनवादी साहित्य है।

विश्व के किसी भी भाषा के साहित्य सृजन की मूल प्रेरणा उस समूह की पीड़ा ही होती है। जैसे स्त्रीवादी साहित्य सृजन की प्रेरणा नारी–पीड़ा है, दलित साहित्य सृजन की प्रेरणा दलितों की हजारों सालों की विडंबना एवं प्रताड़ना है। बिलकुल वही स्थिति है आदिवासी कथात्मक साहित्य सृजन की नारी को, दलितों को तथा आदिवासियों को स्वातंत्र्योत्तर काल में ही अधिकांश मात्रा में यह अहसास हुआ कि हमारा हजारों सालों से शोषण हो रहा है। प्रताड़ना, उपेक्षा तथा शोषण के खिलाफ साहित्यिक अभिव्यक्ति के लिए ये सभी प्रेरणाएं है। ऐसा साहित्य ही प्रामाणिक साहित्य माना जाता है। ऐसा साहित्य ही साधारण विवरण को प्राप्त होता है। हिंदी में आदिवासियों का जीवन केंद्रित साहित्य रचा जा रहा है। विशेषता मध्यप्रदेश, राजस्थान तथा छत्तीसगढ़ जैसे आदिवासी बहुल प्रांतों में हिंदी में ही साहित्य लिखा जा रहा है और हिंदीतर भाषा प्रांतों में लिखा गया साहित्य हिंदी में अनुवादित हो रहा है। 'यह कार्य 'रमणिका गुप्ता जी का 'रमणिका फाउंडेशन' द्वारा सन 1987 से ही हो रहा है।' आदिवासियों की अस्मिता और उनका मूलनिवासी अस्तित्व ही आदिवासी कथात्मक साहित्य सृजन की प्रेरणा है।

भारतीय आजादी के लगभग सत्तर वर्षों में हम देख सकते है कि आदिवासी समुदाय विकास की प्रक्रिया से दूर है वह आज भी अपनी पुरानी जनजातीय जिंदगी में सिमटा हुआ है। मुख्यधारा के (मनुष्यों) समाज से वह अलग–थलग है। वैसे वह मुख्यधारा तथा सभ्य समझे जाने वाले समाज के दुर्गुणों से भी दूर है और काफी मात्रा में अनभिज्ञ भी। जनजातियों का अनादि काल से व नहीं निवास स्थान रहा है। महात्मा गांधी ने जनजातियों को आदिवासी कहा है। आदिवासी मुख्य रूप से 25 राज्यों एवं 04 केंद्रशासित प्रदेशों में रहते है। उन आदिवासियों के लिए दाता, माता एवं रक्षक है, जहाँ से

भारत की अपरम्परागत सुरक्षा

चुनौतियाँ और विकल्प

प्रो. सतीश चन्द्र पाण्डेय
प्रो. श्रीनिवास मणि त्रिपाठी
प्रो. प्रदीप कुमार यादव

Published by :
NEEL KAMAL PRAKASHAN
1/11052-A, Subash Park, Shahdara, Delhi-110032
BareillyAdd:
856, Katra Chand Khan, Old City, Bareilly
email : info@neelkamalprakashan.net
Mob: 9411006565

© *All rights reserve to Department of Defence & Strategic Studies*

ISBN : 81-88962-77-5

First Edition : **2013**

Laser TypesettingAt :
NEEL KAMAL PRAKASHAN, Delhi

15. पौराणिक साहित्य में पर्यावरण–विज्ञान एवं मानवीय स्वास्थ्य सुरक्षा 88–92
डॉ. पर्वतेश्वर पाण्डेय

16. मादक पदार्थों की तस्करी में महिलाओं की भूमिका 93–97
डॉ. कुसमलता

17. क्या हम सुरक्षित हैं ? 98–99
डॉ० अनीष सत्यदेव

18. भारत में नारको आतंकवाद की चुनौती 100–104
डा. अतुल चन्द

19. परमाणु ऊर्जा से जुड़ी सुरक्षा चुनौतियाँ 105–109
डॉ० अजय कुमार पाण्डेय

20. नागरिकीय सुरक्षा की चुनौतियाँ 110–114
प्रो० प्रदीप कुमार यादव, पवन कुमार यादव

21. भारत–नेपाल सीमा पर मानव तस्करी 115–120
डॉ० अमित कुमार मिश्र

22. भारत में आपदाओं की बढ़ती विभीषिका और उनका प्रबन्धन 121–127
डॉ० राजेश कुमार सिंह, डॉ० कृष्ण कान्त मिश्र

23. सीमा पार आतंकवाद और भारत की आंतरिक सुरक्षा चुनौतियाँ: एक अवलोकन 128–132
डॉ० अम्बिका प्रसाद, प्रो० विनोद कुमार सिंह

24. नेपाल में माओवादी हिंसा एवं भारतीय सुरक्षा 133–135
डॉ० विवेक विक्रम सिंह

25. मानवाधिकार के सार्वभौमिक घोषणापत्र के विशेष सन्दर्भ में मानव सुरक्षा 136–140
अजय कुमार मिश्र

26. परमाणु प्रौद्योगिकी का अवैध प्रसार 141–144
अंशुमान सिंह

27. सीमा पार आतंकवाद: एक अन्तर्राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती 145–147
डा० शबीना आजमी

28. जलवायु परिवर्तन और भारत 148–151
डॉ० अनूप कुमार श्रीवास्तव

29. ऊर्जा–सुरक्षा और भारत 152–159
डॉ० राम तिवारी

30. पर्यावरण सुरक्षा कानून एवं सतत् विकास 160–165
सतीश कुमार राय, डॉ० विभा राय

31. जलवायु परिवर्तन: प्रमुख चुनौतियाँ

परमाणु ऊर्जा से जुड़ी सुरक्षा चुनौतियाँ

डॉ0 अजय कुमार पाण्डेय

भारत–अमेरिका (2008) और भारत–आस्ट्रेलिया (2014) परमाणु समझौते से राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता को खतरा होगा और कि परमाणु ऊर्जा का रास्ता हमें पर्यावरणीय विनाश की ओर ले जाएगा। यही कारण और अमेरिका कांग्रेस ने भारत के साथ प्रस्तावित परमाणु व्यापार की स्वीकृति प्रदान करने हेतु अमरीकी कानूनों में परिवर्तन हेतु कई वर्ष तक विचार–विमर्श किया था। इस अनुबंध में परमाणु ईंधन व तकनीक का हस्तांतरण बिना पूरी सुरक्षा के उपलब्ध करवाने का प्रावधान किया गया है। इस बात में कोई शक नहीं है कि इस समझौते से कारपोरेट जगत को परमाणु ईंधन व तकनीक के दोहन, निर्यात और दुरुपयोग का मौका मिलेगा। हथियारों की दौड़ में भी इसका दुरुपयोग रोकना अत्यंत कठिन हो जाएगा।

हालांकि इस समझौते के संबंध में हमारा मूलभूत विरोध इसके परमाणु हथियारों एवं परमाणु ऊर्जा दोनों तरह के उपयोगों को लेकर है। इससे उत्पन्न रेडियो विकिरण के माध्यम से स्वास्थ्य, जल और पर्यावरण पर पड़ने वाले अपूरणीय क्षति को बहुत ही हल्के ढंग से और बहुत ही गैर जिम्मेदाराना तौर पर नकार दिया गया है। परमाणु उत्पादन की पूरी प्रक्रिया जो कि यूरेनियम खान से प्रारम्भ होती है वे प्रलयंकारी खतरे हैं और एक स्वतंत्र राष्ट्र के नाते हम किसी अन्य राष्ट्र द्वारा न्यायोचित ठहरा देने को अपना तर्क नहीं मान सकते। अपने ही देश में झारखंड में जादूगुड़ा व राजस्थान में कोटा और पोखरण में सामान्य नागरिकों पर परमाणु प्रयोग के दुष्परिणामों को हम स्पष्ट रूप से देख सकते हैं।

जनसंख्या–विस्फोट, शहरीकरण में वृद्धि एवं विज्ञान तथा तकनीकी का अप्रत्याशित प्रसार ही मौलिक कारण है जिनकी वजह से पर्यावरण का क्षय या ह्रास हो रहा है। विकसित देश जिस आर्थिक विकास का लाभ आज उठा रहे हैं वह भूतकाल में मानवीय पर्यावरण के संरक्षण को ध्यान में रखे बिना प्राप्त किया गया था। विश्व के अधिकांश भागों में पर्यावरण की समस्याएँ अब भी गरीबी से सम्बन्धित हैं। वे समस्याएँ ऐसे विकास के द्वारा ही हल की जा सकती हैं जिनमें पर्यावरण का बुद्धिमानी से ध्यान रखा जाये। इसके लिए बहुत बड़े स्तर पर अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता है। सबसे बड़ी चुनौती यह है कि विकास इस प्रकार किया जाये कि मौलिक आवश्यकताओं (जिनका आरम्भ गरीबी दूर करने से हो) की पूर्ति हो तथा पर्यावरण का ह्रास भी न हो। पर्यावरण के मामले में विश्व में एकरूपता नहीं है। राष्ट्र की स्थिति पर्यावरण के मामले में भिन्न–भिन्न है, अतः कोई एक हल सभी स्थानों के लिए उपयुक्त नहीं होगा।

यह कहना अनुचित होगा कि अन्तर्राष्ट्रीय विधि के सामान्य सिद्धान्तों तथा नियमों की दूषण तथा पर्यावरण–ह्रास की समस्याओं के लिए कोई उपयोगिता नहीं है। उदाहरण के लिए अन्तर्राष्ट्रीय विधि के अन्तर्गत किसी राज्य के कार्य–कलापों की एक सीमा यह है कि उससे अन्य राज्यों के क्षेत्र पर कोई क्षति नहीं पहुँचनी चाहिये। इसी प्रकार यह भी नियम है कि किसी राज्य को अपने क्षेत्र के ऐसे उपयोग की अनुमति नहीं देनी चाहिये जिससे अन्य राज्यों के हितों को नुकसान पहुँचे। इन सिद्धान्तों से यह स्पष्ट होता है कि अन्तर्राष्ट्रीय विधि के अन्तर्गत प्रत्येक राज्य का यह कर्तव्य है कि वह अपने राज्य–क्षेत्र में ऐसा कोई कार्य न करे जिससे उस क्षेत्र के बाहर पर्यावरण–सम्बन्धी क्षति पहुँचे।'

यहाँ पर ट्रेल स्मेल्टर आर्बीट्रल अवार्ड का उल्लेख वांछनीय होगा। यह वाद कनाडा के ट्रेल स्मेल्टर क्षेत्र से सल्फर डाईऑक्साइड धुँए से अमेरिका के वाशिंगटन राज्य को क्षति पहुँचने से सम्बन्धित था। न्यायाधिकरण ने निर्णय दिया कि ट्रेल स्मेल्टर के आचरण के लिए अन्तर्राष्ट्रीय विधि में कनाडा जिम्मेदार था। न्यायाधिकरण ने निर्णय में यह भी कहा कि दो राज्यों के मध्य संधि दायित्वों के अतिरिक्त कनाडा का यह दायित्व था कि वह यह देखे कि उसका आचरण अन्तर्राष्ट्रीय विधि के दायित्वों के अनुरूप हो। इस वाद से यह सिद्ध हो जाता है कि अपने क्षेत्र के परे प्रदूषण करने के लिए राज्य अन्तर्राष्ट्रीय विधि के अन्तर्गत दायित्वाधीन है। बाद में यह नियम मानवीय पर्यावरण के 1972 स्टाक होम घोषणा में अंगीकार कर लिया गया।

कोविड-19 काल में भारत-चीन सम्बन्धों के परिवर्तित आयाम

सम्पादक
डॉ. अभय शंकर सिंह
डॉ. श्याम बिहारी श्रीवास्तव
डॉ. फिरोज खान

© सम्पादक

पहला संस्करण : 2021

ISBN : 978-93-91014-42-1

राधा पब्लिकेशन्स
4231/1, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली-110002
फोन: 8750551515, 8595352540

श्री नितिन गर्ग द्वारा राधा पब्लिकेशन्स के लिए प्रकाशित तथा
एशियन ऑफसेट प्रिंटर्स, मौजपुर, शाहदरा, दिल्ली में मुद्रित।

Covid-19 Kaal Main Bharat-Chin Sambandhon Ke Parivartit Aayam By Ed. Dr. Abhay Shankar Singh/ Dr. Shyam Bihari Shrivastava/Dr. Firoz Khan

अनुक्रम

	प्राक्कथन	v
1.	हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन का बढ़ता प्रभावः भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा *प्रोफेसर हरी शरण*	1
2.	भारत-चीन सम्बन्धों का एक विश्लेषणात्मक अवलोकन *डॉ. अभय शंकर सिंह*	11
3.	भारतीय उपमहाद्वीप में चीन की आर्थिक एवं सामरिक नीति *डॉ. फिरोज खान*	19
4.	कोविड-19 काल में भारत और चीन के मध्य व्यापारिक सम्बन्ध और चुनौतियाँ *डॉ. श्याम बिहारी श्रीवास्तव*	24
5.	हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में वैश्विक प्रतिस्पर्धा एवं भारतीय प्रतिरक्षा *डॉ. अशोक कुमार सिंह*	31
6.	हिन्द महासागर में चीनी घेरेबन्दी एवं भारत की समुद्री सुरक्षा *योगेन्द्र*	43
7.	कोविड-19 के बाद विश्व व्यवस्था और भारत *डॉ. राम प्रसाद यादव*	50
8.	कोविड काल में भारत-चीन सीमा विवादः चुनौतियाँ एवं विकल्प *डॉ. अजय कुमार पाण्डेय*	58

कोविड काल में भारत-चीन सीमा विवादः
चुनौतियाँ एवं विकल्प

*डॉ. अजय कुमार पाण्डेय

कोविड काल में भारत-चीन सीमा विवाद पर चर्चा करने से पूर्व महत्वपूर्ण है कि सीमा की परिभाषा दें। सीमा-रेखा अंकित की हुई एक रेखा होती है, जो कि राजनैतिक अड़चनों को ध्यान में रखते हुए तय की जाती है। कई बार सीमा रेखा को जमीन पर अंकित नहीं किया जाता है। इसका कारण कठिन परिस्थितियों वाली भूमि व आपसी विवाद होता है। इन परिस्थितियों में जो क्षेत्र, जिसके कब्जे में काफी समय से है वह क्षेत्र उसी का मान लिया जाता है। इस प्रकार की गैर-अंकित सीमा रेखा के कारण पड़ोसी देशों में विवाद खड़े हो जाते हैं। सीमा रेखा से दोनों ही पड़ोसी देशों के सामाजिक व राजनैतिक विषयों में उनके खास हित जुड़े होते हैं।[1] सच्चाई यह है कि सीमा रेखा सिर्फ एक रेखा ही नहीं है, बल्कि वह काल्पनिक दीवार है, जो कि वायुमण्डल, भूमि, पाताल व आकाश को दो हिस्सों में बांटती है। सीमा रेखायें एक क्षेत्र व उस प्रदेश के निवासियों को एक सीमा में बांध देती हैं, तथा दूसरे स्वतन्त्र देश को अलग कर देती है। जब कि सीमान्त वह क्षेत्र है, जो सीमा रेखा के साथ-साथ अलग-अलग गहराई तक जाता है। सीमा क्षेत्र का मतलब वह क्षेत्र जो सीमा रेखा से अन्दर की ओर जाता है।[2]

भारत-चीन के मध्य मैकमोहन रेखा को पूर्वी खण्ड में मानचित्रों के ऊपर दर्शाया गया है तथा 1914 से सम्बंधित पक्षों, तिब्बती व अंग्रेजी सरकार ने इसे मान्यता दे रखी है। इस सीमा रेखा सन्धि पर जुलाई, 1914 को शिमला में तिब्बती व ब्रिटिश सरकार ने हस्ताक्षर किये थे, लेकिन चीन के राजदूत इवानचांग ने

*असिस्टेन्ट प्रोफेसर, रक्षा एवं स्वातजिक अध्ययन विभाग, श्री मुरली मनोहर टाउन पी. जी. कालेज, बलिया (उ.प्र.)।

युद्धकला का समसामयिक परिदृश्य

B.A./B.Sc. Part–I
(Semester–I)

डॉ. अजय कुमार पाण्डेय
डॉ. अशोक कुमार गुप्त
डॉ. श्रीराम सिंह

● प्रकाशक :

सिंघल प्रकाशन

सी.के. 59/50-सुहिया, वाराणसी-221001

फोन : ऑफिस : 0542-233114

मो. : 91-9336916250

e-mail : pksinghalvns@gmail.com

No part of this book can be reproduced in any form or by any means without the prior permission of the publisher.

The publisher has taken all possible precautions in publishing this book, yet if any mistake has crept in, the publisher & writer shall not be responsible for the same. All the disputes shall be subject to the court of Varanasi jurisdiction.

● © सम्पादक

● ISBN-978-81-931123-4-2

● संशोधित संस्करण : 2022 ई.

● मूल्य : दो सौ साठ रुपये मात्र

₹ 260.00

● टाइप सेटिंग :

श्री पीताम्बरा कम्प्यूटर

मो.-9151213391, गुरुबाग, वाराणसी

● मुद्रक : आस्था प्रेस

वाराणसी

विषय प्रवेश

	प्रस्तावना–	11–12
1.	सैन्य विज्ञान का अर्थ, परिभाषा, महत्व एवं इसका अन्य विषय से संबन्ध।	13–17
2.	युद्ध एवं युद्धकला	18–27
3.	आधुनिक युद्धकर्म	28–33
4.	गुरिल्ला युद्धकर्म	34–43
5.	मनोवैज्ञानिक युद्धकर्म	44–52
6.	आर्थिक युद्धकर्म	53–57
7.	नाभकीय युद्धकर्म	58–61
8.	रासायनिक एवं जैवाणकीय युद्धकर्म	62–66
	सदर्भ ग्रन्थ	67
	लेखक की अभिव्यक्ति	88

❑❑❑

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020
के अनुरूप स्नातक पाठ्यक्रमानुसार

भारतीय सैन्य इतिहास

का विश्लेषणात्मक परिदृश्य

लेखक

डॉ० अजय कुमार पाण्डेय

सह-आचार्य
रक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभाग
श्री मु०म० राजन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया (उ०प्र०)

डॉ० श्रीराम सिंह

प्राचार्य
लाई कृष्णा स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बृजमनगंज-महराजगंज (उ०प्र०)

डॉ० अशोक कुमार गुप्त

एच०बी० महाविद्यालय
लालपुर
महराजगंज (उ०प्र०)

➤ प्रकाशक :

आकार प्रकाशन
सूर्य विहार कालोनी
गोरखनाथ, गोरखपुर-273 015
मो० : 9793003341
ईमेल : aakarprakashan@yahoo.com

© लेखकगण

➤ ISBN : 978-81-958645-0-8

➤ प्रथम संस्करण : 2022

➤ मूल्य : 200.00

➤ मुद्रक :
परफेक्ट सल्यूशन
बक्शीपुर, गोरखपुर-273001

अनुक्रमणिका

पार्ट–I

पेज सं0

1. (अ) वैदिक एवं महाकाव्य कालीन सैन्य पद्धति 01–17

   (ब) मेसोडोनिया की युद्धकला, झेलम युद्ध (326 ई0पू0) के विशेष संदर्भ में 17–33

2. कौटिल्य का युद्ध दर्शन 34–67

3. (अ) राजपूत सैन्य पद्धति : तराइन के द्वितीय संग्राम (1192 ई0) के विशेष संदर्भ में 68–78

   (ब) सल्तनतकालीन सैन्य संगठन : अलाउद्दीन खिल्जी के सैन्य सुधार 78–83

4. (अ) मुगल कालीन सैन्य पद्धति : पानीपत के प्रथम संग्राम (1526 ई0) के विशेष संदर्भ में 84–89

   (ब) राजपूत सैन्य संगठन, शस्त्रास्त्र पद्धति एवं युद्धकला : खानवा का संग्रान, (1527 ई0) के विशेष संदर्भ में 89–93

GROWTH RATE IN INDIAN AGRICULTURE SECTOR

DR. AJIT KUMAR SINGH

Growth Rate in Indian Agricnltnre Sector

Dr. Ajit Kumar Singh
Assistant Professor
Department of Agricultural Economics.
S.M.M. Town Post Graduate College.
Ballia-277001 (U.P.)

Signature Books International
DELHI (India)

Published by
SIGNATURE BOOKS INTERNATIONAL
E-9/18, Street No. 10, Near Gurdan Public School
5th Pusta, Sonia Vihar, Delhi-110094
Mob: 9811553878, 9999806105
Email: signaturebook2015@gmail.com

First Published : 2019

© Reserved

ISBN: 978-93-85622-63-7

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical or photocopying or otherwise, without prior permission in writing from the publishers/ author

Printed in India

Published by Signature Books International, Delhi & Typeset by Sathya Sai Graphics, New Delhi, and Printed at Tarun Offset Printers Delhi-53

Preface

Agriculture is vital sector of production contributing to the employment, income and dependency in all living aspects to the large segment of Indian Societies. The study of growth in Indian Agriculture Sector conducted is fruitful to the researchers, planners and Govt. official contributing to the further research and planning for agricultural development in the country. In this study the period since independence of the country till now has been covered important crops i.e. food grains, pulses and millets at aggregate level of the country. The findings and suggestion of the study are useful for further researchers and planning for agricultural development in the country abroad. I hope the usefulness of this study for further research and development.

With immense pleasure and profound sense of gratitude, I take the pleasure to express my sincere thanks to Dr. H.K. Saxena, Ex. Head, Dept. of Agricultural Economics, S.M.M. Town P.G. College, Ballia for the talented advice throughout the preparation of this manuscript. I acknowledge the source of literature, diagram and tables which have been reproduced from other textbooks and related research publications. Finally, I like to cordial thanks the publishers for understanding to publish this book.

Dr. Ajit Kumar Singh
Assistant Professor, Department of Agricultural Economics,
S.M.M. Town Post Graduate College, Ballia-277001 (U.P.)

Contents

Preface		v
List of Tables		ix
1. Introduction		1
1.1	Food Security: Supply and Demand Prespective	2
1.2	Agriculture Growth Since Independence	4
1.2.1	Growth rate in Area Since 1949-50	5
1.2.2	Rate of Growth in Yield Since 1949-50	6
1.3	International Comparison of Agricultural Productivity	8
1.4	Green Revolution in India	13
1.5	Progress of Agriculture Planning Era	15
1.6	Focus of the Study	17
1.6.1	Tabular Analysis	17
1.6.2	Analytical Tolls	18
1.6.2.1	Exponential Function	18
1.6.2.2	Minhas and Vaidyanathan Model	18
1.6.2.3	Cobb-Douglas Model	19
2. Present State of Knowledge		21
3. Result and Discussion		70
3.1	Tabular Anaiysis	70
3.2	Analytical Approach	78
3.2.1	Growth rate	78

Dr. Ajit Kumar Singh is working as Assistant Professor, Department of Agricultural Economics, S.M.M. Town P.G. College, Ballia. He did M.Sc. (Ag) and Ph.D. in Agricultural Economics from V.B.S. Purvanchal University, Jaunpur, Uttar Pradesh. He published 05 research papers, 10 research abstracts in national and international magazines. He attended several seminar, symposia, conferences and workshops on National and International level. Dr. Singh received best teacher awards 2018 by Agro-Environmental Development Society. He is also associated with different scientific societies, who evolved for professional and agricultural development in the country. He has been a serious researcher and teacher.

India is a land of many climates and varieties of soil affording scope for much diversity in agriculture. The geographic location and the physical feature largely determine the climate of the country. Indian agriculture mainly depends on the monsoon rains. The farmers anxiously wait to the onset of the monsoon and a favourable distribution of rainfall during the rainy season. As there is a considerable variation from year to year in the advent of the monsoon over different divisions, the predicting of the dates of its onset and giving advance indication to the probable distribution of rainfall are of great economic significance. The accepted aim of developmental planning is to maximise the rate of growth of per capita income and a predominantly agriculture country like India can not hope for a healthy economic growth unless sustained and substantial growth is ensured in the agriculture sector. As expected, growth can take place either through in increased use factors of production on a given set of production technology or through an improvement in the production technology itself.
Agriculture is the mainstay of Indian economy and its pivotal importance needs hardly to be emphasized. Nearly 17 percent of the national income originates from the agricultural sector. Three-fourth of Indian population and two-third of its labour force are directly or indirectly...

₹ 650/-

SIGNATURE BOOKS INTERNATIONAL
[illegible]

NET, ARS एवं समस्त भारतीय विश्वविद्यालयों की स्नातकोत्तर
कक्षाओं हेतु I.C.A.R. द्वारा निर्धारित नवीन पाठ्यक्रमानुसार

नवीन
कृषि अर्थशास्त्र

(NEW AGRICULTURAL ECONOMICS)

(MACRO ECONOMICS AND POLICY)
(AGRICULTURAL MARKETING AND PRICE ANALYSIS)

NET, ARS एवं समस्त भारतीय विश्वविद्यालयों
की स्नातकोत्तर कक्षाओं हेतु ICAR द्वारा निर्धारित नवीन पाठ्यक्रमानुसार

नवीन कृषि अर्थशास्त्र

(NEW AGRICULTURAL ECONOMICS)

लेखक

डॉ० देवेन्द्र प्रसाद
सह० प्राध्यापक
कृषि अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी विभाग
कुलभास्कर आश्रम स्नातकोत्तर महाविद्यालय
प्रयागराज (उ०प्र०) 211001

डॉ० सेवक राम
सह० प्राध्यापक
कृषि अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी विभाग
कुलभास्कर आश्रम स्नातकोत्तर महाविद्यालय
प्रयागराज (उ०प्र०) 211001

डॉ० पुनीत कुमार अग्रवाल
सह० प्राध्यापक
कृषि अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी विभाग,
कुलभास्कर आश्रम स्नातकोत्तर महाविद्यालय
प्रयागराज (उ०प्र०) 211001

डॉ० सुग्रीव कुमार मौर्य
सह० प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष
कृषि अर्थशास्त्र विभाग
जनता महाविद्यालय
अजीतमल, औरैया (उ०प्र०)

डॉ० जे०पी० श्रीवास्तव
सह० प्राध्यापक
कृषि अर्थशास्त्र विभाग
आर० बी० एस० कॉलेज
बिचपुरी, आगरा (उ०प्र०)

डॉ० अजीत कुमार सिंह
सह० प्राध्यापक
कृषि अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी विभाग
एस०एम०एम० टाउन पी०जी० कॉलेज
बलिया (उ०प्र०)-277001

प्रकाशक

रामा पब्लिशिंग हाउस, मेरठ

◆ प्रकाशक :

रामा पब्लिशिंग हाउस
अग्रवाल कॉलोनी, शास्त्रीनगर सैक्टर के सामने
दिल्ली रोड, मेरठ।

Mob. 09045578445, 9456217431
E-mail : ramapublishinghouse@gmail.com

© **सुरक्षित**

◆ **संस्करण-2021**

◆ **ISBN : 978-93-91057-20-6**

◆ **मूल्य : ₹ 200-00 (₹ दो सौ रुपये) मात्र**

◆ **लेजर टाइप सैटिंग :**

श्रेया कम्प्यूटर्स
मेरठ मो. 98377758[illegible]

◆ मुद्रक :

रामा प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स,
दिल्ली रोड, मेरठ

विषय-सूची

अध्याय	विषय	पृष्ठ संख्या
	खण्ड-1 : समष्टि अर्थशास्त्र एवं नीति (Macro Economics and Policy)	
1.	समष्टि अर्थशास्त्र : अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र (Macro Economics : Meaning, Nature and Scope)	3–7
2.	राष्ट्रीय आय : अवधारणा एवं माप (National Income : Concept and Measurement)	8–16
3.	रोजगार का प्रतिष्ठित सिद्धान्त (Classical Theory of Employment)	17–22
4.	रोजगार का आधुनिक सिद्धान्त (Modern Theory of Employment)	23–28
5.	उपभोग फलन (Consumption Function)	29–36
6.	विनियोग फलन (Investment Function)	37–42
7.	बचत एवं विनियोग (Saving and Investment)	43–50
8.	ब्याज का प्रतिष्ठित, नव-प्रतिष्ठित एवं कीन्स सिद्धान्त (Rate of Interest, Classical, Neo-classical and Keynesian Version)	51–58
9.	बेरोजगारी एवं पूर्ण-रोजगार (Unemployment and Full employment)	59–62
10.	मुद्रा एवं मूल्य का प्रतिष्ठित सिद्धान्त (Classical Theories of Money and Price)	63–71
11.	मुद्रा-स्फीति : अर्थ, प्रकृति, प्रभाव एवं नियंत्रण (Inflation : Meaning, Nature, Effect and Control)	72–80
12.	IS : LM वक्र मॉडल (IS-LM Curve Model)	81–88
13.	वित्तीय नीति एवं राजकोषीय नीति (Monetary Policy and Fiscal Policy)	89–98
14.	केन्द्रीय बैंक (Central Bank)	99–105
15.	व्यापार-चक्र (Business Cycle)	106–110
16.	व्यापार शेष एवं भुगतान शेष Balance of Trade and Balance of Payment	111–116
	◆ प्रश्न-पत्र	117–120

पंचम डीन कमेटी के पाठ्यक्रम पर आधारित
कृषि अर्थशास्त्र की प्रतियोगी पुस्तकें /TEXT BOOKS

For M.Sc. (Ag.) Classes

- आधुनिक कृषि अर्थशास्त्र
  MODERN AGRICULTURAL ECONOMICS
- नवीन कृषि अर्थशास्त्र
  NEW AGRICULTURAL ECONOMICS
- उच्चतर कृषि अर्थशास्त्र
  ADVANCE AGRICULTURAL ECONOMICS

For B.Sc. (Ag.) Classes

- कृषि अर्थशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्त
  FUNDAMENTALS OF AGRICULTURAL ECONOMICS
- कृषि वित्त एवं सहकारिता
  AGRICULTURAL FINANCE AND CO-OPERATION
- कृषि विपणन, व्यापार एवं मूल्य
  AGRICULTURAL MARKETING, TRADE AND PRICES
- प्रक्षेत्र प्रबंध, उत्पादन एवं संसाधन अर्थशास्त्र
  FARM MANAGEMENT, PRODUCTION AND RESOURCE ECONOMICS

रामा पब्लिशिंग हाउस, मेरठ

A Comprehensive Note on
Soil Science
(Volume-I)

Anil Kumar Singh
Kripal Singh · Chitranjan Kumar · Alok Kumar Singh · Dinesh Kr. Singh

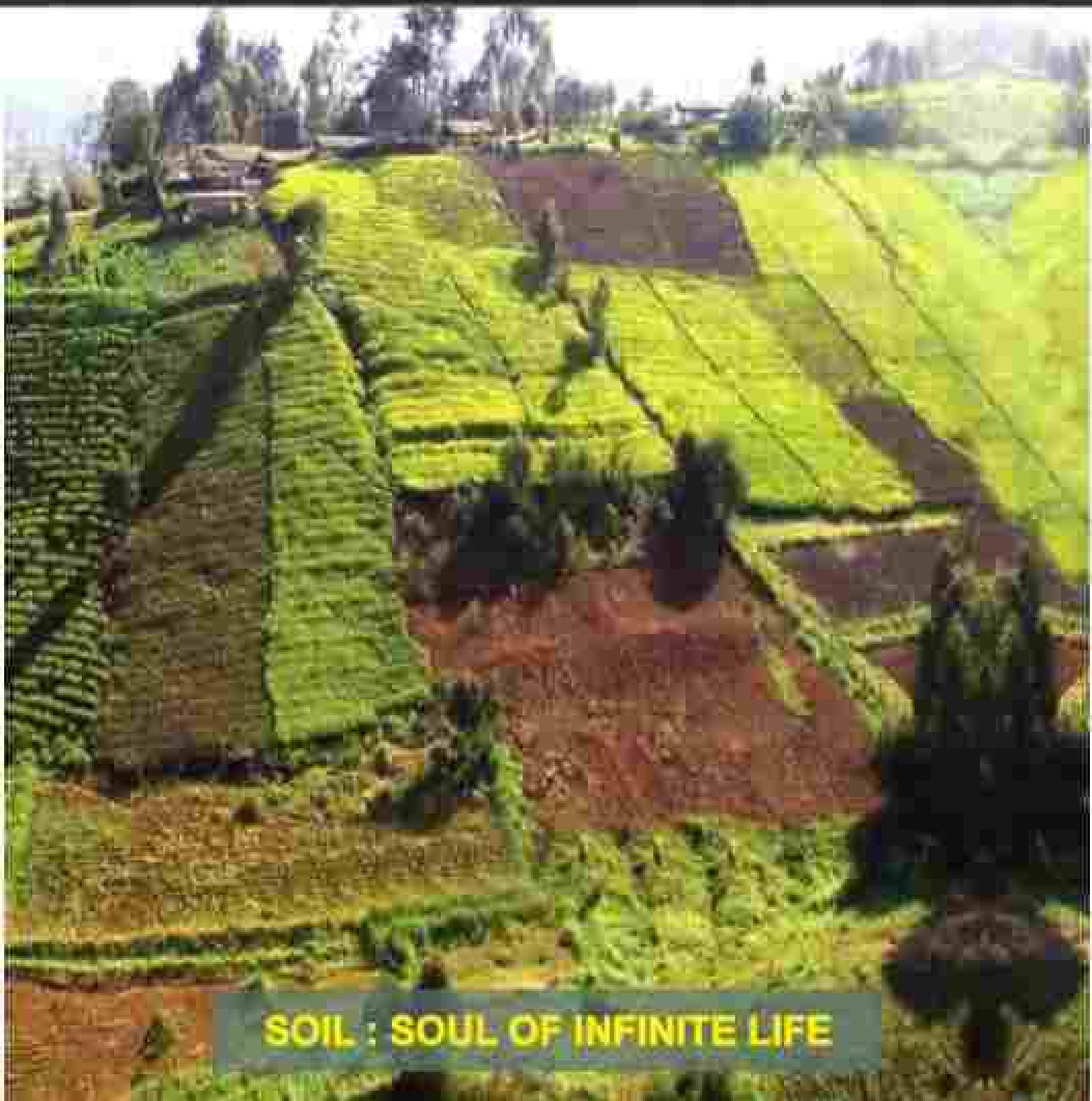

A Comprehensive Note on

SOIL SCIENCE

(Handbook for Competitive Examinations)

(Volume -I)

-: Edited by :-

DR. ANIL KUMAR SINGH
M. Sc. (Ag) (Gold Medalist), Ph. D., NET, FAESA
Assistant Professor, Department of Agricultural Chemistry and Soil Science
SMM Town PG College, Ballia - 277 001, Uttar Pradesh
Formerly
Soil Scientist and In-Charge Quality Control Laboratory, Tea Board India
Assistant Advisory Officer (Scientist 'C'), Tea Research Association,
Tocklai Tea Research Institute, Jorhat, Assam, India

DR. KRIPAL SINGH
Project Scientist
United Nations Industrial Development Organization's Project
Department of Plant Conservation and Agrotechnologies
CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh

DR. CHITRANJAN KUMAR
M.Sc. (Ag Chem Soil Sci) (Gold Medalist), D. Phil
Assistant Professor III, Amity Institute of Organic Agriculture,
Amity University Uttar Pradesh, Noida, Uttar Pradesh

DR. ALOK KUMAR SINGH
Assistant Professor
Department of Crop Physiology
Acharya Narendra Deva University of Agriculture and Technology,
Kumarganj, Ayodhya, Uttar Pradesh

DR. DINESH KUMAR SINGH
M.Sc. (Ag), Ph.D., NET, B.Ed. & PGDES
Assistant Professor and Head
Department of the Agricultural Chemistry and Soil Science,
National Post Graduate College, Barhalganj, Gorakhpur, Uttar Pradesh

NEW AASTHA PRAKASHAN
Lucknow

This book contains information obtained from authentic and highly regarded sources. Reasonable efforts have been made to publish reliable data and information, but the author/s, editor/s and publisher cannot assume responsibility for the validity of all materials or the consequences of their use. The author/s, editor/s and publisher have attempted to trace and acknowledge the copyright holders of all material reproduced in this publication and apologize to copyright holders if permission and acknowledgements to publish in this form have not been taken. If any copyright material has not been acknowledged please write and let us know so we may rectify it, in subsequent reprints.

ISBN	:	**978-81-922-944-1-7**
©	:	**Editors**
Publisher	:	**New Aastha Prakashan** **538K/309, Sripuram,** **Triveni Nagar-3rd, Lucknow** **Mobile No.–9454198645** **Email: newaa66@gmail.com**
Edition	:	**First (2021)**
Price	:	**Rs. 325/-**
Composer	:	**Manish Graphics**
Printer	:	**Pooja Press, Delhi - 53**

CONTENTS

SECTION-I: PEDOLOGY

Chapter - 1 Concept and Approaches in Soil Science Study and Soils of India 1 - 10

Bhabani Prasad Mondal

Ph.D. Research Scholar, Division of Agricultural Physics, ICAR-Indian Agricultural Research Institute, New Delhi

Chapter - 2 Rocks and Their Weathering 11 - 22

Ashish Ranjan[1], Anil Kumar Singh[2], Ashok Kumar Singh[3]

[1]Research Scholar cum Ad hoc Teacher, [2]Assistant Professor, [3]Associate Professor, Department of Agricultural Chemistry and Soil Science, SMM Town PG College, Ballia-277001, Uttar Pradesh

Chapter - 3 Soil Genesis 23 - 34

Priya P Gurav[1], P.L. Choudhari[2], A. O. Shirale[1], B. P. Meena[1] and A.K. Biswas[3]

[1]Scientist, Division of Soil Chemistry and Fertility, ICAR-IISS, Nabibagh, 462038, Bhopal, Madhya Pradesh, India, [2]Manager, CRAL, ICRISAT Development Centre, Asia Program, Patancheru, Hyderabad, [3]Principal Scientist & Head, Division of Soil Chemistry and Fertility, ICAR-IISS, Bhopal, M.P. India

Chapter - 4 Soil Classification 35 - 49

Priya P Gurav[1], P.L. Choudhari[2], A. O. Shirale[1], B. P. Meena[1] and A.K. Biswas[3]

[1]Scientist, Division of Soil Chemistry and Fertility, ICAR-IISS, Nabibagh, 462038, Bhopal, Madhya Pradesh, India, [2]Manager, CRAL, ICRISAT Development Centre, Asia Program, Patancheru, Hyderabad. [3]Principal Scientist & amp; Head, Division of Soil Chemistry and Fertility, ICAR-IISS, Bhopal, M.P. India

Chapter - 5 Soil Survey 50 - 58

Priya P Gurav[1], P.L. Choudhari[2], A. O. Shirale[1], B. P. Meena[1] and Shinogi K.C.[1]

[1]Scientist, Division of Soil Chemistry and Fertility, ICAR-IISS, Nabibagh, 462038, Bhopal, Madhya Pradesh, India, [2]Manager, CRAL, ICRISAT Development Centre, Asia Program, Patancheru, Hyderabad, India

SECTION-II: SOIL BIOLOGY

Chapter-6 Soil Microbes and Their Role in Soil Functions 59 - 77

Dinesh Kumar Singh[1], Meenakshi Prusty[2] and Indra Bahadur[3]

[1]Assistant Professor, NPG College, Gorakhpur, UP, India [2]Junior Scientist (Soil Science), RRTTS, Dhenkanal, Odisha University Of Agriculture and Technology, Bhubaneswar, Odisha [3]Assistant Field Officer, Soil and Land Use Survey of India, Kolkata Centre, Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, Govt. of India

Chapter-7 Soil Organic Matter and its Functions 78 - 87

Samaptika Mohanty[1] and Gour Hari Santra[2]

[1]Research Scholar, Department of Agricultural Chemistry and Soil Science, Bidhan Chandra Krishi Viswavidyalaya, Nadia 741252, West Bengal, India; [2]Professor, Department of Soil Science and

Agricultural Chemistry, Institute of Agricultural Sciences, Siksha 'O' Anusandhan, Deemed to be University, Bhubaneswar-751030, Odisha, India

Chapter-8 Biofertilizer and Biological Nitrogen Fixation 88 - 102
Akansha Singh and Vipin Kumar
Ph.D. Research Scholar, Department of Soil Science and Agricultural Chemistry, Sardar Vallabh Bhai Patel University of Agriculture and Technology, Modipuram, Meerut - 250 110, UP., India

Chapter-9 Nutrient Management in Organic Cultivation 103 - 116
Siddhartha Mukherjee[1], Ruby Patel and Dibyendu Sarkar[2]
[1]Ph.D. Research Scholar, Senior Research Fellow [2]Assistant Professor, Department of Agricultural Chemistry and Soil Science BCKV, Mohanpur, West Bengal -741252, India

Chapter-10 Soil Microbial Analysis: Procedure and Result Interpretation 117 - 128
Puja Singh[1], Mehjabeen[1] and Mahendra Singh[2]
[1]Research Scholar, Dept. of Agricultural Chemistry and Soil Science, Bidhan Chandra Krishi Viswavidyalaya, Mohanpur, Nadia, West Bengal 741252 [2]Research Scholar, Dept. of Soil Science and Agricultural Chemistry, Bihar Agriculture University, Sabour 813210, Bihar, India

Chapter-11 Soil Carbon Sequestration and Climate Change 129 - 140
Satish Bhagwatrao Aher[1], Brij Lal Lakaria[2] and Dharmendra Singh Yadava[3]
[1]Scientist B, ICMR-National Institute for Research in Environmental Health, Bhopal, MP, India
[2]Principal Scientist, [3]Research Associate, ICAR-Indian Institute of Soil Science, Bhopal-462038, MP, India

SECTION-III: FERTILIZERS AND MANURES

Chapter-12 Fertilizers for Macro Nutrients 141 - 155
Aditi Chauhan[1] Sonal Tripathi[2] and Govind[3]
[1]Research Scholar [2]Associate Professor, Department of Soil Science and Agricultural Chemistry, N. M. College of Agriculture, [3]Research Scholar, Department of Silviculture and Agroforestry, ASPEE College of Horticulture and Forestry, Navsari Agricultural University, Navsari, Gujarat 396450.

Chapter-13 Secondary - Micronutrients and Nano Fertilizers 156 - 165
Bandita Jena[1] and R. K. Nayak[2]
[1]Assistant Scientist/Assistant Professor and [2]Associate Professor AICRP on micro secondary nutrients, Department of Soil Science and Agricultural Chemistry Odisha University of Agriculture and Technology Bhubaneswar 751003, Odisha, India

Chapter-14 Organic Manures 166 - 180
Bandita Jena[1] and Shradha Mohanty[2]
[1]Assistant Scientist/Assistant Professor and [2]Ph. D. Scholar Department of Soil Science & Agricultural Chemistry, Odisha University of Agriculture and Technology, Bhubaneswar 751003, Odisha, India

SECTION-IV: SOIL CHEMISTRY AND MINEROLOGY

Chapter-15 Soil Colloids 181 - 191
Ahana Dey[1], Jaison M.[1]
[1]Ph.D. Research Scholar cum Senior Research Fellow, Department of

Agricultural Chemistry & Soil Science, Bidhan Chandra Krishi Viswavidyalaya, Mohanpur, Nadia, West Bengal- 741252, India

Chapter-16 Ion Exchange and Nutrients Fixation 192 - 208
Rajesh Kumar Chauhan[1] Anil Kumar Singh[2]
[1]Scientific Officer, Quality Control Laboratory, Tea Board, Tea Park Siliguri 734135, West Bengal, India
[2]Assistant Professor, SMM Town PG College, Ballia-277 001, U.P. India

Chapter-17 Soil Reaction or Soil pH 209 - 220
[1]Prashanth D V, [2]R Krishnamurthy, [3]Chiranjan Kumar
[1]Ph.D. Research Scholar, [2]Professor, Department of Soil Science and Agricultural Chemistry, UAHS Shimoga (Navile) and UAS Bangalore (GKVK), Karnataka, India; [3]Assistant Professor, AIOA, Amity University, Noida, India

SECTION-V: ADVANCE TECHNOLOGY IN SOIL SCIENCE

Chapter-18 Remote Sensing 221 - 246
Aditya Kumar[1], Sanjay Kumar Shahi[2]
[1]Assistant Professor, [2]Associate Professor, Department of Agricultural Chemistry and Soil Science, Udai Pratap (Autonomous) College, Varanasi 221002, Uttar Pradesh, India

Chapter-19 Radio Isotopes 247 - 267
Aditya Kumar[1], Sanjay Kumar Shahi[2], Vineeta Singh[3]
[1]Assistant Professor, [2]Associate Professor, Department of Agricultural Chemistry and Soil Science, Udai Pratap (Autonomous) College, Varanasi 221002, [3]Associate Professor in Chemistry, Department of Chemistry, D.A.V. P.G. College, Aishbagh, (University of Lucknow), Lucknow, UP, India

Chapter-20 Climate Change and Soil Properties 268 - 281
D S Yashona[1] and S H Alam[2]
[1]Research Associate, ICAR-Indian Institute of Soil Science, Nabibagh, Bhopal 462 038, Madhya Pradesh, India
[2]Scientist B, ICMR-National Institute for Research in Environmental Health, Bhauri, Bhopal 462 030, Madhya Pradesh, India

Chapter-21 Conservation Agriculture, Soil Health and Soil Quality 282 - 298
Biswabara Saha[1], Snigdha Chatterjee[1], Kaushik Batabyal[2], Sidhu Murmu[1]
[1]Ph.D. Research Scholar, [2]Assistant Professor, Department of Agricultural Chemistry and Soil Science, Bidhan Chandra Krishi Viswavidyalaya, Mohanpur 741252, West Bengal, India

Instant Notes on Soil Science

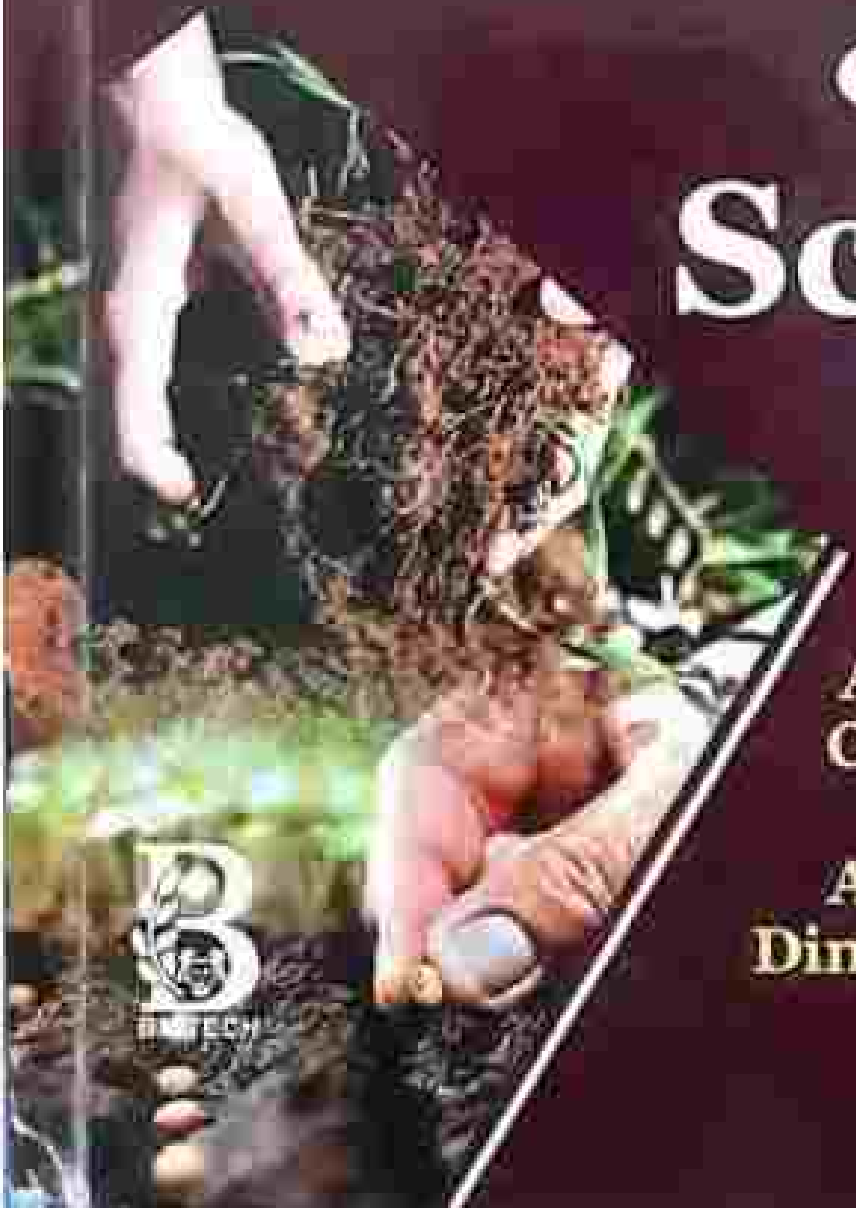

Anil Kumar Singh
Chitranjan Kumar
Kripal Singh
Alok Kumar Singh
Dinesh Kumar Singh
Vinod Kumar

Instant Notes on
SOIL SCIENCE

– Editors –

Anil Kumar Singh

M. Sc. (Ag) (Gold Medalist), Ph. D., NET, PGDHE, FAESA, FSASS
Assistant Professor, Soil Science and Agricultural Chemistry,
SMM Town PG College, Ballia – 277001, Uttar Pradesh, India

Chitranjan Kumar

M.Sc. (Ag Chem Soil Sci)
(Gold Medalist), M. Phil
Assistant Professor-III,
Amity Institute of Organic Agriculture,
Amity University Uttar Pradesh,
Noida, Uttar Pradesh, India

Kripal Singh

Research Professor
Department of Biological Sciences,
Andong National University,
Gyeongsangbuk-do, 36729
South Korea

Aluk Kumar Singh

Assistant Professor,
Department of Crop Physiology
Acharya Narendra Deva University of
Agriculture and Technology,
Ayodhya, Uttar Pradesh, India

Dinesh Kumar Singh

M.Sc. (Ag), Ph. D., NET, B. Ed., PGDES
Assistant Professor and Head
Department of Agricultural Chemistry
and Soil Science, National PG College,
Barhalganj, Gorakhpur,
Uttar Pradesh, India

Vinod Kumar

M.Sc., Ph.D., F.A.N.S.F.)
Senior Assistant Professor, Environmental Science
Department of Zoology and Environmental Science,
Gurukula Kangri (Deemed to be University), Haridwar, Uttarakhand, India

BIOTECH

2023

BIOTECH BOOKS®

© 2023 EDITORS
ISBN 978-81-7622-542-7

All rights reserved. Including the right to translate or to reproduce this book or parts thereof except for brief quotations in critical reviews.

The authors are solely responsible for the contents of the book chapters compiled in this book. The editors or publisher do not take any responsibility for same in any manner. Errors, if any are purely unintentional and readers are requested to communicate such errors to the editors or publisher to avoid discrepancies in future.

Published by: **BIOTECH BOOKS®**
4762-63/23, Ansari Road, Darya Ganj,
New Delhi - 110 002
Phone: 09899295259, 011-43003222
E-mail: biotechbooks@yahoo.co.in
Website: www.biotechbooks.in

Typeset at: **Classic Computer Services**
Delhi - 110 035

Printed at: **Replika Printing Press Pvt Ltd**

PRINTED IN INDIA

Contents

Foreword v

Preface vii

The Editors xiii

The Contributors xvii

— Section I —

PROBLEMATIC SOILS AND WATER

1. **Submerged Soil** 3
   Chauhan Aditi and Sonal Tripathi
2. **Salt-Affected Soils** 19
   S.G. Rajput, Chitranjan Kumar and Anurag Kumar Singh
3. **Bioremediation of Contaminated Soils** 31
   Dharmendra Singh Yashona and Satish Bhagwatrao Aher
4. **Acid and Acid Sulphate Soils** 67
   S.G. Rajput, Puja Singh, Vineeta Singh and Mandhata Singh
5. **Transformation of Nutrients in Submerged Soil** 87
   D.V. Prashanth, G.N. Thippeshappa and Kumar Chitranjan

6. **Soil Pollution** 105
Bhabani Prasad Mondal, Arghya Chattopadhyay, Tridip Mandal, Sonia Devi, S.G. Rajput and Amit Kumar

7. **Soil for Aquaculture: Characteristics and Management** 141
Shashank Singh, Vipin Kumar Misra, Saubhid Swain and Roshan M. Peter

8. **Quality of Irrigation Water** 155
S.G. Rajput, Vineeta Singh, Chauhan Aditi, Sonal Tripathi, Govind and Amar Pal

— Section II —
SOIL AND WATER CONSERVATION

9. **Water Erosion** 175
Rashi, Hardeep Singh Sheoran and Ajay Kumar Mishra

10. **Wind Erosion** 189
Hardeep Singh Sheoran, Rashi and Seema

11. **Degraded Land Restoration and Conservation** 203
Siddhartha Mukherjee, Samrat Ghosh, Bishnuprasad Dash, Ruby Patel and Dibyendu Sarkar

12. **Watershed Management** 219
Ashutosh Singh, Amit Kumar Pandey, Munendra Pal and Ashok Kumar Singh

13. **Soil Conservation Approaches for Agricultural Sustainability** 235
Ramesh Kumar

— Section III —
SOIL PHYSICS

14. **Soil Air** 257
Ashutosh Singh, Amit Kumar Pandey and Sandip Kumar Gupta

15. **Soil Water** 271
Amit Mishra, Ipsita Kar, Amit Kumar Singh and S.B. Singh

16. **Soil Temperature** 289
Nikhil Kumar Singh and U.P. Singh

17. **Physical Properties of Soils** 299
Bhabani Prasad Mondal, Sonia Devi, Garima Dahiya and Gayatri Kumari

18. **Soil Climatology and Meteorology** 321
Sanmayita Mohanty, Debashree Sarkar and Rama Kant Singh

— *Section IV* —
SOIL FERTILITY AND PLANT NUTRITION

19. **Essential Plant Nutrient** 339
Akhila Nand Dubey, Shakti Om Pathak and Suhana Puri Goswami

20. **Approaches for Nutrient Recommendation** 359
Joy Dutta, Samrat Ghosh, Abir Choudhury, Siddhartha Mukherjee and Dibyendu Sarkar

21. **Nutrient Movement in Soil and Absorption by Plants** 373
Anand Singh, Bhavya Raj Pandey, Omkar Singh and U.P. Shahi

22. **Nutrient Interaction and Chelation in Soil** 387
Shashi Kant Tripathi and J.S. Bisen

23. **Soil Nutrient Management** 397
Chitranjan Kumar and Anil Kumar Singh

— *Section V* —
MISCELLANEOUS

24. **Soil Minerals: Primary and Secondary** 429
Ahana Dey, Jaison M. and Sidhu Murmu

Index 443

This book covers and encompasses diverse aspects of soil science, mainly problematic soils, soil and water conservation, soil physics, soil fertility and plant nutrition. An innovative writing style, blend of brief texts, facts of the topic, glossary, short notes, scientific formula and equations as well as questions in the form of multiple-choice questions, true and false, and fill in the blanks make this book unique. This book provides in-depth and up-to-date information on the subject in a concise note and ready reckoner form. This book provides a better option and meets the needs of agriculture students preparing for competitive examinations, including PG, PhD, JRF, SRF, NET, ARS, UPHESC, and other higher education services and civil services across the country.

xxii+449p.; figs.; tables; ind.; 25 cm

ISBN: 978-81-7622-542-7

₹ 4200

BIOTECH BOOKS
4762-63/23, Ansari Road,
Daryaganj, New Delhi-110002
Ph.: 011-43003222
E-mail : biotechbooks@yahoo.co.in
Website : www.biotechbooks.in

BIOTECH

Innovations in Agriculture, Environment and Health Research for Ecological Restoration ISBN : 978-81-923535-5-5
Editors : Harikesh Pant, Ambrish Singh Yadav, Manoj Kumar Singh, Jyoti Verma, Vivek K. Srivastava and Ashish Kumar
Copyright © 2019, Society of Biological Sciences and Rural Development

GOOD AGRICULTURAL PRACTICES FOR SOIL FERTILITY AND NUTRIENT MANAGEMENT

Anil Kumar Singh, Ashok Kumar Singh and Munendra Pal
SMM Town P.G. College, Ballia - 277001 (U.P.), India

Abstract

Soil is a pivotal non-renewable natural resource supporting all kind of activities on the Earth planet. Sustainability of agriculture lies on the sustainability of soil. Therefore, every piece of land need to be utilized as per capability and managed scientifically by adopting protecting conservative good agricultural practices (GAP).

Introduction

The Food and Agricultural Organization of the United Nations (FAO) used GAP as a collection of principles to apply for on-farm production and post-production processes, resulting in safe and healthy food and non-food agricultural products, while taking into account economical, social and environmental sustainability. GAP requires maintaining a common database on integrated production techniques for each of the major agro-ecological area, thus to collect, analyze and disseminate information of good practices in relevant geographical contexts. In this chapter attempt has been made to collect and present well tested and established good agricultural practices pertaining to soil fertility and nutrient management.

Issues promoted under GAP

- To avoid all forms of pollution that may result from agricultural techniques.
- To maintain the genetic diversity of the agricultural system and its surroundings, including the protection of plant and wildlife habitats.
- To use as far as possible renewable resources in locally organized agricultural systems.
- To allow agricultural producers an adequate return and satisfaction from their work including a safe working environment.
- To consider the wider social and ecological impact of the farming system.
- To produce food of high nutritional quality (free from toxicants) in sufficient quantity.
- To work with natural system rather than seeking to dominate them.
- To encourage and enhance biological cycle within the farming system, involving microorganism, soil flora and fauna, plants and animals.
- To maintain and enhance the long term fertility and sustainability of the soils.
- To work as much as possible with in closed system with regard to organic matter and nutrient elements.
- To give all livestock conditions of life that allows them to perform all aspects of their innate behavior.

GAP for nutrient management planning:

Nutrient management is an important component of a soil and crop management system. Nutrient management planning as such is a relatively new term; however, the principles involved are basic, sound fundamentals necessary for good management. Nutrient management plan must be site-specific. They should be tailored to the soils, crops and cultivars, landscapes, and management of a particular farm. Important steps for nutrient management planning are as follows:

- Soil samples should be collected and analyzed as per recognized standard soil fertility analytical procedures in order to generate accurate soil fertility information for each field management unit.
- Yield potential for each field should be estimated based on soil productivity and intended management and then yield target should be fixed up.

- Work out the plant nutrient needs to achieve the pre-set yield target. Nutrient uptake and removal data for all crops are available from various sources. It is important to distinguish between nutrient removal/uptake by the target crop, or the physical displacement of the nutrients from the field through the crop harvest.
- Determine the amount of the nutrients to be supplied separately through organic and inorganic available sources. The best method is to sample the manures to be used in the field and get analyzed chemically the nutrient contents of the manure and the nutrient release patterns.
- Doses of the nutrients to be supplied through fertilizers should be decided considering indigenous nutrient supply capacity. Record of the nutrient sources, their rate, method and time of application should be maintained.
- Use a combination of organic and chemical fertilizer to maintain the health of the crop.
- Promote use of locally available organic sources viz. compost, FYM and vermicompost etc. to minimize the need for inorganic chemical fertilizer application.
- Fertilizer recommendations should be followed, but always taking into account the actual condition of the crop.
- Use leguminous species green manuring crop which helps to improve biological nitrogen fixation and availability to the plants.
- Maintain optimum level of soil organic matter which is an important component of soil to provide optimum conditions in the soil for proper plant growth.
- Return crop residues in the field as complementary source of nutrients.
- Soil should be covered by a crop or mulch, including pruning litter, especially in rainy season.
- Apply both bulky and concentrated organic manure and plant residues etc. where soil organic matter is poor.
- Include growing of in situ green manuring in cropping system and grow suitable crop species like, sun hemp and dhaincha etc. to add organic matter and other nutrients to the soil.

GAP to maintain/enhance soil fertility:

Soil fertility is the inherent capacity of soil to provide plant nutrients in available form in adequate amounts and in proper proportion at a particular time to the plants. Fertility status of cultivated soil declines with time which affects the productivity. Due to prolonged cultivation, the soils have undergone considerable physico-chemical and biological changes. This decline can be minimized to a considerable extent by recycling of crop residue and adopting GAP. Soil organic carbon appears to be a single parameter that control sustainability of agriculture (Lal, 2004). Maintaining optimum level of soil organic matter by applying appropriate organic manure in the soil could ensure adequate supply of essential plant nutrients to the plant and also to combat the global warming (Singh et al, 2014). Thus, for sustaining a high fertility and productivity, soil needs proper management and supplementation of nutrients.

- Use crop residues as complementary source of plant nutrients.
- Include legume in crop rotation or grow green manuring crop in the field and surrounding, if vacant space available.
- Use of both bulky and concentrated organic manure which help to maintain C: N ratio of soil organic matter and help in release of nutrient for crop plants.
- Use good quality suitable biofertilizer as per nature of crop.
- Utilize industrial wastes with proper treatment and convert them into good organic manures.
- Preferably leguminous crops should be used for green manuring because it requires less amount of water and also add nitrogen by symbiotic nitrogen fixation and by biomass production as compared to non-leguminous crops.
- Keep the soil covered with green plants to avoid the direct exposure of the soil to radiation which reduces the loss of soil moisture and accelerate the decomposition of added as well as native organic matter.
- Oil-cake cakes should be well powered before application, so that they could be spread evenly and may easily be decomposed by soil microorganisms.
- Avoid broadcasting of the organic manures and apply through ring placement method.

GAP related to soil water/moisture management

- Rainfall water harvesting and conservation of soil moisture practices should be followed.
- Maintain permanent soil covering/mulching particularly during monsoon season to avoid and minimize soil erosion and nutrient losses.
- Minimize water loss by maintaining proper drainage system.
- Avoid green manure or intercropping crops with high water requirements in low water availability regions.

- Harvest rain water in situ by digging catch pits, crescent bunds across the slope on undulated topography.

GAP related to soil reaction

The soil pH considered optimum for crop production, if varied 6.5 to 7.0, though few crops like tea, coffee and potato grow well in acid soils. The availability of plant nutrients influenced greatly by soil reaction. Therefore, maintaining soil pH in desired range is prerequisite for ensuring adequate supply of nutrients to the growing plants.

- Soil samples should be collected and analyzed to know the reaction of soil and correction measures to be adopted as per recommendations.
- Tea requires certain soil acidity. The suitable pH for proper growth and development of tea plant ranged between 4.5 to 5.5.

GAP related to soil conservation

Soil erosion is the detachment and transportation of soil material from one place to another place through the action of wind, water and gravity etc. Soil erosion is one of the major reasons for decline in agricultural productivity especially in high rainfall and high slope areas.

- Undulated and sloppy lands soils are particularly vulnerable to soil water erosion and nutrient losses during the monsoon period.
- Soil for nursery should be taken from areas to be planted so that soil is returned to the field during planting.
- Construct drains to avoid rapid flows which cause soil erosion, using stones at vulnerable corners and planting grass along the sides to hold the soil.
- Use mulches of crop residue and other available mulches, including litter from green manuring crop and crop stubble and straw etc.
- Forestation should be encouraged and established on fallow land.
- Use of jute geo-textile in hilly areas to control erosion should be promoted (Lankar et al, 2013).
- Contour farming should be adopted on sloppy land.
- Growing of cover and strip crop found to minimize soil erosion.

GAP related to irrigation water quality

Quality of irrigation has direct bearing on the properties of soils especially on saline and alkali soil. Therefore, irrigation water containing high salinity, sodicity and elements toxicities should not be used. Following precautions may be taken into account while selecting water for irrigation.

High salinity (C_3) and very high salinity water are unsuitable therefore should not be used for irrigation. Use of such water may accelerate soil salinization.

High sodium hazard (18-26 SAR value) and very high sodium hazard (SAR > 26) water are unsatisfactory for most of the crops. Use of such water can cause harmful levels of exchangeable sodium in soils.

- Water with positive salt index value is harmful for irrigation and should not be used.
- A water having > 2.5 me l^{-1} residual sodium carbonate value is unsuitable for irrigation purposes.
- High boron containing water is unsuitable for irrigation use.

GAP for fertilizer selection their time and method of application

Though fertilizers are the major source of plant nutrients but at the same time they possesses great potential to cause serious damage to the soil properties, cause soil and water pollution and lower fertilizer use efficiency if not selected cautiously as per soil conditions and properties. Method and time of fertilizer application governs the economics of the fertilizers.

- On dry soil conditions nitrate nitrogen fertilizers are superior to the other forms of nitrogenous fertilizers.
- On acid soils or soils low in lime, continued use of ammonium sulphate, urea, ammonium chloride and ammonium sulphate nitrate should be avoided.
- For *Rabi* season nitrogenous fertilizers should be selected on the basis of cheapness per unit weight of nitrogen rather other factors because all nitrogenous fertilizers are equally effective and loss of nitrogen due to leaching does not usually occur.
- Due to solubility and mobility nature, nitrogenous fertilizers are suitable for broadcasting and top-dressing whereas phosphatic and potassic fertilizers should be placed near the seed or root zone.
- As plant requires nitrogen throughout their growth period and nitrogen fertilizer lost through leaching etc., therefore one time application of nitrogen should be avoided and applied in split doses throughout the growth period.
- Since plants require phosphorus in sizeable amount during the preliminary growth stage and the same time all phosphatic fertilizer gets available to the plant slowly hence the full dose of recommended quantity of phosphatic fertilizer should be

used on or before sowing.

- Entire amount of potassic fertilizers should be applied at the time of sowing to ensure regular availability of potash. Splitting of potassium on sandy soils is desired to enhance the use efficiency.
- Avoid application of fertilizer in heavy rainy season.

References

1. FAO GAP Principles (2012). Food and Agricultural Organization of the United Nations.
2. Lal, R. (2004). Soil quality in industrialized and developing countries similarities and differences. In Managing Soil Quality, Challenges in Modern Agriculture (P. Schjønning, S. Ellenbert, B. T. Christensen, Eds), CABI International pp 297-313.
3. Laskar, B. K., Singh, A. K. and Bhagat, R. M. (2011). Use of Jute Geotextile: A possible means to control soil erosion in Darjeeling hills. Two and a Bud, 60(1): 26-30.
4. Singh, A. K., Hasan, J. S., Chauhan, R. K., Choubey, M., Kumar, R. and Kumar N. (2016). Tea Research for Darjeeling Tea Industry: Various Aspects. In: Tea Technological Initiatives, pp 195-279. (Ed.) Bag, N. Bag, A. and Palni L. M. S., New India Publishing Agency, New Delhi, India.
5. Singh, A. K., Chauhan, R. K., and Hasan, J. S. (2014). Role of soil organic matter in soil health sustainability. International Journal on Agricultural Sciences 5(2):219-227.

Updated Edition 2024

B.Sc.

Objective

Chemistry-I

Inorganic Chemistry • Organic Chemistry • Physical Chemistry

Krishna's

B.Sc. Objective CHEMISTRY-I

2000+ MCQs

As Per U.P. Unified Syllabus

English + Hindi

2018 & 2019

KRISHNA Prakashan Media (P) Ltd.

[illegible]

B.Sc.

Objective

CHEMISTRY-I

[illegible]
Second Revised Edition : 2015

© Publishers

[illegible]

I.S.B.N. : [illegible]

Book Code : [illegible]

M.R.P. : [illegible]

Published by : [illegible]

Chief Editor : [illegible]
Designed by : [illegible]
Printed by : [illegible]

Krishna's
Educational Publishers

NEP-2020

Text Book

Chemical Dynamics & COORDINATION CHEMISTRY

B.Sc. CHEMISTRY-III

Krishna's TEXT BOOK on

Chemical Dynamics and Coordination Chemistry

[redacted]c. CHEMISTRY-III Semester

(For B.Sc. III Semester students of All Colleges of [illegible] Universities in Uttar Pradesh)

As per NEP - 2020 Syllabus (w.e.f. 2022-23)

JAGDISH [illegible] AND
93359013[illegible]
97614[illegible]

By

Dr. Sudha Goyal
[illegible]
Retd. Head, Deptt. of Chemistry
[illegible] College, Meerut (U.P.)

Dr. Devendra Pandey
M.Sc., Ph.D.
Asst. Prof. & Head, Deptt. of Chemistry
[illegible]

Dr. Paritosh Prasad Bhattacharya
M.Sc., Ph.D.
Head, Deptt. of Chemistry
[illegible] (P.G.) College, Varanasi (U.P.)

[illegible]
[illegible]
Asst. Prof., Deptt. of Chemistry
[illegible]

Dr. Subedar Yadav
M.Sc., M.Tech., Ph.D.
Head, Deptt. of Chemistry
[illegible] Govt. (P.G.) College
[illegible]

Dr. [illegible] Singh
M.Sc., Ph.D.
Head, Deptt. of Chemistry
[illegible] College, [illegible]

Dr. Vinod Kumar Yadav
M.Sc., NET, Ph.D.
Head, Deptt. of Chemistry
[illegible] Govt. (P.G.) College [illegible] (U.P.)

Kashi Edition

KRISHNA PRAKASHAN MEDIA PVT. LTD.
KRISHNA HOUSE, [illegible] Road, Meerut [illegible] (U.P.), India

DEDICATED TO LORD KRISHNA & OUR LOVING PARENTS

[illegible]

[illegible] As per NEP Syllabus (w.e.f. 2021-22)

B.Sc. 1st Sem. [illegible]

[illegible]

B.Sc. 2nd Sem. [illegible]

[illegible]

B.Sc. 3rd Sem. [illegible]

T.B.: Chemical Dynamics and Coordination Chemistry — Gupta & Others

[illegible]

B.Sc. 4th Sem. [illegible]

[illegible]

B.Sc. 5th Sem. [illegible]

[illegible]

B.Sc. 6th Sem. [illegible]

[illegible]

TEXT BOOK

Chemical Dynamics and Coordination Chemistry

B.Sc. CHEMISTRY Semester-III

I.S.B.N. : 978-93-[illegible]-15-6

Book Code No. : 2647-03

First Edition : [illegible]

M.R.P. : ₹ 395.00

© [illegible]

[illegible]

Published by : [illegible]

Designed by : [illegible]

Printed at : [illegible]

Text Book

Fundamentals of CHEMISTRY

B.Sc. CHEMISTRY-1

As per
NEP-2020
NATIONAL EDUCATION POLICY

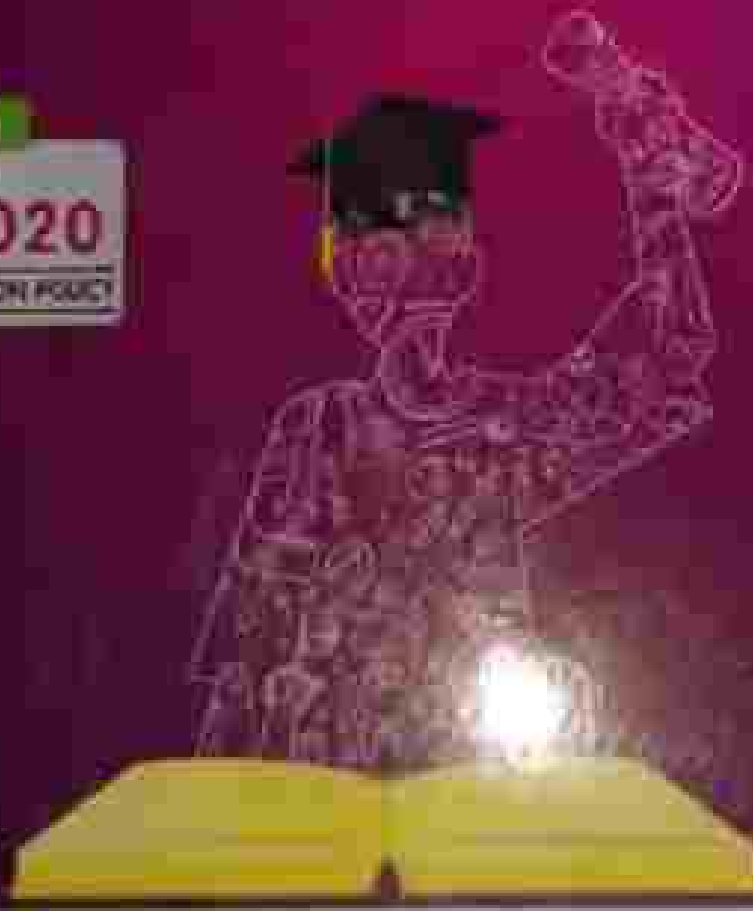

Krishna's TEXT BOOK on

Fundamentals of Chemistry

B.Sc. CHEMISTRY-I

[illegible] Colleges affiliated to universities in (Uttar Pradesh)

[illegible] 2020 Syllabus (w.e.f. 2021-22)

By

Sudha Goyal
M.Sc., Ph.D.
Retd. Head, Deptt. of Chemistry
R.G. (P.G.) College, Meerut (U.P.)

Devendra Pandey
[illegible]
Asso. Prof. & Head, Deptt. of Chemistry
[illegible] (P.G.) College, Mirzapur (U.P.)

Paritosh Prasad Bhattacharya
M.Sc., Ph.D.
Head, Deptt. of Chemistry
Sri Agrasen Kanya (P.G.) College, Varanasi (U.P.)

[illegible] Kumar
M.Sc., Ph.D.
Asso. Prof., Deptt. of Chemistry
[illegible] Town (P.G.) College, Ballia (U.P.)

Subedar Yadav
M.Sc., M.Tech., Ph.D.
Head, Deptt. of Chemistry
[illegible] Vishram Singh Govt. (P.G.) College
[illegible] (U.P.)

Ranvir Singh
M.Sc., Ph.D.
Head, Deptt. of Chemistry
[illegible] College, [illegible] (U.P.)

Vinod Kumar Yadav
M.Sc., NET, Ph.D.
Head, Deptt. of Chemistry
[illegible] (P.G.) College, Gyanpur Bhadohi (U.P.)

Kashi Edition

KRISHNA PRAKASHAN MEDIA PVT. LTD.

KRISHNA HOUSE, 11, Shivaji Road, Meerut-250 001 (U.P.), India

DEDICATED TO LORD KRISHNA & OUR LOVING PARENTS

[redacted] Text Books & Practical Books for B.A. and B.Sc. Students of all Colleges [illegible] Universities in Uttar Pradesh. **As per NEP Syllabus (w.e.f. 2021-22)**

B.Sc. 1st Sem. (w.e.f. 2021-22)

T.B. Fundamentals of Chemistry	Goyal & Others
T.B. [illegible]	[illegible]
T.B. [illegible] Analysis (Practical: Eng + हिंदी combined)	Goyal & Others

B.Sc. 2nd Sem. (w.e.f. 2021-22)

T.B. [illegible]	Goyal & Others
T.B. [illegible]	[illegible]
T.B. [illegible] Analysis (Practical: Eng + हिंदी combined)	Goyal & Others

B.Sc. 3rd Sem. (w.e.f. 2022-23)

T.B. [illegible] and Coordination Chemistry	Goyal & Others
T.B. [illegible]	[illegible]
T.B. [illegible] Analysis (Practical: Eng + हिंदी combined)	Goyal & Others

B.Sc. 4th Sem. (w.e.f. 2022-23)

T.B. [illegible] and Analytical Techniques	Goyal & Others
T.B. [redacted]	[illegible]
T.B. [illegible] Analysis (Practical: Eng + हिंदी combined)	Goyal & Others

B.Sc. 5th Sem. (w.e.f. 2023-24)

[redacted]

T.B. [illegible]	Goyal & Others
T.B. [illegible]	[illegible]
T.B. [illegible] and Chemistry of [illegible]	Goyal & Others
T.B. [illegible]	[illegible]
T.B. [illegible] Analysis (Practical: Eng + हिंदी combined)	Goyal & Others

B.Sc. 6th Sem. (w.e.f. 2023-24)

T.B. Chemical Energetics and [illegible]	Goyal & Others
T.B. [illegible]	[illegible]
T.B. Organic Synthesis-B	Goyal & Others
T.B. [illegible]	[illegible]
T.B. [illegible] (Practical: Eng + हिंदी combined)	Goyal & Others

TEXT BOOK **Fundamentals of Chemistry**

B.Sc. CHEMISTRY-I

I.S.B.N. : 978-93-91152-59-0
Book Code No. : 2607-02
First Edition : 2021
Second Edition : 2022
M.R.P. : ₹ 270.00

© Publisher

[illegible]

Published by : [illegible]
[illegible]
[illegible]
Ph. [illegible]
www.[illegible]

Designed by : [illegible]
Printed at : [illegible]

Krishna's
Educational Publishers
Since 1942

TEXT BOOK

Quantum Mechanics &
ANALYTICAL TECHNIQUES

B.Sc CHEMISTRY - IV

4th Sem
AS PER
NEP-CURRICULUM
NATIONAL EDUCATION POLICY

हिन्दी

Dr. Dhirendra Kr.
8299749978

Krishna's TEXT BOOK on

Quantum Mechanics and Analytical Techniques

B.Sc. CHEMISTRY-IV Semester

(For B.Sc. IV Semester students of All Colleges affiliated to Universities in Uttar Pradesh)

As per NEP - 2020 Syllabus (w.e.f. 2022-23)

9536905212
14-3-23

By

Dr. Sudha Goyal
M.Sc., Ph.D
Retd. Head, Deptt. of Chemistry
R.G. (P.G.) College, Meerut (U.P.)

Dr. Devendra Pandey
M.Sc., Ph.D
Prof. & Head, Deptt. of Chemistry
K.B. (P.G.) College, Mirzapur (U.P.)

Dr. Paritosh Prasad Bhattacharya
M.Sc., Ph.D
Head, Deptt. of Chemistry
Sri Agrasen Kanya (P.G.) College, Varanasi (U.P.)

Dhirendra Kumar
M.Sc., NET
Asso. Prof., Deptt. of Chemistry
S.M.M. Town (P.G.) College, Ballia (U.P.)

Dr. Ranveer Singh
M.Sc., Ph.D
Prof. & Head, Deptt. of Chemistry
S.C. College, Ballia (U.P.)

Dr. Subedar Yadav
M.Sc., M.Tech., Ph.D
Head, Deptt. of Chemistry
S.B.S. Vaikhim Singh Govt. (P.G.) College,
Chunar, Mirzapur (U.P.)

Rakesh Kumar Singh
M.Sc., M.Tech., NET, JRF
Asst. Prof., Deptt. of Chemistry
Govt. (P.G.) College, Pasarmau, Sonbhadra (U.P.)

Dr. Vinod Kumar Yadav
M.Sc., NET, Ph.D
Head, Deptt. of Chemistry
K.N. Govt. (P.G.) College, Gyanpur, Bhadohi (U.P.)

SPECIMEN

Koshi Edition

KRISHNA PRAKASHAN MEDIA PVT. LTD.
KRISHNA HOUSE, 11, Shivaji Road, Meerut-250 001 (U.P.) India

DEDICATED TO LORD KRISHNA & BELOVED PARENTS

[illegible]

B.Sc. 4th Sem. [illegible]

T.B.: Quantum Mechanics and Analytical Techniques — Goyal & Others

T.B.: [illegible] — [illegible]

T.B.: Instrumental Analysis Practical (Eng + हिंदी combined) — Goyal & Others

B.Sc. 5th Sem. [illegible]

T.B.: Organic Synthesis-A — Goyal & Others

T.B.: कार्बनिक संश्लेषण-A — [illegible]

B.Sc. 6th Sem. [illegible]

T.B.: Chemical Energetics and Radiochemistry — Goyal & Others

T.B.: Organic Synthesis-B — Goyal & Others

T.B.: Analytical Methods (Practical) (Eng + हिंदी combined) — Goyal & Others

TEXT BOOK

Quantum Mechanics and Analytical Techniques

B.Sc. CHEMISTRY Semester-IV

I.S.B.N. – 978-93-94511-92-7

Book Code No. – 2667-01

First Edition : 2023

© All Rights Reserved by Publishers

M.R.P. – ₹ 295.00

[illegible]

Published by: [illegible]

Designed by: [illegible]

Printed at: [illegible]

Syllabus

Quantum Mechanics and Analytical Techniques

B.Sc. CHEMISTRY SEMESTER-IV

AS PER NEP 2020 (NATIONAL EDUCATION POLICY) w.e.f. 2024-25

Krishna's
Educational Publishers

2nd Sem
AS PER
NEP-2020
NATIONAL EDUCATION POLICY

Text Book

Bioorganic & MEDICINAL CHEMISTRY

B.Sc. CHEMISTRY-II

Krishna's TEXT BOOK on

Bioorganic and Medicinal Chemistry

B.Sc. CHEMISTRY-II Semester

(For B.Sc. II Semester students of All Colleges affiliated to Universities in Uttar Pradesh)

As per NEP - 2022 Syllabus (w.e.f. 2022-23)

9536905242
14-3-23

By

Dr. [illegible]
[illegible]
[illegible]

Dr. Devendra Pandey
[illegible]
Prof. & Head, Deptt. of Chemistry
[illegible]

Dr. [illegible]
[illegible]
Head, Deptt. of Chemistry
[illegible]

[illegible]
[illegible]
Asso. Prof. & Head, Deptt. of Chemistry
[illegible] College, [illegible] (U.P.)

Dr. [illegible]
[illegible]
Prof. & Head, Deptt. of Chemistry
[illegible] (U.P.)

Dr. [illegible]
[illegible]
Head, Deptt. of Chemistry
[illegible] College, [illegible] (U.P.)

[illegible]
[illegible]
Asst. Prof., Deptt. of Chemistry
[illegible] (U.P.)

Dr. [illegible]
[illegible]
Head, Deptt. of Chemistry
[illegible] College, [illegible] (U.P.)

SPECIMEN

Kashi Edition

KRISHNA PRAKASHAN MEDIA PVT. LTD.
KRISHNA HOUSE, [illegible] Road, Meerut [illegible] (U.P.) India

DEDICATED TO LORD KRISHNA & BELOVED PARENTS

[illegible] As per NEP Syllabus [illegible]

[illegible]

TEXT BOOK

Bioorganic and Medicinal Chemistry

B.Sc. CHEMISTRY Semester-II

I.S.B.N.	:	[illegible]
Book Code No.	:	[illegible]
First Edition	:	2022
Edition	:	2023
M.R.P.	:	₹ 240.00

[illegible]

INDIA – NEPAL RELATION IN 21ST CENTURY
ISSUES CHALLENGES & OPTIONS

DR. KARUNENDRA SINGH
DR. SUNIL KUMAR PRASAD

CamScanner

© Editors

ISBN: 978-93-82171-49-2

Price Rs : 700/-

First Edition : 2018

Laser Type Settings :
Priya Computers, Lucknow - 226008
Ph. 7376632331

Publisher
PRATYUSH PUBLICATIONS
B-57, GALI NO 15, West Karawal Nagar, Delhi - [illegible]

HEAD OFFICE
[illegible], Lucknow - 226008
Phone : [illegible]

Email - [illegible]

Published by [illegible] for Pratyush Publications Delhi And Printed At [illegible] Delhi - [illegible]

INDIAN-NEPAL RELATIONS IN 21st CENTURY: ISSUES, CHALLENGES & OPTIONS

DR. [illegible]
DR. [illegible]

वर्तमान में भारत–नेपाल सम्बन्ध: चुनौतियाँ एवं विकल्प 81-90

[illegible]

[illegible]

भारत नेपाल संबंध स्वतंत्रता से लेकर अब तक : एक तुलनात्मक अध्ययन

[illegible] कुमार [illegible] 91-97

भारत–नेपाल सम्बन्ध : सामाजिक एवं सामरिक आयाम का महत्व

[illegible] कुमार तिवारी 98-107

भारत–नेपाल सम्बन्ध : चुनौतियाँ और सम्भावनाएं 108-113

[illegible]

[illegible]

भारत–नेपाल संबंध और कालापानी विवाद 114-122

[illegible] कुमार

भारत नेपाल सम्बन्धों का इतिहास 123-125

[illegible] कुमार सिंह

नेपाल में चीन का बढ़ता प्रभाव एवं भारत–नेपाल सम्बन्ध 126-131

[illegible] कुमार [illegible]

भारत–नेपाल सम्बन्ध : एक समग्र अवलोकन 132-139

[illegible]

भारत–नेपाल सीमा पर [illegible] नीति की [illegible] 140-149

[illegible] कुमार [illegible]

[illegible]

नेपाल–भारत संबंधों में चीन की भूमिका 150-153

[illegible]

[illegible] नेपाल और भारत 154-165

[illegible]

नेपाल में चीन का बढ़ता प्रभाव एवं भारत–नेपाल सम्बन्ध

जितेन्द्र कुमार [illegible]
असिस्टेंट प्रोफेसर
रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग
श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया

परिचय—नेपाल और चीन की बढ़ती घनिष्ठता कई सवालों को जन्म देती है। जिसके परिप्रेक्ष्य में नेपाल और भारत के सम्बन्धों को भी तौला जा रहा है। नेपाल और भारत का सम्बन्ध सिर्फ राजनीतिक नहीं है इस सम्बन्ध की नींव संस्कृति पर टिकी है। दो अलग राष्ट्र होने के बावजूद इन दो रिश्तों की घनिष्ठता ऐसी है कि इसे संस्कृति की [illegible] पर अलग करके देखना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन सा लगता है। नेपाल की बदलती राजनीतिक परिस्थितियों ने नेपाल और भारत की धरती ने हमेशा [illegible] है। ये अलग बात है कि नेपाल में कुछ वर्ग इस [illegible] को [illegible] देकर आलोकित करते है जो चीन की साम्यवादी [illegible] से प्रभावित है। इन दोनों देशों में आत्मीयता का रिश्ता है जिसे इनकार नहीं किया जा सकता है। जब दो देशों की खुली सीमाएं हों तो कभी एक दूसरे के देशों में [illegible]

[illegible]

SOCIAL MEDIA AND NATIONAL SECURITY

DR. KARUNENDRA SINGH
DR. SUNIL KUMAR PRASAD

CamScanner

© : Editors

ISBN: 978-93-82171-55-3

Price Rs : 650/-

First Edition : 2018

Laser Type Settings :
Priya Computers, Lucknow - 226008
Ph. 7376632331

Publisher
PRATYUSH PUBLICATIONS
B- 57, GALI NO 15, West Karawal Nagar, Delhi - 110094

HEAD OFFICE
JP- 535, Jairajpuri, Gauri, Sarojni Nagar, Lucknow - 226008
Phone : 9651090738

Email - ayushmangroupofpublications@gmail.com

Published by Pushpendradubey for Pratyush Publications Delhi And Printed At Arpit Offset Delhi - 110094

SOCIAL MEDIA AND NATIONAL SECURITY

DR. KARUNENDRA SINGH

DR. SUNIL KUMAR PRASAD

Influence Of Cyber Crimes In Social Media 71-78
Dr. Sunil Kumar Prasad

Cyber Crime and its Impact on Society 79-86
Dr. Sudesh kumari

Psychological Effect Of Social Media 87-95
Dr. Indu Chaudhary

Communalism in Indian Historical perspective, and its impact on national unity 96-104
Dr Harish Kumar Singh

Globalisation And Terrorism 105-114
Rakesh Pratap Singh

Media and Internal National Security 115-125
Ramakant Dubey
Abhishek Singh

Social Media and India's Internal Security 126-133
Dr. Rajeev Chauhan

The Effects Of Social Media on human Psychology 134-139
Dr.Kusumlata

Terrorism And human security 140-146
Dr Devendra Kumar Chauhan

Role of social media to emergence of ISIS in India 147-156
Jitendra Kumar Verma

Economic globalisation and Indians Security 157-163
Dr Saroj Dwivedi

New Challenges of The Media's Role in Internal & International Terrorism 164-172
Dr Mannu Lal Yadav

CS CamScanner

ROLE OF SOCIAL MEDIA TO EMERGENCE OF ISIS IN INDIA

Jitendra Kumar Verma
Assistant Professor
Department of Defence and Strategic Studies
S.M.M. Town P.G. College, Ballia

The latest figures peg social media users in India at 143 million and a 100 percent jump in the number of users in rural India from 2014 to 2015. The report by the Internet and Mobile Association of India says, "The fact that almost two thirds of the users are already accessing social media through their mobiles is a promising sign. With the expected increase in mobile traffic the number of users accessing social media on the mobile is only bound to increase." Despite internet penetration not crossing 16% of the population, the availability of low cost mobile devices has become a game changer.

India, with an estimated 371 million Mobile internet users, is the largest market for social networking site *Facebook* after the US.6 Of its 142 million strong user base in India, 130 million access the social media platform through their mobile phones.7 *YouTube*, Google's video sharing website, gets 60 million hits a month in India.8 Micro-blogging site *Twitter* has 22.2 million users in India, making it its third largest user base in the world.9 These numbers are mind boggling and have far reaching implications in terms of security, law and order. Government agencies may not be able to match pace with the radical innovations in technology but they will have to be proactive in their engagement and outreach efforts in e-governance, ensure collaboration of citizens and

Non-Traditional Security of India

Challenges & Options

Prof. S.C.Pandey
Prof. S.N.M.Tripathi
Prof. P.K.Yadav

CamScanner

Published by
NEEL KAMAL PRAKASHAN
1/11052-A, Subash Park, Shahdara, Delhi-110032
Bareilly Add:
856, Katra Chand Khan, Old City, Bareilly
email : info@neelkamalprakashan.net
Mob: 9411006565

© All rights reserved to Department of Defence & Strategic Studies

ISBN : 91-88962-*6-7

First Edition : 2018

Laser Typesetting at
NEEL KAMAL PRAKASHAN Delhi

16. Top Five Threats to National Security in the Coming Decade 133-138
Dr. Hemant Kumar Pandey, Col Shantanu Roy

17. Role of ISRO in Disaster Management 139-144
Dr. O.P. Shukla, Ravindra Kumar Verma

18. Nuclear Terrorism & Indian Security 145-150
Dr. Dharmendra Kumar Upadhyaya

19. Non-Traditional Threats to India's Security 151-156
Dr. Rahul Kumar, Dr. Hemant Kumar Pandey

20. Food Security in India 157-162
Prem Kumar Kanaudhan

21. Kashmir: The Geo-Political Perspectives and Terror Profile 164-172
Dr. Rajvir Singh

22. Pollution – A Global Menace 173-175
Dr. Rajnish Kumar

23. Internal Security Challenges to India 176-179
Dr. Dharmbir Dhanda

24. Cross-Border Immigration in North-East of India: An Evidence of Assam 180-191
Devendra Kumar

25. Role of Pakistan in Cross-Border Terrorism: With Special Reference to Gurdaspur Terror Attack 192-195
Jitendra Kumar Verma

26. India's Internal Security Issues and Options 196-199
Dr. R. B. Singh, Dr. S. C. Srivastava

27. Role of Science & Technology in India's Security 200-203
Dr. Saroj Dwivedi

28. Biological Disaster Management 204-208
Gauri Sinha

29. Non-Traditional Threats & Challenges to India's Security 209-213
Dr. Munna Lal Yadav

30. Food Security in India: Concepts, Realities & Innovations 214-218
Jitendra Kumar Verma, Prof. S.N.M. Tripathi

31. Climate Change Mythology 219-223
Dr. Rajesh Kumar Rai, Dr. Raghvendra Kumar Pandey, Dr. Dharmendra Kumar Pandey

32. Terrorism 3.0: An Analytical Study of the New Variant of Islamic Terrorism 224-235
Amit Tripathi

Food Security in India: Concepts, Realities & Innovations

Jitendra Kumar Verma
Prof. S.A.M. Tripathi

भारत-नेपाल

रणनीतिक विमर्श

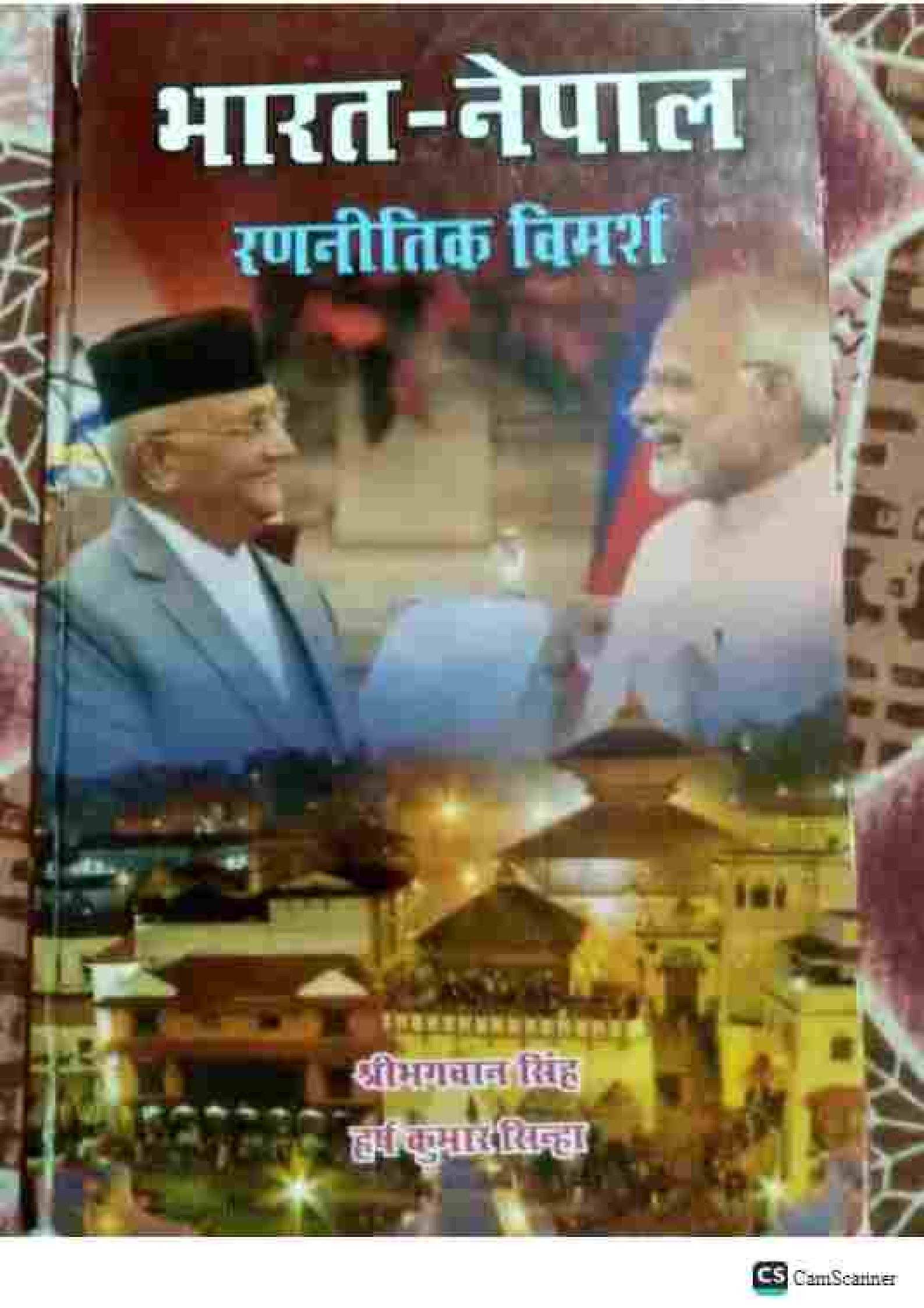

श्रीभगवान सिंह

हर्ष कुमार सिन्हा

CamScanner

प्रकाशक :
शृंखला पब्लिशिंग हाउस
ज्ञान भारती (केंद्रीय पुस्तकालय के सामने)
सिविल, अवध विश्वविद्यालय
फैज़ाबाद–अयोध्या (उ.प्र.) 224001
मो. [illegible]

Email: shrinkhalapublishinghouse@gmail.com

© डॉ. श्री [illegible] सिंह

मूल्य : [illegible]

ISBN : 978-93-85540-15-2

संस्करण : 2011

शब्द संयोजन :
[illegible]
फैज़ाबाद
मो. [illegible]

मुद्रक :
[illegible]
दिल्ली-110000

विषय-सूची

- पुरोवाक् 7

1. [illegible]
   [illegible] [illegible]
2. [illegible]
   [illegible] [illegible]
3. [illegible]
   [illegible] 29
4. [illegible]
   [illegible] 37
5. [illegible]
   [illegible] [illegible]
6. [illegible]
   [illegible] [illegible]
7. [illegible]
   [illegible] [illegible]
8. [illegible]
   [illegible] [illegible]
9. [illegible]
   [illegible] 87
10. [illegible]
    [illegible] [illegible]
11. [illegible]
    [illegible] [illegible]
12. [illegible]
    [illegible] 113
13. [illegible]
    श्री रितेश कुमार चौरसिया 120

8

चीनी रणनीति के आयाम एवं चिन्तायें

जितेन्द्र कुमार वर्मा

दक्षिण एशिया में नेपाल मध्यवर्ती हिमालय की उपत्यकाओं में बसा हुआ एक छोटा सा देश है जो भारत की स्थलीय सीमा से तीन तरफ से घिरा हुआ है। भारत और नेपाल के सम्बन्ध प्राचीन काल से ही मधुर रहे हैं। [illegible] सम्बन्धों के साथ शुरू किया गया "शांति एवं मित्रता की संधि (1950)" दोनों देशों के बीच सुरक्षा एवं द्विपक्षीय व्यापार को [illegible] दिया है। 1960–2010 की अवधि में भारत–नेपाल द्विपक्षीय सम्बन्धों में उतार–चढ़ाव की एक श्रृंखला को देखा गया। 1970 के दशक में [illegible] भारत–नेपाल सम्बन्धों को और [illegible] भारत ने नेपाल को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अस्थायी सदस्यता [illegible] बनाने में सहयोग किया।

नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता और कमजोर राजनीतिक नेतृत्व के कारण चीन से विस्तारवादी प्रवृत्ति के साथ ही इस देश में आर्थिक पिछड़ेपन तथा बेहद गरीबी जैसे कारकों के [illegible] भारत की इस देश के प्रति [illegible] में बदलाव आया है। [illegible] आर्थिक पिछड़ापन [illegible] के फैलाव का कारण बनते हैं, जो भारत ने [illegible] करना प्रारम्भ कर दिया, कि [illegible] देशों का विकास [illegible] करेगा। फलस्वरूप भारत ने नेपाल की सुरक्षा और आर्थिक स्थिति पर ध्यान केन्द्रित किया।

दक्षिण एशिया में वर्तमान समय में भारत का सम्बन्ध अपने पड़ोसियों के साथ [illegible] है। [illegible] में भारतीय सुरक्षा की आन्तरिक एवं बाह्य चुनौतियों के कारण भारत की [illegible] नीति के [illegible] है। 21वीं सदी में भारत एवं नेपाल

India's Defence Achievements

@75

Years of Independence

Pankaj Kumar Verma
Amar Singh

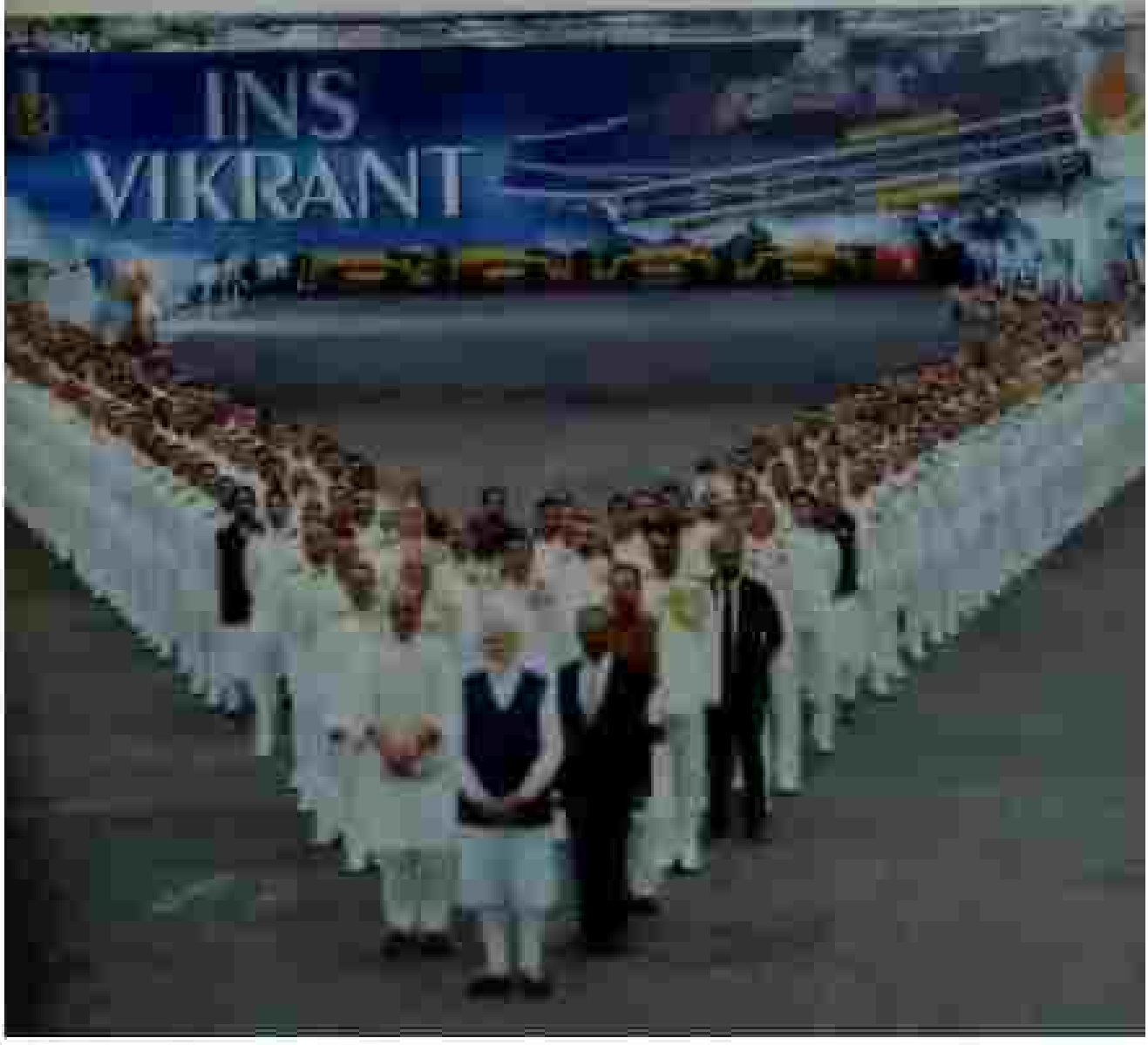

CamScanner

The content/subject in this book belongs to the respective Editors/Authors and solely represent their thoughts, the Publisher, Printer and Typist bears no responsibility for their thoughts and perspective.

ISBN : 978-93-91993-86-3

Publisher :

Satyam Publishing House

N-3/25, Mohan Garden, Uttam Nagar,

New Delhi-110059 (India)

Mobile: +91-7042082850, 9899665801

E-mail: satyampub_2006@yahoo.com

India's Defence Achievements @ 75 Year of Independence

Price ₹ 1300.00

First Edition: 2023

© Reserved

This book can only be accessed for reading and cannot be reproduced or distributed in any format without the Publisher's written Consent.

Published in India

Published by K. D. Pandey for Satyam Publishing House, New Delhi. Laserset by Satyam Printographics, New Delhi and Printed at [illegible] Printers, [illegible] Delhi.

26. अफ्रीका में बढ़ती सैन्य प्रतिस्पर्धा और भारतीय दृष्टिकोण
डॉ. [illegible] सिंह एवं [illegible] कुमार [illegible] [illegible]

27. भारतीय वायु सेना में लड़ाकू विमानों की भूमिका : एक संक्षिप्त परिचय
डॉ. [illegible] एवं [illegible] 212

28. भारतीय सैन्य बलों में महिलाओं की भूमिका– एक विश्लेषणात्मक अध्ययन
डॉ. [illegible] कुमार सिंह एवं [illegible] [illegible]

29. वर्तमान परिवेश में भारतीय साइबर सुरक्षा
डॉ. [illegible] सिंह [illegible] [illegible]

30. भारत की साइबर सुरक्षा संरचना की यात्रा : डिजिटल आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ता हुआ कदम
शिवानी [illegible] एवं डॉ. [illegible] [illegible]

31. शक्ति आराधना, साधना व बलवेदी इतिहास की अपरिहार्यता एवं वर्तमान अमृतकालीन भारत
डॉ. [illegible] कुमार सिंह [illegible]

32. आज़ादी के 75 वर्षों में भारत की प्रमुख रक्षा उपलब्धियाँ : एक अवलोकन
डॉ. [illegible] सिंह एवं [illegible] 251

33. 21वीं सदी में भारतीय समुद्री सुरक्षा: चुनौतियाँ और उपाय
डॉ. [illegible] कुमार सिंह [illegible]

34. भारतीय रक्षा तथा संरचना : एक अवलोकन
डॉ. [illegible] सिंह एवं डॉ. [illegible] कुमार [illegible]

35. साइबर सुरक्षा
डॉ. [illegible] कुमार सिंह [illegible]

36. स्वतंत्रता के पश्चात रक्षा औद्योगीकरण में निजी क्षेत्र की भागीदारी
डॉ. [illegible] कुमार [illegible] एवं डॉ. [illegible] त्रिपाठी [illegible]

37. भारतीय नौसेना का गौरवशाली इतिहास
डॉ. [illegible] एवं डॉ. [illegible] [illegible]

CamScanner

स्वतंत्रता के पश्चात् रक्षा औद्योगीकरण में निजी क्षेत्र की भागीदारी

[illegible]
[illegible]

सारांश– [illegible] जनवरी 2002 में शुरू हुआ। [illegible] 25 सितम्बर 2014 को 'मेक इन इंडिया' [illegible] 2017 [illegible]

मुख्य शब्द– रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन, निजी क्षेत्र, [illegible]

परिचय– [illegible]

[illegible]

[illegible]

India-China Relations

Issues and Emerging Trends

Edited by :-

Dr. Akshay Kumar : Dr. Viresh Kumar : Dr. Shivendra Shahi

CamScanner

Published by

ACADEMIC EXCELLENCE

(Publishers & Distributors)

Saraswati House, U-9, Subhash Park,
Near Solanki Road, Uttam Nagar, New Delhi - 110059
Ph. 011-25333264, 9911242336
e-mail : rkgpost@gmail.com
www.aegop.com

India - China Relations : Issues and Emerging Trends

Copyright — Editor (s)

1st Edition, 2023

ISBN : 978-93-83246-96-0

[All rights reserved. No part of this book can be reproduced in any manner or by any means without prior permission of the Publisher]

PRINTED IN INDIA

Published by R.K. Gupta for Academic Excellence, New Delhi [illegible] typeset at Graphic Era, Delhi and Printed at [illegible]

20. A Study on Bharat-Sinotrade Analysis During and After The Pandemic (COVID-19) With Special Reference to Bharat's New Trade Policies — 231
Mr. Anand Soni and
Prof. (Dr.) Rafiqur Rehman
21. India's Maritime Strategy in Indo-Pacific Region — 242
Dr. Karunendra Singh
22. China's Military Re-Organization — 254
Dr. Aksay Kumar
23. The Tibetan Frontier: How China Actions Threaten India's Security — 272
Dr. Jitendra Kumar Verma and
Dr. Subodh Mani Tripathi
24. Emerging Challenges in Indo-Pacific Region and India's Soft Power Diplomacy — 294
Dr. Vijay Kr and Durga Shankar Yadav
25. Bilateral Strategic Triangle-Conflict Perception and Co-Operation India-China Relationship: scenario — 302
Dr. Munna Lal Yadav
26. A Strong Bonding in the Relationship of India and China through Literary Translation — 310
Dr. Neeru Varshney
27. India's Economic Development and Bilateral Trade Between India and China — 327
Dr. Vivek Singh and Sonali Yadav
28. The Historical Aspects of India China Relations — 340
Manish Raj Singh and Prof. Sanjay Kumar
29. Role of QUAD in Shaping The Indo-China Relationship — 355
Dr. Awanesh Kumar Verma and Dr. Amar Singh
30. China's Nuclear Policy: An Overview — 364
Dr. Shivendra Shahi and Ms. Jahanvi Judan

The Tibetan Frontier: How China Actions Threaten India's Security

Dr. Jitendra Kumar Verma
Assistant Professor,
Department of Defence and Strategic Studies
S M M Town P G College, Ballia

Dr. Subodh Mani Tripathi
Assistant Professor,
Department of Defence and Strategic Studies
S M M Town P G College, Ballia

Abstract - Tibet has been an important factor in India-China relations. Tibet was an independent country and acted as a buffer between India and China prior to 1950, but after China's occupation of Tibet India's borders started to merge with China leading to the emergence of border disputes. China has used Tibet as a military camp in 1962. China invaded India through the Tibet route and continues to supply weapons to terrorists/separatists in India through the Tibet. China border have merged with Pakistan after China occupation of Tibet and creating a military alliance against India. This poses a serious threat to Indian security.

India and China are both emerging as architects of the new world order. They have differences on various issues about Tibet due to their rapidly growing economies and powerful military capabilities. China's military construction and development of basic infrastructure in Tibet have increased in recent years.